MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 29 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-116

दीदी-मोदी फाइनल

आज बंगाल में टूटेगा वोटिंग रिकार्ड

कोलकाता, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में दूसरे और आखिरी चरण के लिए आज यानी 29 अप्रैल को मतदान होगा। इसके लिए तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। राजधानी कोलकाता समेत छह जिलों की 142 विधानसभा सीटों पर आज वोट डाले जाएंगे। इस चरण में 3.21 करोड़ से अधिक मतदाता 1,448 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। आज होने वाला मतदान तय करेगा कि क्या तृणमूल कांग्रेस दक्षिण बंगाल के अपने गढ़ को बरकरार रख पाती है या बीजेपी इसमें सेंध लगाकर सत्ता तक पहुंचने में सफल होती है।

पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान में इस बात की परीक्षा हुई कि उत्तर बंगाल और आस-पास के जिलों में बीजेपी अपनी पारंपरिक बढ़त को बरकरार रख सकी है या नहीं और अब दूसरे चरण में तृणमूल कांग्रेस के गढ़ कोलकाता, हावड़ा, उत्तर-दक्षिण 24 परगना, नदिया, हुगली और पूर्वी बर्धमान के मुकाबलों पर नजर रहेगी। दूसरे चरण में जिन 142 सीटों पर मतदान होना है, उनमें से तृणमूल कांग्रेस ने 2021 में 123 सीट जीती थीं, बीजेपी ने सिर्फ 18 और आईएसएफ ने एक सीट हासिल की थी।

पांच साल पहले भाजपा के आक्रामक प्रचार अभियान के बावजूद ममता बनर्जी की टीएमसी ने दक्षिण बंगाल में शानदार प्रदर्शन किया और राज्य की सत्ता पर अपना कब्जा बरकरार रखा। इस नतीजे ने स्पष्ट कर दिया कि अगर आपको पश्चिम बंगाल की सत्ता चाहिये, तो दक्षिण बंगाल को जीतना सबसे जरूरी है। भवानीपुर विधानसभा सीट पर भी इसी चरण में मतदान होना है, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का गढ़ है और बीजेपी ने यहां नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है।

बीजेपी के लिए असली परीक्षा यहीं

बीजेपी के लिए दूसरा चरण केवल अंतिम दौर का मतदान नहीं है, बल्कि यह इस बात की असली परीक्षा है कि क्या सत्ता विरोधी लहर, भ्रष्टाचार के आरोप और नागरिकता की राजनीति सत्ताधारी दल की सबसे मजबूत दीवार में सेंध लगा सकती है। टीएमसी के लिए इस क्षेत्र पर अपनी पकड़ बरकरार रखना अहम है, जिससे उसके लगातार चौथी बार सत्ता में आने का रास्ता साफ होगा।

टीएमसी के एक सीनियर नेता ने कहा, 'यह हमेशा से हमारा मजबूत गढ़ रहा है और 2021 विधानसभा से लेकर 2024 के लोकसभा चुनावों में भी यहां के लोगों ने हमारा साथ दिया।

अगर हम इस क्षेत्र में फिर से जीत दर्ज करते हैं, तो बंगाल में ममता बनर्जी की ही सरकार बनेगी।' वहीं बीजेपी के एक नेता ने कहा, 'दक्षिण बंगाल के किले को ध्वस्त किये बिना हम सत्ता तक नहीं पहुंच सकते। उत्तर 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा ही असली चुनावी युद्ध मैदान हैं। बदलाव यहीं से होगा।

क्यों अहम हैं यह 142 सीटें?

भौगोलिक स्थिति इसकी अहमियत को स्पष्ट करती है। उत्तर 24 परगना में विधानसभा की 33 सीट, दक्षिण 24 परगना में 31, हावड़ा में 16, नदिया में 17, हुगली में 18, पूर्वी बर्धमान में 16 और कोलकाता में 11 सीट हैं। सीटों का यही गणित बताता है कि क्यों बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने प्रचार के अंतिम चरण में इन जिलों पर खास ध्यान केंद्रित किया और रैलियों व रोड शो के जरिए भ्रष्टाचार, घुसपैठ, चुनाव बाद हिंसा तथा महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। साथ ही, बनगांव के मतुआ ठाकुरबाड़ी जाकर प्रतीकात्मक रूप से इस समुदाय के बीच अपनी पैठ बनाने की कोशिश भी की।

राज्य में पहले चरण में 93.19 प्रतिशत मतदान दर्ज होने के बाद बनर्जी ने दावा किया था कि तृणमूल कांग्रेस पहले ही 100 सीट का आंकड़ा पार कर चुकी है। यह राज्य में अब तक का सबसे अधिक मत प्रतिशत है। डखठ ने नाम हटाए जाने के मुद्दे को दूसरे चरण का संभवतः सबसे संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। उत्तर 24 परगना में वोटर लिस्ट से 12.6 लाख से अधिक नाम हटाए गए, दक्षिण 24 परगना में 10.91 लाख से अधिक, कोलकाता में लगभग 6.97 लाख, हावड़ा में लगभग छह लाख, हुगली में 4.68 लाख और नादिया में लगभग 4.85 लाख नाम हटाए गए। कम से कम 25 विधानसभा क्षेत्रों में हटाए गए नामों की संख्या पिछली जीत के अंतर से कहीं अधिक है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिन क्षेत्रों में जीत का अंतर हटाए गए नामों की तुलना में कम है, वहां एसआईआर न केवल चुनाव परिणामों को, ▶8पर

सी.वी. आनंद बने नए डीजीपी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

पुलिसिंग में विशाल अनुभव और अपने बायोडाटा में कई सफल कहानियों को सजाए हुए वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारी सी.वी. आनंद को मंगलवार को यहां पुलिस महानिदेशक (पुलिस बल के प्रमुख) नियुक्त किया गया। वर्तमान डीजीपी (पूर्ण अतिरिक्त प्रभार) बी. शिवधर रेड्डी 30 अप्रैल को सुपरनिवेशन (सेवानिवृत्ति की आयु) पूर्ण होने पर पद छोड़ने के बाद वह पदभार ग्रहण करेंगे।

राज्य सरकार ने 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी आनंद की नियुक्ति को प्रकाश सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस के सख्त अनुपालन में अंतिम रूप दिया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के करीबी सूत्रों ने कहा, वरिष्ठता और दक्षता को देखते हुए आनंद प्राकृतिक विकल्प थे।

असल अर्थों में एक शहरी लड़के, आनंद का जन्म पेटलाबुर्ज के जजगी खाना (मैटरनिटी) सरकारी अस्पताल में हुआ था। आनंद ने हैदराबाद पब्लिक स्कूल में स्कूली शिक्षा प्राप्त की, निजाम कॉलेज से स्नातक की डिग्री ली और उस्मानिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एमए किया।

सिविल सेवा परीक्षा पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद, आनंद ने अपनी पहली पोस्टिंग वरंगल में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में सेवा की शुरुआत की और पहली बार निजामाबाद में जिला पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत रहे। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, उनकी सेवा के पहले नौ वर्ष नक्सल प्रभावित जिलों में रहे, जहां उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बलों का नेतृत्व किया और गोलीबारी और मुठभेड़ों में भाग लिया।

राष्ट्रपति वीरता पदक से सम्मानित

आनंद को राष्ट्रपति वीरता पदक प्राप्त हो चुका है। शीर्ष पद तक पहुंचने से पहले उन्होंने विजयवाड़ा, साइबराबाद और दो बार हैदराबाद में पुलिस आयुक्त, नागरिक आपूर्ति आयुक्त, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक और सतर्कता तथा प्रवर्तन शाखा के रूप में सेवा दी। उन्होंने सीआईएसएफ और एनआईएसए में प्रतिनियुक्ति पर भी सेवा दी।

गणेश विसर्जन जुलूस को व्यवस्थित करने के साथ-साथ शहर के यातायात को सुधारना, कृषि बैंक घोटाले में आरोपियों को कानून के शिकंजे में लाना, नागरिक आपूर्ति के कर्ज बोझ को 15,000 करोड़ रुपये से घटाकर 3,000 करोड़ रुपये करना ‐ जिसके लिए उन्हें नागरिक आपूर्ति में आईटी सक्षम पहलों के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार मिला ‐ आनंद की कुछ उल्लेखनीय पहलें रही हैं।

आनंद ने शहर के आसपास भूमि विवादों से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी विकसित की और पुलिसिंग में अपनी आईटी पहलों के लिए दुबई में वर्ल्ड पुलिस समिट में पहला पुरस्कार जीता।

यूएई ने ओपेक छोड़ा

ग्लोबल ऑयल मार्केट पर होगा असर

अबु धाबी/दुबई, 28 अप्रैल (एजेंसियां):

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मंगलवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि वह 1 मई से तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक (ओपेक) से बाहर हो जाएगा। यूएई ने यह घोषणा अपनी सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम के जरिए की। यूएई ने बयान में कहा कि यह फैसला देश की दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक सोच को दर्शाता है। साथ ही यह उसके बदलते घरेलू ऊर्जा उत्पादन में तेज निवेश की नीति का हिस्सा है।

यूएई ने कहा कि वह वैश्विक ऊर्जा बाजार में भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपनी भूमिका निभाता रहेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब यूएई और सऊदी अरब के बीच कई आर्थिक मुद्दों को लेकर मतभेद बढ़े हैं। इसके अलावा यमन युद्ध और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को लेकर भी दोनों देशों के बीच तनाव देखा गया है। यूएई के इस कदम का असर वैश्विक तेल बाजार और ओपेक की ताकत पर पड़ सकता है। यूएई ने 1967 में ओपेक ज्वाइन किया था। ईरान युद्ध अब नौवें हफ्ते में पहुंच चुका है, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज लगभग बंद पड़ा है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। ▶8पर

नगर निगम चुनाव में ऐतिहासिक जीत

15 के 15 भाजपाई

अहमदाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

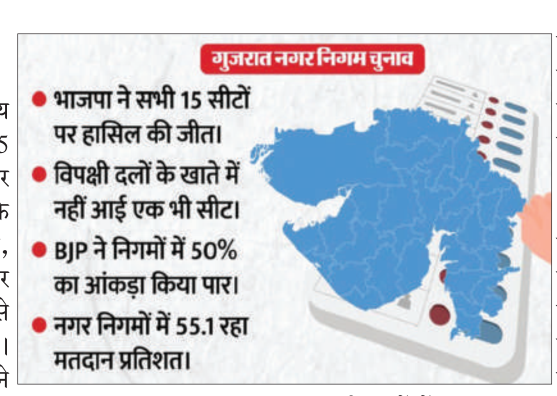

गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने सभी 15 नगर निगमों पर जीत हासिल कर ली है। राज्य चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ दल भाजपा ने नगर निगमों में कुल सीटों के आधे से अधिक पर जीत दर्ज की है। मोरबी नगर निगम में भाजपा ने सभी 52 सीटों पर कब्जा किया है। रविवार, 26 अप्रैल को 15 नगर निगमों, 84 नगर पालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के लिए मतदान हुआ था।

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इन चुनावों को राज्य के सबसे बड़े चुनावी अभ्यासों में से एक माना गया। इसमें लगभग 9,200 सीटों पर 4.18 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता शामिल थे।

भाजपा ग्रामीण स्थानीय निकायों में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरी है। 1,090 सीटों वाली 34 जिला पंचायतों में पार्टी ने 568 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 77 और अन्य को 30 सीटें मिलीं। वहीं 5,234 सीटों वाली 260 तालुका पंचायतों में भाजपा ने 2,397 सीटें हासिल कीं, कांग्रेस ने 591 सीटें जीतीं, जबकि अन्य को 329 सीटें मिलीं। सूरत नगर निगम की 120 सीटों में से भाजपा ने 115 सीटें जीती हैं। वहीं, आप चार सीटों पर सिमट गई है। आप ने 2021 में 27 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में एक सीट गई है।

मोदी ने राज्य सरकार को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, गुजरात और भाजपा के बीच संबंध और भी मजबूत हुए हैं! राज्य भर में हुए महानगरपालिका, नगरपालिका, तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में मिली शानदार जीत के लिए गुजरात की जनता का आभार।

राज्य सरकार के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए जनता ने सुशासन की राजनीति को चुना है। उन्होंने वर्षों से भाजपा की कड़ी मेहनत को सराहा है।

मैं गुजरात की जनता को आश्वस्त करता हूं कि हम आने वाले समय में और भी अधिक मेहनत करेंगे और गुजरात को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। ▶8पर

गोधरा ने रच दिया इतिहास

100% मुस्लिम, जीती हिंदू महिला

गोधरा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। इस शहर का नाम सुनते ही जहन में एक कड़वी याद ताजा हो जाती है। दंगों का दंश आंखों में उतर आता है। लेकिन मंगलवार को इसी शहर ने स्थानीय निकाय चुनाव में सामाजिक सद्भाव का ऐसा जोरदार संदेश दिया, जो इतिहास बन गया है। गोधरा नगर पालिका के इतिहास में पहली बार स्वतंत्र हिंदू महिला उम्मीदवार अपेक्षाबेन नैनेशभाई सोनी ने वार्ड नंबर 7 से शानदार जीत हासिल की है। यह एक ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है, जहां 100 प्रतिशत मतदाता मुस्लिम समुदाय से हैं। अपेक्षाबेन सोनी की जीत ने इस क्षेत्र की राजनीतिक कहानी को पूरी तरह से बदल दिया है। वार्ड 7 में रजिस्टर्ड हिंदू मतदाता न होने के बावजूद, वह स्थानीय निवासियों का भरोसा जीतने में कामयाब रहीं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उनकी जीत मुस्लिम मतदाताओं के निर्णायक समर्थन के कारण मुमकिन हो पाई। इन मतदाताओं ने पारंपरिक धार्मिक और जाति-आधारित मतदान के तरीकों से ऊपर उठकर एक ऐसे उम्मीदवार को चुना, ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 27^0

पेट्रोल-डीजल महँगा?

पंपों पर भीड़, सरकार ने खारिज कीं अटकलें

नयी दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका-ईरान में तनाव जारी है। दुनिया की तेल जरूरत को पूरा करने वाला महत्व-पूर्ण समुद्री रूट होर्मुज स्ट्रेट बंद है और कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। इस बीच कुछ रिपोर्ट्स में आशंका जाहिर की जा रही थी कि भारत में जारी राज्य चुनावों के बाद पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि देखने को मिल सकता है। लेकिन सरकारी अधिकारियों का कहना है कि सरकार का ऐसा कोई प्लान नहीं है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, ईंधन की कीमतों में इजाफे से जुड़ी इस तरह की अटकलों को खारिज करते हुए मंगलवार

को एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि सरकार का पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को वोटिंग खत्म होने के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का कोई प्लान नहीं है।

रिपोर्ट की मानें तो वेस्ट एशिया में संघर्ष की वजह से पिछले दो महीनों में कच्चे तेल की कीमतें 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई हैं। इनपुट कॉस्ट और पेट्रोलपंप की कीमतों के बीच बढ़ते अंतर की वजह से सरकारी फ्यूल रिटेलर्स को भारी नुकसान हो रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में जाहिर किए गए अनुमानों को देखें, तो रोजाना का नुकसान करीब 2,400 करोड़ रुपये है। रोज हो रहे इस नुकसान की खबरों के बीच तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के बाद कीमतों में बढ़ोतरी किए जाने की आशंका से जुड़ी अटकलें तेज हो गईं।

बीते दिनों आई रिपोर्ट्स में एनालिस्ट्स संभावना जताते हुए नजर आए थे कि दुनिया भर में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और इंटरनेशनल और घरेलू फ्यूल की कीमतों के बीच बढ़ते अंतर के ▶8पर

पाकिस्तानी सेना के आदेश से हड़कंप

मर मुरा गया मसूद?

इस्लामाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी फौज और खुफिया एजेंसी आईएसआई ने मसूद अजहर को लेकर एक अघोषित आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि पाकिस्तान का कोई भी टीवी चैनल, अखबार या वेबसाइट मसूद अजहर से जुड़ी कोई खबर नहीं चलाएंगे या छापेंगे। इतना ही नहीं, दबी जुबान में सारे मीडिया संस्थानों के मालिकों को ये धमकी भी दी गई है कि अगर मसूद अजहर से जुड़ी कोई जानकारी सामने आई तो मालिकों को नतीजे भुगतने होंगे।

मसूद अजहर और हाफिज सईद जैसे आतंकियों को पाकिस्तानी फौज दशकों से बचाती आई है। लेकिन अब मसूद अजहर को लेकर ऐसा आदेश क्यों जारी किया गया। इस सवाल का एक ही जवाब है मसूद अजहर की हालत। 2001 के संसद अटैक से लेकर 2019 के पुलवामा ब्लास्ट जैसी आतंकी

वारदातों को अंजाम देने वाला मसूद अजहर बिस्तर पर पड़ा है, तड़प तड़प कर मर रहा है। पाकिस्तान हमेशा मसूद की सेहत से जुड़ी जानकारियां छिपाता रहता है लेकिन इसी साल मुनीर के प्यादों ने एक ऐसी गलती की थी, जिससे मसूद के हालात एक्सपोज हो गए थे। ▶8पर

अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव, होर्मुज से नाकेबंदी हटाने, दो चरणों में वार्ता की पेशकश

तेहरान

पश्चिम एशिया में जारी भीषण सैन्य तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ जारी टकराव को टालने के लिए एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अपना यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस भेज दिया है। इस नए शांति प्लान में ईरान ने दो चरणों में बातचीत का सुझाव दिया है, जिसमें सबसे पहली और प्रमुख शर्त स्ट्रैट आफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) से नाकेबंदी हटाने और युद्ध को तुरंत समाप्त करने की रखी गई है।

ईरान द्वारा भेजे गए दो-चरणीय प्रस्ताव के मुताबिक, पहले चरण में अमेरिका को स्ट्रैट आफ होर्मुज को खोलना होगा और वहां जारी सैन्य नाकेबंदी को खत्म करना होगा। ईरान का मानना है कि जब तक यह सामरिक जलमार्ग व्यापार और आवाजाही के लिए सुरक्षित नहीं होता, तब तक किसी भी गंभीर कूटनीतिक वार्ता का आधार तैयार नहीं हो सकता। इसके साथ ही, ईरान ने युद्धविराम की अवधि बढ़ाने या जंग को पूरी तरह खत्म करने की मांग की है। दूसरे चरण में, स्थितियां सामान्य होने के बाद, ईरान परमाणु हथियार कार्यक्रम जैसे विवादास्पद मुद्दों पर मेज पर बात करने को तैयार है। ईरान ने इस दौरान सुरक्षा की गारंटी, युद्ध से हुए नुकसान का मुआवजा और होर्मुज को लेकर एक नए कानूनी ढांचे के निर्माण की भी मांग की है।

यह कूटनीतिक हलचल तब हुई है, जब शांति वार्ता लगभग ठप पड़ी हुई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि यदि ईरान शांति चाहता है, तब वह सीधे संपर्क कर सकता है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल करने नहीं दिए जाएंगे। इससे पहले अमेरिका ने ईरान के पुराने प्रस्तावों को नाकाफी बताकर अपनी टीम भेजने का विचार त्याग दिया था। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची बेहद सक्रिय नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और शीर्ष सैन्य अधिकारियों से चर्चा करने के बाद अराघची अब रूस रवाना हुए हैं, जहां वे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने वाले है। हालांकि, इस नए प्रस्ताव पर सहमति बनने की उम्मीद फिलहाल कम ही दिख रही है। अमेरिका की स्पष्ट शर्त है कि ईरान को कम से कम 10 वर्षों के लिए अपना परमाणु संवर्धन कार्यक्रम रोकना होगा और मौजूदा परमाणु भंडार को देश से बाहर करना होगा। इन कड़ी शर्तों के बिना अमेरिका युद्धविराम के लिए तैयार नहीं है, जिससे इस नए शांति प्रस्ताव के भविष्य पर संशय बना हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप की डिनर पार्टी में जहां चली गोली, उसी होटल में पूर्व राष्ट्रपति रीगन पर हुआ था जानलेवा हमला

वाशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन स्थित हिल्टन होटल फिर सुर्खियों में है। शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप होटल में वाइट हाउस के पत्रकारों के साथ डिनर पार्टी में शामिल हुए थे, जिसमें हुई फायरिंग ने सभी को चौंका दिया। इस गोलीबारी ने इसी होटल में हुई एक खौफनाक घटना को ताजा कर दिया है। साल 1981 में इसी होटल में तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हुए थे। अब चार दशक से ज्यादा समय के बाद फिर इस होटल में किसी राष्ट्रपति के कार्यक्रम में गोलियों की आवाज सुनाई दी है। रोनाल्ड रीगल पर हमले की वजह से वाशिंगटन हिल्टन को स्थानीय लोग बोलचाल में हिनकली हिल्टन भी कहते हैं। उस घटना के दौरान जान हिनकली जूनियर नाम के शख्स ने कुछ ही सेकंड के भीतर रीगन पर छह गोलियां चलाई थीं। यह हमला 30 मार्च 1981 को हुआ था, जब रीगन होटल में कार्यक्रम के बाद बाहर आ रहे थे। लेकिन रीगन इस हमले में बच गए थे लेकिन गंभीर रूप से घायल हुए थे। एक गोली ने उनके फेफड़े को छेद दिया था, इसकारण शरीर के अंदर काफी खून बह गया। आरोपी जान हिंकले जूनियर ने .22 कैलिबर की रिवाल्वर से राष्ट्रपति और उनकी सुरक्षा टीम पर गोलियां चलाईं। एक गोली लिमोजिन कार से टकराकर वापस उछली और उनके बाएं हाथ की बगल के नीचे से जाकर फेफड़े तक पहुंच गई। रीगन के घावों पर किसी का ध्यान ही नहीं गया, जब तक उन्हें खून की उल्टियां नहीं होने लगीं।

हथियार बाजार का प्रमुख खिलाड़ी बना भारत, रुसी पत्रकार का दावा, 2014 की तुलना में कई गुना बड़ा रक्षा निर्यात बाजार

मास्को। दुनिया के हथियार बाजार में भारत की बढ़ती भूमिका को लेकर रूस में काफी चर्चा हो रही है। रूसी पत्रकार ने अपने पोस्ट में दावा किया है कि हथियारों के अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत अब तेजी से उभरता हुआ खिलाड़ी बन चुका है और इससे रूस के पारंपरिक प्रभाव वाले क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। उनके अनुसार, यह स्थिति मास्को के लिए रणनीतिक चुनौती बनती जा रही है, क्योंकि कई पुराने साझेदार देश अब भारत की ओर देख रहे हैं। रुसी पत्रकार के मुताबिक, 2025 में भारत का रक्षा निर्यात करीब 4 अरब डालर तक पहुंचा है, जो 2014 की तुलना में कई गुना अधिक है। इस वृद्धि ने भारत को वैश्विक रक्षा आपूर्तिकर्ताओं की सूची में एक मजबूत स्थान दिलाया है। रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपींस भारत का प्रमुख ग्राहक बनकर उभरा है, जबकि आर्मेनिया और वियतनाम जैसे देश भी भारतीय हथियारों की खरीद बढ़ा रहे हैं। आर्मेनिया का उदाहरण खासतौर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यदि ईरान के तेल कुओं समेत किसी भी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया, तो तेहरान चार गुना जवाब देगा - इस्फहानी

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर अनिश्चितता के बीच ईरान ने पड़ोसी खाड़ी देशों को चेतावनी दी है कि वे वाशिंगटन का समर्थन करने से बचें। ईरान के उपराष्ट्रपति इस्माइल सग़हाब इस्फहानी ने कहा है कि यदि ईरान के तेल कुओं समेत किसी भी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया, तो तेहरान चार गुना जवाब देगा। इस्फहानी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, हम किसी भी युद्ध जैसी कार्रवाई का जवाब देंगे। यदि नाकेबंदी के कारण हमारे तेल कुओं सहित किसी भी ढांचे को नुकसान पहुंचता है, तो आक्रामक देश का साथ देने वाले देशों को चार गुना नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, हम गणित अलग तरीके से करते हैं। एक तेल कुएं के बदले चार तेल कुएं। इस बयान को अमेरिका समर्थक देशों के लिए सीधी चेतावनी माना जा रहा है। ईरान की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि लगातार दबाव के चलते ईरान की तेल आपूर्ति और भंडारण क्षमता प्रभावित हो सकती है। ट्रंप ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर लिखा था, ईरान आर्थिक रूप से टूट रहा है। वे चाहते हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य तुरंत खोला जाए। नकदी की भारी कमी है और रोजाना 50 करोड़ डालर का नुकसान हो रहा है। बाद में फाक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि यदि यही स्थिति जारी रही, तो कुछ ही दिनों में ईरान की तेल पाइपलाइन व्यवस्था गंभीर संकट में पहुंच सकती है।

नेतन्याहू को सत्ता से हटाने, एक साथ आ रहे 2 विरोधी नेता बेनेट और लैपिड

इजराइल में अक्टूबर 2027 में चुनाव होने की संभावना

तेल अवीव

इजराइल में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नफ्ताली बेनेट और येर लैपिड ने मौजूदा पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक साथ चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उनका मकसद लंबे समय से सत्ता में रहे नेतन्याहू को हटाना है। बता दें कि दोनों पहले भी 2021 में साथ आए थे और उन्होंने अलग-अलग विचारधाराओं वाली पार्टियों को जोड़कर 12 साल से चली आ रही नेतन्याहू की सत्ता गिरा दी थी।

अब दोनों नेताओं ने फिर से साथ आने और एक नई पार्टी बनाने का फैसला किया है। इस पार्टी का नाम टुगेदर रखा गया है। इस नई पार्टी की अगुवाई बेनेट करने वाले है। वे ही पीएम उम्मीदवार भी है। इजराइल में अक्टूबर 2027 में चुनाव होने हैं, लेकिन माना जा रहा है कि नेतन्याहू इसी साल अक्टूबर में संसद भंग कर चुनाव करा सकते हैं।

2021 में हुए समझौते के तहत पहले बेनेट प्रधानमंत्री बने और बाद में लैपिड को यह जिम्मेदारी संभालनी थी। हालांकि यह सरकार बहुत कम बहुमत पर टिकी थी। इसमें दक्षिणपंथी, वामपंथी, मध्यमार्गी और एक अरब पार्टी शामिल थी। इनकी अलग-अलग विचारधारा वाली इन पार्टियों में सुरक्षा, फिलिस्तीन और बस्तियों जैसे मुद्दों पर सभी की सोच अलग थी, जिससे बार-बार टकराव होता रहा। आखिरकार हालात इसतरह के बने कि सरकार चलाना मुश्किल हो गया। तब बेनेट और लैपिड ने संसद भंग करने का फैसला किया और नए चुनाव कराए गए। इसमें नेतन्याहू की जीत हुई और वे फिर से सत्ता में लौट आए। तब से लैपिड विपक्ष के नेता हैं, जबकि बेनेट कुछ समय के लिए राजनीति से दूर हुए थे। उनकी पार्टी यमीना ने भी चुनाव नहीं लड़ा था। लैपिड की पार्टी का कहना है कि इस कदम का मकसद विपक्ष को एकजुट करना, आपसी झगड़ों को खत्म करना और आने वाले अहम चुनाव जीतने पर पूरा ध्यान लगाना है। बेनेट की छवि एक कट्टरपंथी यहूदी राष्ट्रवादी नेता की रही है। वे लंबे समय से दक्षिणपंथी राजनीति से जुड़े रहे हैं और फिलिस्तीन मुद्दे पर उनका रुख काफी सख्त माना जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप को वोट देकर पछता रहे अमेरिकी, खाना-पेट्रोल से बिजली तक सब हुई महंगी

वाशिंगटन। अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत, इस कहावत को अमेरिकी महसूस कर रहे हैं। वहां आम लोगों पर महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। किराना सामान, पेट्रोल, बिजली और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी ने लाखों परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि नए अमेरिकी टैरिफ और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल ने हालात और मुश्किल बना दिए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, जब अमेरिकी परिवार आर्थिक राहत महसूस करने लगे थे, तभी बढ़ती कीमतों ने उनकी मुश्किलें फिर बढ़ा दीं। इसका असर उपभोक्ता खर्च और आर्थिक विकास दोनों पर पड़ सकता है। कैलिफोर्निया के बरबैंक की रहने वाली 66 वर्षीय बुजुर्ग महिला कैटी पेर्रे ने कहा कि वह न्यूनतम वेतन पर सफाई कर्मचारी के रूप में काम करती हैं और अपने आटिस्टिक पोते की देखभाल भी करती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने डोनाल्ड ट्रंप को वोट दिया था क्योंकि उन्होंने हालात बेहतर करने का वादा किया था, लेकिन अब मैं खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हूं। कैटी के अनुसार, पहले उनका मासिक खर्च लगभग 2,300 डालर था, जबकि उनकी आय 2,400 डालर थी। अब खर्च बढ़कर 2,500 डालर से ऊपर पहुंच गया है और गुजारा मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि परिवार और दोस्तों से जितना उधार मिल सकता था, ले चुकी हैं, लेकिन अब भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। ईंधन और खाने का खर्च बढ़ा क्रिश्चियन डेविटो नाम के 34 वर्षीय कर्मचारी, जो लास एंजिल्स के एक बड़े किराना स्टोर में हेल्थ एंड सेफ्टी विभाग में काम करते हैं, ने कहा कि पिछले तीन महीनों में उनके मासिक बिल कम से कम 15 फीसदी बढ़ गए हैं।

चीन का नया एटलस ड्रोन स्वार्म सिस्टम, भारत, ताइवान के लिए खतरे की घड़ी

बीजिंग

चीन के नए एटलस ड्रोन स्वार्म सिस्टम ने दुनिया भर में सैन्य तकनीक के भविष्य को लेकर नई बहस छेड़ दी है। यह सिस्टम खास तौर पर इसलिए चर्चा में है क्योंकि यह बहुत कम समय में बड़ी संख्या में ड्रोन लांच करके किसी भी युद्धक्षेत्र की स्थिति को बदल सकता है।

ड्रोन स्वार्म का मतलब होता है एक साथ सैकड़ों छोटे ड्रोन का झुंड, जो मिलकर एक समन्वित तरीके से काम करते हैं। यह ठीक वैसे ही है जैसे मधुमक्खियों का झुंड एक साथ हमला या रक्षा करता है। इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि ये दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को भ्रमित करते हैं। जब एक साथ कई दिशाओं से ड्रोन आते हैं, तब रक्षा प्रणाली तय नहीं कर पाती कि पहले किसे रोका जाए। इस बीच कई ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंच जाते हैं। चीन का एटलस सिस्टम इस अवधारणा पर आधारित है, लेकिन इस सिस्टम को और अधिक उन्नत बनाया गया है। यह सिस्टम एक मोबाइल प्लेटफार्म पर आधारित है, इस ट्रक जैसे वाहन से आपरेट किया जा सकता है। इसमें एक कमांड व्हीकल, एक काम्बैट व्हीकल और एक सपोर्ट व्हीकल शामिल होता है। यह पूरा सेटअप आसानी से छिपाया जा सकता है और तेजी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इस सिस्टम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लांच क्षमता है। रिपोर्टों के अनुसार, एटलस सिस्टम करीब 96 ड्रोन को कुछ ही मिनटों में लांच कर सकता है। हर कुछ सेकंड में एक ड्रोन छोड़ा जाता है, जिससे लगभग 300 सेकंड के भीतर पूरा झुंड हवा में सक्रिय हो जाता है।

कुछ समय में बड़ी संख्या में ड्रोन लांच कर सकता

यह सिस्टम स्वार्म इंटेलिजेंस पर काम करता है, यानी सभी ड्रोन एक दूसरे से जुड़े होते हैं और एक साझा नेटवर्क के तहत निर्णय लेते हैं। इससे वे बदलती परिस्थितियों में खुद को एडजस्ट कर सकते हैं, रास्ता बदल सकते हैं और लक्ष्य को बेहतर तरीके से पहचान सकते हैं। यही क्षमता इन्हें पारंपरिक हथियार प्रणालियों की तुलना में अधिक प्रभावी बनाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह तकनीक भविष्य के युद्धों की दिशा बदल सकती है।

नेपाल के वामपंथी छात्र संगठनों ने शंख घोष व स्वस्ति वाचन के साथ किया विरोध प्रदर्शन

काठमांडू। नेपाल के वामपंथी छात्र संगठनों ने पाटन बहुमुखी कैंपस में पूजा पाठ, शंख घोषण और शांति स्वस्ति वाचन के साथ नई सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। बालेंद्र सरकार ने छात्रसंघों को भंग करने का फैसला किया है। छात्र इसका लगातार विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं ने सरकार के निर्णय को अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि यदि छात्र संगठनों को खत्म करने का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो वे देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। यही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने सरकार के हालिया सीमा शुल्क फैसले का भी विरोध किया। उन्होंने मांग की कि भारत से 100 रुपये से अधिक मूल्य का सामान लाने पर लगाए गए अनिवार्य कस्टम शुल्क को वापस लिया जाए। छात्रों ने बढ़ती महंगाई पर भी सरकार को घेरा और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने की मांग की। संयुक्त छात्र संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया, तो विरोध प्रदर्शन को और तेज किया जाएगा।

मेथाना ज्वालामुखी के सीने में लगातार उबल रहा था मैग्मा

ज्यूरिख

ग्रीस का मेथाना ज्वालामुखी पिछले 1 लाख साल से ऊपर से भले ही सतह पर शांत रहा हो, लेकिन इसके सीने के नीचे मैग्मा लगातार उबल रहा था। इसका मतलब है कि जिसे दुनिया खत्म मान चुकी थी, वह अंदर ही अंदर सांस ले रहा था और सक्रिय था। ईटीएच ज्यूरिख के शोधकर्ताओं ने मेथाना के भूगर्भीय इतिहास को खंगाला तो पता चला कि सतह पर चुप्पी के बावजूद, जमीन की गहराइयों में मैग्मा बनने की प्रक्रिया कभी नहीं रुकी थी। इस छिपे हुए सच को जानने के लिए वैज्ञानिकों ने जिरकान क्रिस्टल का सहारा लिया। ये सूक्ष्म क्रिस्टल जमीन के नीचे मैग्मा के भंडार में तब बनते हैं जब पिघली हुई चट्टानें ठंडी होती हैं। ईटीएच ज्यूरिख के प्रोफेसर ओलिवियर बाचमैन के अनुसार, ये क्रिस्टल किसी विमान के ब्लैक बाक्स या फ्लाइट रिकार्डर की तरह काम करते हैं। इनमें उस समय की रासायनिक जानकारी और उम्र कैद हो जाती है जब ये बनते हैं। टीम ने पिछले 7 लाख सालों के इतिहास से जुड़े 1,250 से ज्यादा क्रिस्टल की जांच की, जिससे यह साबित हो गया कि ज्वालामुखी सतह को तोड़े बिना भी हजारों सालों तक अंदर ही अंदर सांस ले सकते हैं। यानी, इसकी ऊपरी शांति महज एक भ्रम और धोखा थी। अध्ययन में यह बात साफ हुई है कि मेथाना ज्वालामुखी में मैग्मा बनने की प्रक्रिया लगभग

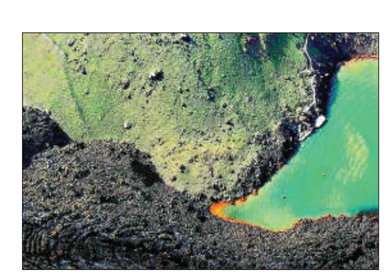

बिना रुके जारी थी।

इतिहास में कुछ ऐसे दौर भी आए जब यह मैग्मा बाहर निकला और विस्फोट हुए, लेकिन सबसे ज्यादा हैरान करने वाला वो 1 लाख साल का समय था जब एक भी विस्फोट दर्ज नहीं किया गया। पहले यह माना जाता था कि इस लंबी खामोशी के दौरान ज्वालामुखी सिस्टम बंद हो गया होगा और निष्क्रिय हो गया होगा। लेकिन जिरकान क्रिस्टल की ग्रोथ इसी शांत पीरियड के दौरान सबसे ज्यादा देखी गई।

इसका सीधा मतलब यह है कि जब दुनिया को लग रहा था कि ज्वालामुखी मर चुका है, तब वह अंदर सबसे ज्यादा सक्रिय था। वहां मैग्मा का भंडार लगातार बढ़ रहा था और स्थितियां काफी हलचल भरी थीं, जो किसी बड़े विस्फोट की तैयारी का संकेत दे रही थीं। अब सवाल यह उठता है कि अगर इतनी भारी मात्रा में मैग्मा बन रहा था, तो वह बाहर क्यों नहीं आया वैज्ञानिकों ने इसका कारण मैग्मा का बहुत ज्यादा चिपचिपा होना बताया। मेथाना के नीचे मौजूद मैग्मा में पानी की मात्रा उम्मीद से कहीं ज्यादा थी, जिसे सुपरहाइड्रस मैग्मा कहा जाता है। यह पानी टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने और समुद्र के नीचे की मिट्टी के पृथ्वी की परत में दबने से पैदा हुआ था। पानी की अधिकता की वजह से जब मैग्मा ऊपर की ओर बढ़ने लगा, तो उसमें तेजी से बुलबुले बनने लगे और क्रिस्टलाइजेशन की प्रक्रिया तेज हो गई। इस वजह से लावा इतना गाढ़ा और भारी हो गया कि उसके लिए ऊपर का रास्ता तय करना मुश्किल हो गया। वह सतह तक पहुंचने के बजाय नीचे ही जमा होता गया और ज्वालामुखी को अंदर से लगातार सक्रिय बनाए रखा। मेथाना की यह कहानी सिर्फ एक ज्वालामुखी तक सीमित नहीं है।

रिसर्च टीम के लीड आथर रजवान-गेब्रियल पोपा का कहना है कि दुनिया भर में सबडक्शन जोन में मौजूद कई ज्वालामुखी इसी तरह सुपरहाइड्रस यानी बहुत ज्यादा पानी वाले मैग्मा से भरे हो सकते हैं। वैज्ञानिक समुदाय अब तक इस छिपे हुए खतरे को पूरी तरह समझ नहीं पाया था। अगर मेथाना जैसे और भी ज्वालामुखी हैं, तो यह एक बड़ी चेतावनी है। कई ऐसे ज्वालामुखी जिन्हें आज लो-रिस्क या खत्म माना जाता है, वे असल में जमीन के नीचे भारी मात्रा में मैग्मा जमा कर रहे होंगे।

ईरान के विदेशमंत्री अराघची 48 घंटे में तीसरी बार पहुंचे पाकिस्तान, रूस भी मध्यस्थता को तैयार

तेहरान/मास्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से 27 अप्रैल को मुलाकात करने के बाद ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान पहुंचे हैं। ईरान ने अमेरिका के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पर चल रहे टकराव के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। पुतिन ने कहा कि रूस मध्य पूर्व में जल्द से जल्द शांति सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने को तैयार है।

ईरान के प्रेस टीवी और रूस की समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची के पाकिस्तान पहुंचने के बाद अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म होने को लेकर अटकलें तेज हो गई है। दोनों देशों के बीच पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। वह ईरान-अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत को आगे बढ़ाने में सक्रिय है। अराघची मंगलवार को रूस दौरे के बाद एक बार फिर 48 घंटे में तीसरी बार पाकिस्तान पहुंचे हैं।

इससे पहले अराघची रविवार रात पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख मुनीर से मिलने के बाद इस्लामाबाद से सीधे रूस रवाना हुए थे। उन्होंने कल सेंट पीटर्सबर्ग में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब डेढ़ घंटे बैठक हुई। ईरान के विदेशमंत्री ने कहा कि बैठक में युद्ध और आक्रामकता से जुड़े मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने ईरान-रूस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी बताया और संकट के दौरान रूस के समर्थन के लिए आभार जताया। पुतिन ने भी पश्चिम एशिया में शांति बहाली के प्रयासों का समर्थन करने की बात कही और उम्मीद जताई कि जल्द ही क्षेत्र में स्थिरता लौटेगी। उन्होंने कहा कि रूस ईरान के हितों को आगे बढ़ाएगा।

पुतिन ने अराघची के साथ मुलाकात में कहा कि रूस मध्य पूर्व में शांति सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने को तैयार है। रूसी नेता ने कहा कि ईरानी लोग अपनी संप्रभुता के लिए साहस और वीरता के साथ लड़ रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान मुश्किलों और चुनौतियों के इस दौर से पार पा लेगा और वहां शांति स्थापित होगी। अराघची ने इस्लामिक गणराज्य को दिए गए समर्थन के लिए पुतिन और रूस का आभार व्यक्त किया। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा कि रूस मध्य पूर्व में पक्की शांति स्थापित करने के लिए मध्यस्थता करने को तैयार है। उन्होंने भरोसा जताया कि समय के साथ यूक्रेन के मामले में कूटनीतिक प्रयास और तेज होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ लड़ाई-झगड़ा ईरान के हित में नहीं है। यह लड़ाई होर्मुज जलडमरूमध्य के देशों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि रूस में ईरान को लेकर बातचीत करना एक जटिल प्रक्रिया है। पेस्कोव ने कहा कि अमेरिका अभी भी यूक्रेन विवाद को सुलझाने के प्रयासों में शामिल है, लेकिन उनके लिए ईरान से जुड़ी स्थिति का समाधान करना बड़ी प्राथमिकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अगर बहतर बनाना हैं तो सुबह सूर्य नमस्कार से दिन की शुरुआत करें । मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे. घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं. संतान की खुशी बनी रहेगी. संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है. आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है. अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई-बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है. आप दूसरों की खुशी के लिए हमेशा काम करने वाले रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

नया कारोबार चालू करना लाभदायक रहेगा परन्तु महनत करनी पड़ेगी किन्तु आने वाले समय में आर्थिक लाभ रहेगा. अगर प्रेम-संबंध की बात हो तो परिजनों की सलाह लेने में संकोच न करें। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा. प्रेम विषयों की स्थिति गंभीर हो सकती है. वैवाहिक सम्बन्ध को आगे बढाने के लिए समय अनुकूल है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज सूर्य अष्टक का पाठ करके ही कार्य आरंभ करें दिन का भय दूर होगा इसलिए इससे परेशान ना हों और खुद को शांत रखें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. मित्रों और परिवारजनों का भी भरपूर सहयोग आज आपको मिलने वाला है. आज मित्रों से आपको मदद मिलने वाली है. पैतृक संपत्ति मिलने के आसार हैं. गाय को गेहूं का भूसा खिलाए पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सूर्य द्वादश नाम का जप करके सूर्य को प्रणाम करें आपको उचित समय की पहचान होगी. सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है. परिवार में भी स्थिति ठीक बनी रहेगी. बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं. आपका दोस्त आपको कोई काम करने के लिये कह सकता है. प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. सीनियर से बात करते समय आपकी जुबान फिसल सकती है. गाय और नंदी की तन-मन-धन से सेवा करें ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन अच्छा हैं आमदनी बढेगी आय अच्छी रहेगी किन्तु बेकार के खर्चों पर अंकुश लगाना बेहतर रहेगा. आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. अथक परिश्रम उपरांत आप स्थितियों पर काबू पा पायेंगे. भावनाओं को अपने निर्णयों को निर्धारित न करने दें, निष्पक्षता बनाये रखें. व्यावसायिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में यात्रा आपको नवीन अवसर प्रदान कर सकती है. आज आप किसी पुराने परिचित से अचानक ही मिल सकते हैं. शरीर से सम्भव है तो सूर्यास्त के बाद दूध का आहार करें ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा. दिन आपके लिए बहुत ही लाभदायक है. जल्दबाजी में लेन-देन न करें. किसी छोटी सी भूल से हानि हो सकती है. अपरिचित व्यक्ति की बातों पर भरोसा न करें. कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी. संतान के प्रति भी चिंताएं कम होंगी. जो कार्य आप करने की योजना बना रहे थे आज उनमें गति आएगी. दोपहर के बाद आप बच्चों के साथ सैर सपाटे पर निकल जाए पूरा समय मनोरंजन मे बीतेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने रोजगार में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे. किसी काम के लिये कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है. आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा. आपको कोई भी मौका हाथ से नहीं गंवाना चाहिए. बदलते मौसम में आपको अपने ऊपर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है. बहतर स्वास्थ्य के लिए आप को आपको अपने खान-पान में भी बदलाव करना चाहिए. और सुबह शाम के समय टहलना भी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने कार्यक्षेत्र पर काम करने वाले व्यक्तियों कुछ साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखने होंगे । व्यर्थ की यात्राओं से बचने का प्रयास करें. हालांकि आर्थिक रूप से समय को अनुकूल कहा जाएगा, फिर भी खर्च पर नियंत्रण रखना श्रेयस्कर रहेगा. समय-समय पर परिजनों का सहयोग मिलता रहेगा. कार्य क्षेत्र पर आपके समक्ष कुछ समस्याएं आ सकती हैं अपने हाथ से गाय माता को गुड़ खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप की झूठ बोलने की आदत आप को हरेक समय अपने सहकर्मियों के बीच लज्जित करती हैं झूठ बोलने से बचें, और यह आपके प्रेम-संबंध को भी बिगाड़ सकता है. तनाव का तबियत पर ख़राब असर हो सकता है. धन संबंधी मामलों में बुद्धि व विवेक से फैसले लें. दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा. बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं. आज आप ख़रीदारी के लिए निकल सकते हैं, यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा कुछ पैसा अपने उज्जवल भविष्य के लिए जमीन मे निवेश करदे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सूर्य की सात प्रदक्षिणा करके निकलना चाहिए आप कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच-समझकर फैसले करने की जरूरत है. आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए. आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में परेशानी आ सकती है. आपका कोई कागज पूरा न होने पर काम अटक भी सकता है. जो छात्र उच्च शिक्षा में दाखिला लेने के लिये परीक्षाएं दे रहे हैं, उन्हें मन-मुताबिक परिणाम के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिए. आप को अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने पर अधिक पैसा खर्च करने से बचना चाहिए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुबह ओंकार का उच्चारण करके ध्यान करें । व्यवसायी संदर्भ में आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं कि आपके पास बहुत अधिक काम है. किन्तु उसे पूरा करने के लिए समय बहुत कम है. व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक प्रतिबद्धता का आपके आदेशों पर एक मजबूत प्रभाव पड़ेगा. भाई-बहनों की सामाजिक स्थिति में अप्रत्याशित और अचानक वृद्धि होगी.दिन की कोई अप्रिय घटना आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है.आप प्रेमी के साथ कहीं घूमने पर जाने से बचना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सूर्य को जल , सूर्य को नमस्कार सूर्य जप करने से शरीर मे जबरदस्त ऊर्जा और उत्साह रहेगा सकारात्मक परिणाम आएंगे और घरेलू तनाव दूर होने में मददगार मिलेगी कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें. अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. हल्का भोजन करें सेहत अनुकूल रहेगी ।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 अप्रैल 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख, शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 07:54 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 12:16 तक
योग : हर्षण रात्रि 08:50 तक
करण : कौलव प्रातः 07:21 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चर : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत

॥ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ॥

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले आप को झटका, निकाय चुनाव में मिली करारी शिकस्त

अहमदाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दबदबा कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। आखिरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य में भाजपा पिछले तीन दशकों से सत्ता में बनी हुई है। लेकिन विपक्ष-खासतौर पर आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन सबसे बड़ा सरप्राइज रहा, जबकि इस मुकाबले को त्रिकोणीय माना जा रहा था। राघव चड्ढा, संदीप पाठक और हरभजन सिंह समेत 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में जाने के झटके से जूझ रही आम आदमी पार्टी को गुजरात से भी कोई गुड न्यूज नहीं मिली।

गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे आम आदमी पार्टी के लिए गहरे संकट की ओर इशारा करते हैं। पार्टी एक भी नगर निगम नहीं जीत पाई, बल्कि 2021 में मिली अपनी बढ़त भी गंवा बैठी। चुनाव आयोग के शाम 7 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक आम आदमी पार्टी को कुल 476 सीटें मिलीं और उसका प्रदर्शन उम्मीदों से काफी कमजोर रहा। आम आदमी पार्टी ने काउंटिंग के दौरान खुद को दूसरे नंबर पर बताया था और कांग्रेस को तीसरे नंबर पर। लेकिन अंत में 'आप' तीसरे स्थान पर सिमट गई, जबकि कांग्रेस उससे दोगुनी सीटें जीतने में सफल रही।

✻ 15 नगर निगमों की 1044 सीटों में से 'आप' को सिर्फ 6 सीटें मिलीं। '' 84 नगर पालिकाओं की 2030 सीटों में से केवल 18 सीटें हासिल हुईं। '' 34 जिला पंचायतों की 1090 सीटों में 57 सीटों पर जीत मिली। '' 260

तालुका पंचायतों की 5234 सीटों में 'आप' 395 सीटों पर जीती।

ये आंकड़े दिखाते हैं कि 'आप' का प्रदर्शन सीमित क्षेत्रों तक ही रहा और उसका मुख्य विपक्षी दल बनने का दावा कमजोर पड़ गया। गुजरात देश के उन चुनिंदा राज्यों में था, जहां अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में 5 सीटें जीतकर और 2021 के स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। फिलहाल आम आदमी पार्टी सिर्फ पंजाब में सत्ता में है, जबकि दिल्ली में पिछले साल उसे विधानसभा चुनाव में बीजेपी से हार झेलनी पड़ी। गोवा में पार्टी के पास सिर्फ दो विधायक हैं।

विधानसभा चुनाव के सेमीफाइनल में आप चित

गुजरात में 2021 के ग्रामीण चुनावों में आम आदमी पार्टी ने 2000 से ज्यादा सीटों में से 32 सीटें जीती थीं और करीब 250 सीटों पर कांग्रेस से आगे रही थी। उसे 14% वोट शेयर भी मिला था। 2022 विधानसभा चुनाव में भी 'आप' ने पहली बार चुनाव लड़ते हुए 13% वोट और 5 सीटें हासिल की थीं, जिससे कांग्रेस 17 सीटों तक सिमट गई थी। इसी वजह से 2026 के स्थानीय निकाय चुनावों में 'आप' से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी।

अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने इसे 2027 के गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल बताया था और जोरदार प्रचार किया था। लेकिन कुछ प्रतीकात्मक जीतों को छोड़कर आम आदमी पार्टी कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। हालांकि, आदिवासी इलाकों में आम आदमी पार्टी ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया। चैतार वसावा और गोपाल इटालिया जैसे नेताओं के प्रभाव वाले क्षेत्रों में पार्टी को कुछ सफलता मिली, जिसमें कुछ जिला और तालुका पंचायतों में जीत शामिल है। इनमें बगासरा तालुका पंचायत की जीत भी शामिल है, जहां पार्टी ने पहली बार किसी पंचायत में सत्ता हासिल की।

कोरुटला शहर में गड़ी बुरुज ज़मीनों पर वीएलटिस को रद्द करने की मांग

कोरुटला, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): कोरुटला शहर में गडी बुरुज ज़मीनों पर करप्ट दस्तावेज़ों से रजिस्टर्ड वीएलटिस को तुरंत रद्द करने की मांग को लेकर पिछले पांच दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बाद आज जनता, शहर के निर्वाचित प्रतिनिधि और विशेष रूप से भाजपा नेताओं ने अपनी लड़ाई को और मज़बूत करते हुए पार्षदों से हस्ताक्षर इकट्ठा करने का कार्यक्रम शुरू किया है।

इस प्रोग्राम के तहत आज भाजपा के पार्षदों के साथ सिग्नेचर संग्रह का पहला दिन सफलतापूर्वक चलाया गया। भाजपा पार्षदों ने गडी बुरुज ज़मीनों को बचाने के लिए अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की और स्पष्ट किया कि वे वि एल टिस को रद्द करवाने के लिए जो भी आवश्यक कदम उठाना पड़े, उसके लिए तैयार हैं।

नेताओं ने बताया कि यह जगह प्राचीन काल से शहर की सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के लिए समर्पित है, जहाँ दसरा त्यौहार पर रावण दहन होता है और मुहर्रम के अवसर पर गंगा–जमुना तहज़ीब के नाम पर सभी समाज मिलकर त्यौहार मनाते हैं। ऐसी जनसंपदा को कब्ज़ा करने के उद्देश्य से वि एल टी लगाना और उसे स्थायी बनाने का प्रयास हो रहा है, जिसका विरोध किया जा रहा है और इसे रद्द किए जाने की मांग की जा रही है।

ऑलपार्टी नेताओं ने कहा कि गडी बुरुज की ज़मीनें जनता की संपत्ति हैं और फ़र्ज़ी या करप्ट दस्तावेज़ों के आधार पर इन पर कब्ज़ा करना बिल्कुल अस्वीकार्य है।

उन्होंने इस लड़ाई को लोगों के अधिकारों के लिए आंदोलन बताते हुए यह घोषणा की कि वे इस मुद्दे को अंतिम निष्कर्ष तक पहुँचाकर ही विश्राम नहीं लेंगे।

इस हस्ताक्षर संग्रह कार्यक्रम में सर्वदलीय सार्वजनिक संगठन के नेता डॉ. पेटा भास्कर, एमडी मुजाहिद, तुम्मनपल्ली श्रीनिवास बाबू, चिंता भुमेश्वर, सुतारी रामुलु, भूपेल्ली नागेश, शाहिद मोहम्मद शेख, कुंचेम शंकर और अन्य शहरी नेता व कार्यकर्ता भी शामिल हुए और जनमत को औपचारिक रूप से दर्ज करने के लिए अपने हस्ताक्षर दिए।

चेन्नूर के अट्टेम मधुनैया ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में बनाई जगह

मंचेरियाल, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

चेन्नूर नगर के ताइक्कांडो गुरु अट्टेम मधुनैया और उनकी टीम ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बनाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह सम्मान हैदराबाद के गाचीबौली इंडोर स्टेडियम में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान मिला। कार्यक्रम में सीनियर मास्टर विजिगिरी रवि और उनके शिष्य रामगिरि स्वामी, वडलकोंडा भारती, राजाबापु, और आयन सहित सभी खिलाड़ियों ने अनुशासन और मेहनत के साथ बेहतरीन प्रदर्शन किया। अट्टेम मधुनैया पिछले 30 वर्षों से कराटे और ताइक्कांडो की शिक्षा दे रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में सैकड़ों बच्चों और युवाओं ने प्रशिक्षण लेकर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर पाया है। इस सफलता के बाद चेन्नूर और आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों, खेल प्रेमियों और जनप्रतिनिधियों ने टीम को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही, इस उपलब्धि से पूरे मंचेरियाल जिले को नई पहचान मिलने की उम्मीद जताई गई है।

पात्र लाभार्थियों को डबल बेडरूम: कुमार दीपक

मंचेरियाल, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि पात्र लाभार्थियों को दो बेडरूम वाले मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। मंगलवार को उन्होंने बेल्लमपल्ली मंडल केंद्र में निर्माणाधीन व पूर्ण हुए मकानों का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। कलेक्टर ने बताया कि गरीबों को पक्का घर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चल रही इस योजना में पात्र लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद उन्होंने मंडल स्थित सब कलेक्टर कार्यालय का दौरा कर सब कलेक्टर मनोज के साथ रिकॉर्ड और आवेदन प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि से जुड़ी समस्याओं की प्राथमिकता के आधार पर जांच कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस निरीक्षण व समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

धान्य खरीद के लिए तैयारियाँ तेज़

आसिफाबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आसिफाबाद जिले में यासंगी धान्य खरीद की तैयारियाँ तेजी से की जा रही हैं। यह निर्देश अतिरिक्त कलेक्टर एम. डेविड ने दिए। मंगलवार को समेकित कलेक्टरेट भवन परिसर के सभागार में आयोजित समन्वय बैठक में उन्होंने कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, नागरिक आपूर्ति विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 33 खरीद केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं14 केंद्र सेर्फ़ के अधीन और 19 केंद्र सहकारिता विभाग के अधीन होंगे। अतिरिक्त कलेक्टर ने ए ग्रेड धान्य के लिए प्रति क्विंटल 2389, सामान्य धान्य के लिए 2369 तथा पतला किस्म पर अतिरिक्त 500 बोनस की जानकारी दी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद केंद्र खुले और विशाल स्थानों में हों ताकि किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो। केंद्रों पर छाया, पीने का पानी, ओ.आर.एस. पैकेट, प्रकाश व्यवस्था, तिरपाल कवर और गन्नी बैग जैसी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। साथ ही कटाई शुरू होने के कारण किसानों की सुविधा के लिए धान्य का तुरंत वजन कर निर्धारित राइस मिलों तक पहुँचाने की व्यवस्था करने को कहा गया।

गर्मियों में पेयजल संकट से निपटने के निर्देश

आसिफाबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

जिले में गर्मियों के दौरान पेयजल संकट न हो, इसके लिए कलेक्टर हरिता ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। मंगलवार को समेकित कलेक्टरेट के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से ज़ूम मीटिंग में मंडल परिषद विकास अधिकारी, मंडल पंचायत अधिकारी, पंचायत सचिवों और मिशन भागीरथ इंजीनियरों के साथ समीक्षा की गई। कलेक्टर ने गांवों में हाथ पंप, बोरवेल व पाइपलाइन की मरम्मत तुरंत कराने, मिशन भागीरथ बाधित होने पर पंचायत टैंकरों से पानी उपलब्ध कराने तथा सूखे हाथ पंपों के लिए कृषि कुओं के मालिकों से समन्वय करने को कहा। टैंकर सप्लाई का विवरण लॉगबुक में दर्ज कर समस्याओं पर तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए। पंचायत सचिवों को सरपंचों व वार्ड सदस्यों से तालमेल रखने को कहा गया।उन्होंने स्ट्रीट लाइटों के अनावश्यक जलने पर ऑन-ऑफ स्विच बोर्ड लगाने, मतदाता सूची संशोधन मैपिंग में बीएलओ को सहयोग करने, जनगणना स्व-गणना पर प्रचार करने, मनरेगा कार्यस्थलों पर पेयजल-छाया-ओआरएस उपलब्ध कराने तथा किसानों को पंजीकरण के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। बैठक में डीआरडीओ दत्ताराव, मिशन भागीरथ ईई सिद्दीक, ग्रेड ईई राकेश, डीएलपीओ उमर हुसैन सहित अधिकारी मौजूद रहे।

बेल्लमपल्ली के 30 बेड अस्पताल को 100 बेड में बदलने की मांग : एमसीपीआई(यू)

बेल्लमपल्ली, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

मंगलवार को स्थानीय एमसीपीआई(यू) पार्टी कार्यालय में जिला सहायक सचिव पासुलेटी वेंकटेश ने बेल्लमपल्ली सरकारी अस्पताल की खराब सुविधाओं पर सवाल उठाते हुए इसे 30 बेड से 100 बेड में बदलने की मांग की। उन्होंने कहा कि बेल्लमपल्ली क्षेत्र के 7 आंचलिक इलाकों से मरीज इलाज के लिए यहाँ आते हैं, लेकिन अस्पताल में सही इलाज देने वाले डॉक्टर और पर्याप्त व्यवस्थाओं का अभाव है। उनके मुताबिक, 2022 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री थन्नीरु हरीश राव द्वारा 100 बेड वाला अस्पताल के रूप में उद्घाटन किया गया था, पर अब तक केवल 30 बेड वाला अस्पताल ही संचालित हो रहा है।

एमसीपीआई(यू) नेताओं ने आरोप लगाया कि छोटी बीमारी के मरीजों को मंचेरियाल जिला अस्पताल भेजा जा रहा है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है और कुछ मामलों में जान जाने तक की घटनाएँ सामने आ रही हैं। इस संबंध में उन्होंने बेल्लमपल्ली विधायक गड्डम विनोद से अपील की कि वे अस्पताल को 100 बेड में परिवर्तित करें, बेहतर डॉक्टर नियुक्त कर चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराएं। चेतावनी दी गई है कि मांगें पूरी नहीं होने पर एमसीपीआई(यू) पार्टी के तत्वावधान में अस्पताल के सामने भूख हड़ताल की जाएगी।

पेद्दापल्ली में मेगा जॉब ड्राइव 6 मई को

पेद्दापल्ली, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): पेद्दापल्ली जिले के युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन, टास्क और डीट (जिला शिक्षक शिक्षा/तकनीकी शिक्षा संस्थान आदि) मिलकर 6 मई को एक मेगा जॉब ड्राइव का आयोजन कर रहे हैं। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इस जॉब ड्राइव से युवाओं को उद्योगअनुरूप कौशल और सीधे रोज़गार के अवसर मिलेंगे। इस जॉब ड्राइव में कुल 57 संगठन भाग ले रहे हैं और लगभग 1,799 जॉब के अवसर उपलब्ध हैं। इनमें टेलीकॉम और कम्युनिकेशन, कस्टमर सपोर्ट और बीपीओ, सेल्स और मार्केटिंग, डिजिटल सर्विसेज़, फील्ड ऑपरेशन्स जैसे विभिन्न सेक्टर शामिल हैं। कलेक्टर ने बताया कि टास्क और डीट से पहले ही प्रशिक्षण ले चुके कई युवाओं को पिछले जॉब ड्राइव के माध्यम से नौकरी मिली है और वे अच्छे पद पर प्रगति कर रहे हैं। एसएससी, इंटर, आईटीआई, डिप्लोमा, डिग्री, फार्मेसी, इंजीनियरिंग, एमबीए आदि योग्यता वाले सभी युवा और महिला अभ्यर्थियों को इस मेगा जॉब ड्राइव में भाग लेने के लिए आह्वान किया गया है।

जीडीके जल्द तीसरी चेयरलिफ्ट शुरू करेगा श्रमिकों की मांगों पर बातचीत

मंचेरियाल, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): जीडीके जल्द ही 11वें ढलान पर तीसरी चेयरलिफ्ट शुरू करने जा रहा है। एलएचडी सेक्शन में हवा, पानी और रोशनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रबंधन से तत्काल कदम उठाने की मांग की गई है।

खदान में काम करने वाले श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए भी कार्रवाई की जरूरत बताई गई है। रामगुंडम में एआईटीयूसी नेताओं ने खदान प्रबंधक से श्रमिकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। एआईटयूसी के उप महासचिव मुद्दी एला गौड और शाखा सचिव रंगा श्रीनु ने बताया कि सिंगारेनी रोड वन क्षेत्र में स्थित जीडीके 11वीं इनस्किन में उचित वायु और जल आपूर्ति न होने के कारण श्रमिकों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रबंधन द्वारा श्रमिकों पर बेहतर वायु आपूर्ति के बिना काम करने का दबाव डालना उचित नहीं है। नेताओं ने प्रबंधक से तत्काल कार्रवाई और एलएचडी सेक्शन में तीसरी चेयरलिफ्ट को तुरंत चालू करने की मांग की।

खदान प्रबंधक ने जवाब देते हुए कहा कि इन समस्याओं का समाधान एक सप्ताह के भीतर कर दिया जाएगा और इस मुद्दे पर काम करने का आश्वासन दिया।

इस दौरान एआईटयूसी लार्ज वन ब्रांच जीएम कमेटी के सदस्य सिद्धमल्ला राजू, फिटनेस सचिव नैनी शंकर, सहायक फिटनेस सचिव गोदिशाला नरेश तथा खान एवं सुरक्षा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

नवनियुक्त अतिरिक्त कलेक्टर ने पदभार ग्रहण किया

आसिफाबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): समेकित कलेक्टरेट भवन स्थित कलेक्टर चैंबर में नवनियुक्त अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) युवराज मार्मट ने मंगलवार को जिला कलेक्टर हरिता से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने कलेक्टर को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएँ दीं। इसके बाद युवराज मार्मट ने अपने चैंबर में अतिरिक्त कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए वे अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से निरंतर प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर जिला जनसंपर्क अधिकारी वाई. संपत कुमार, जिला कल्याण अधिकारी भास्कर तथा कलेक्टरेट प्रशासनिक अधिकारी किरण कुमार ने अतिरिक्त कलेक्टर को बधाई और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गुरु किसे कहते हैं , क्या जीवन में गुरु का होना इतना आवश्यक है

वास्तव में गुरु की महिमा का पूरा वर्णन कोई कर सकता ही नहीं । गुरु की महिमा भगवान से भी अधिक है । इसलिये शास्त्रों में गुरु की बहुत महिमा आयी है । परंतु वह महिमा सच्चाई की है, दम्भ-पाखण्ड की नहीं । आजकल भारत में सांसारिक अथवा पारमार्थिक ज्ञान देने वाले व्यक्ति को गुरु कहा जाता है। इनकी पांच श्रेणिया हैं। शिक्षक - जो स्कूलों में शिक्षा देता है। आचार्य - जो अपने आचरण से शिक्षा देता है। कुलगुरु - जो वर्णाश्रम धर्म के अनुसार संस्कार ज्ञान देता है। दीक्षा गुरु - जो परम्परा का अनुसरण करते हुए अपने गुरु के आदेश पर आध्यात्मिक उन्नति के लिए मंत्र दीक्षा देते हैं। गुरु -वास्तव में यह शब्द समर्थ गुरु अथवा परम गुरु के लिए आया है। गुरु का अर्थ है भारी. ज्ञान सभी से भारी है अर्थात महान है अत: पूर्ण ज्ञानी चेतन्य रूप पुरुष के लिए गुरु शब्द प्रयुक्त होता है, उसकी ही स्तुति की जाती है। नानक देव, त्रेलंग स्वामी, तोतापुरी, रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, स्वामी समर्थ, साईं बाबा, महावातर बाबा, लाहडी महाशय, हैडाखान बाबा, सोमबार गिरी महाराज, स्वामी शिवानन्द, आनंदमई माँ, स्वामी बिमलानंदजी, मेहर बाबा आदि सच्चे गुरु रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु शिक्षक का होना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है । यही सूत्र अध्यात्म के क्षेत्र में भी लागू होता है । 'अध्यात्म' सूक्ष्म-स्तरीय विषय है, अर्थात बुद्धि की समझ से परे है । इसलिए आध्यात्मिक दृष्टि से उन्नत मार्गदर्शक अथवा गुरु कौन हैं, यह निश्चित रूप से पहचानना असंभव होता है । किसी शिक्षक अथवा प्रवचनकार की तुलना में गुरु पूर्णत: भिन्न होते हैं । हमारे इस विश्व में वे आध्यात्मिक प्रतिभा से परिपूर्ण दीपस्तंभ-समान होते हैं । वे हमें सभी धर्म तथा संस्कृतियों के मूलभूत आध्यात्मिक सिद्धान्त सिखाते हैं ।

यदि बच्चों से कहा जाए कि वे आधुनिक विज्ञान की शिक्षा किसी शिक्षक के बिना अथवा पिछले कई दशकों में प्राप्त ज्ञान के बिना ही ग्रहण करें तो क्या होगा यदि हमें जीवन में बार-बार पहिए का शोध करना पडे, तो क्या होगा हमें संपूर्ण जीवन स्वयं को शिक्षित करने में बिताना पडेगा । हम जीवन में आगे नहीं बढ पाएंगे और हो सकता है कि किसी अनुचित मार्ग पर चल पडें । जिस प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित मनुष्य, प्राणी आदि को मन एवं बुद्धि होती है, उसी प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित संपूर्ण विश्वके विश्वमन और विश्वबुद्धि होते हैं हमारी आध्यात्मिक यात्रा में भी मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है ।

किसी भी क्षेत्र के मार्गदर्शक को उस क्षेत्र का प्रभुत्व होना आवश्यक है । अध्यात्म शास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति का अध्यात्म शास्त्र में अधिकार (प्रभुत्व) होता है, उसे गुरु कहते हैं । एक उक्ति है कि अंधों के राज्य में देख पाने वाले को राजा माना जाता है । आध्यात्मिक दृष्टि से दृष्टिहीन और अज्ञानी समाज में, प्रगत छठवीं ज्ञानेंद्रिय से संपन्न गुरु ही वास्तविक अर्थों से दृष्टि युक्त हैं । गुरु वे हैं, जो अपने मार्गदर्शक की शिक्षा के अनुसार आध्यात्मिक पथ पर चलकर विश्व मन और विश्व बुद्धि से ज्ञान प्राप्त कर चुके हैं । आध्यात्मिक मार्गदर्शक अथवा गुरु किसे कह सकते हैं और उनके लक्षण कौन से हैं । जिस प्रकार किसी देश की सरकार के अंतर्गत संपूर्ण देश का प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से चलने हेतु विविध विभाग होते हैं, ठीक उसी प्रकार सर्वोच्च ईश्वरीय तत्त्व के विविध अंग होते हैं । ईश्वर के ये विविध अंग ब्रहमांड में विशिष्ट कार्य करते हैं । जिस प्रकार किसी सरकार के अंर्तगत शिक्षा विभाग होता है, जो पूरे देश में आधुनिक विज्ञान सिखाने में सहायता करता है, उसी प्रकार ईश्वर का वह अंग जो विश्व को आध्यात्मिक विकास तथा आध्यात्मिक शिक्षा की ओर ले जाता है, उसे गुरु कहते हैं । इसे अदृश्य अथवा अप्रकट (निर्गुण) गुरु (तत्त्व) अथवा ईश्वर का शिक्षा प्रदान करने वाला तत्त्व कहते हैं । यह अप्रकट गुरु तत्त्व पूरे विश्व में विद्यमान है तथा जीवन में और मृत्यु के पश्चात भी हमारे साथ होता है । इस अप्रकट गुरु की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन हमारे साथ रहकर धीरे-धीरे हमें सांसारिक जीवन से साधना पथ की ओर मोडता है । गुरु हमें अपने आध्यात्मिक स्तर के अनुसार अर्थात ज्ञान ग्रहण करने की हमारी क्षमता के अनुसार (चाहे वह हमें ज्ञात हो या ना हो) मार्गदर्शन करते हैं और हममें लगन, समर्पण भाव, जिज्ञासा, दृढता, अनुकंपा (दया) जैसे गुण (कौशल) विकसित करने में जीवन भर सहायता करते हैं । ये सभी गुण विशेष (कौशल) अच्छा साधक बनने के लिए और हमारी आध्यात्मिक यात्रा में टिके रहनेकी दृष्टि से मूलभूत और महत्त्वपूर्ण हैं । जिनमें आध्यात्मिक उन्नति की तीव्र लगन है, उनके लिए गुरुतत्त्व अधिक कार्यरत होता है और उन्हें अप्रकट रूप में उनकी आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करता है । गुरु शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है । इसके दो व्यंजन (अक्षर) गु और रु के अर्थ इस प्रकार से हैं :गु शब्द का अर्थ है अज्ञान, जो कि अधिकांश मनुष्यों में होता है । रु शब्द का अर्थ है, आध्यात्मिक ज्ञान का तेज, जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता (मिटाता) है । संक्षेप में, गुरु वे हैं, जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अं:धकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं ।

संत अपने लिए नहीं जीता

संतों को ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। वह अपनी साधना से प्रकृति में फैली ऊर्जा का संग्रह करता है। अपनी इस संग्रहित ऊर्जा से अपने भक्तों का कल्याण करता है। इसलिए संतों के संपर्क में रहने वाला व्यक्ति स्वस्थ और शांत रहता है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि दुष्ट वृत्ति वाला मनुष्य भी संतों के संपर्क में रहे तो वह उदार आचरण वाला बन जाता है। इसीलिए संतों के संपर्क में रहने वाला, उनका आशीर्वाद ग्रहण करने वाला दीर्घायु और स्वस्थ रहता है। संतों को इसीलिए पूजा जाता है कि वे इतने ऊर्जावान रहते हैं कि अपनी ऊर्जा से निरंतर दूसरों को जीवनी शक्ति प्रदान करते रहते हैं।

वे राग, द्वेष से ऊपर होते हैं। इसीलिए समाज में लोग संतों को आदर देते हैं और गुरु रूप में संत की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि संत अपने लिए नहीं जीता। उसका अपना कुछ होता ही नहीं, उसका सब कुछ समाज का होता है। वह न अपने सुख से सुखी होता है और न अपने दुख से दुखी होता है। कहते हैं कि संत का हदय तो मक्खन से भी अधिक कोमल होता है। वह दूसरे के दुख से भी दुखी हो जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसका न तो अपना दुख होता है और न सुख होता है। उसका 'स्वयं' विसर्जित होकर 'पर' बन जाता है इसलिए समाज में संतों को सर्वश्रेष्ठ प्राणी माना जाता है। देव ऊर्जा का अर्थ है- दिव्य आत्माओं के संपर्क में रहकर ऊर्जा ग्रहण करना। देवता का अर्थ है, जो दिव्य हो, जिसमें अनंत दिव्यता हो, उन्हीं दिव्य आत्माओं को भगवान कहते हैं। भगवान का अर्थ है-भगवान। भग में ऐश्वर्य, यश, श्री, आयु, ज्ञान, वैराग्य और सौभाग्य रहता है। इतने गुण जिनमें हों, उसे भगवान कहते हैं। इसीलिए हम इन दिव्य आत्माओं की पूजा करते हैं ताकि उनकी दिव्यता की ऊर्जा हमें प्राप्त हो।

इनकी यही दिव्यता आशीर्वाद रूप में हमें प्राप्त होती है। इसी दिव्यता शब्द से देवता बना है। जो संपूर्ण रूप से दिव्य हो। इसी कारण हम उनकी ऊर्जा ग्रहण करते हैं। उनकी ऊर्जा जब हमारे शरीर में प्रवेश करती है, तो हमारे शरीर की जडता मूलक ऊर्जा दिव्य ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। मंदिरों में बैठकर हम उसी दिव्य ऊर्जा को धारण करते हैं। देवता, मंदिर की मूर्ति और गुरु इन तीनों से ऊर्जा ग्रहण करने का विधान है।

क्या है आध्यात्मिकता

लोग आध्यात्मिकता को जीवन-विरोधी या जीवन से पलायन मानते है। लोगों में भ्रामक धारणा है कि आध्यात्मिक जीवन में आनंद लेना वर्जित है और कष्ट झेलना जरूरी है। जबकि सच्चाई यह है कि आध्यात्मिक होने के लिए आपके बाहरी जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। आध्यात्मिकता का किसी धर्म, संप्रदाय या मत से कोई संबंध नहीं है। आप अपने अंदर से कैसे हैं, आध्यात्मिकता इसके बारे में है। आध्यात्मिक होने का मतलब है, भौतिकता से परे जीवन का अनुभव कर पाना। अगर आप सृष्टि के सभी प्राणियों में भी उसी परम-सत्ता के अंश को देखते हैं, जो आपमें है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको बोध है कि आपके दुख, आपके क्रोध, आपके क्लेश के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है, बल्कि आप खुद इनके निर्माता हैं, तो आप आध्यात्मिक मार्ग पर हैं। आप जो भी कार्य करते हैं, अगर उसमें सभी की भलाई निहित है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आप अपने अहंकार, क्रोध, नाराजगी, लालच, ईर्ष्या और पूर्वाग्रहों को गला चुके हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं।

बाहरी परिस्थितियां चाहे जैसी हों, उनके बावजूद भी अगर आप अपने अंदर से हमेशा प्रसन्न और आनंद में रहते हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको इस सृष्टि की विशालता के सामने खुद की स्थिति का एहसास बना रहता है तो आप आध्यात्मिक हैं। आपके अंदर अगर सृष्टि के सभी प्राणियों के लिए करुणा फूट रही है, तो आप आध्यात्मिक हैं।

आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि आप अपने अनुभव के धरातल पर जानते हैं कि मैं स्वयं ही अपने आनंद का स्त्रोत हूं। आध्यात्मिकता मंदिर, मस्जिद या चर्च में नहीं, बल्कि आपके अंदर ही घटित हो सकती है। यह अपने अंदर तलाशने के बारे में है। यह तो खुद के रूपांतरण के लिए है। यह उनके लिए है, जो जीवन के हर आयाम को पूरी जीवंतता के साथ जीना चाहते हैं। अस्तित्व में एकात्मकता व एकरूपता है और हर इंसान अपने आप में अनूठा है। इसे पहचानना और इसका आनंद लेना आध्यात्मिकता का सार है। अगर आप किसी भी काम में पूरी तन्मयता से डूब जाते हैं, तो आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है, चाहे वह काम झाड़ू लगाना ही क्यों न हो। किसी भी चीज को गहराई तक जानना आध्यात्मिकता है।

मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो

वर्तमान में संसार के लगभग सभी विचारक इस बात को लेकर चिंताग्रस्त हैं कि मनुष्य को दुखों से कैसे मुक्त किया जाए। सभी लोग केवल यही चिंता कर रहे हैं कि मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो, लेकिन मुक्त होने का प्रयास कोई नहीं कर रहा है।

महर्षि पतंजलि जैसे संतों ने जिन मार्गो को बताया उसका भी अनुसरण कोई नहीं कर रहा है। पूरी मनुष्य जाति असहाय बनकर विकारों के सामने हाथ जोडकर खडी है। हमें अब अपनी ओर से इस महाविनाश को रोकने के लिए थोडा प्रयास करना है। मेरा मानना है कि प्रत्येक मनुष्य जब अपना कल्याण करने लगेगा तो देश में एक ऐसा समाज बनेगा जिसे सर्वात्म कल्याण कहा जाएगा। ऐसे समाज में कोई दुखी, अशांत और बीमार नहीं होगा, क्योंकि दुख हमारे कारण ही हमें घेरता है। दुखी होने में हमारी कोई सहायता नहीं करता। दुख और सुख दोनों के हम स्वयं कारण होते हैं।

प्रत्येक मनुष्य का मूल स्वरूप स्वस्थ और प्रसन्न रहना है। यही उसकी मूल प्रकृति है, लेकिन हम स्वयं अपने विकारों से ग्रस्त होकर बीमार पड जाते हैं या मर जाते हैं। मारने के लिए कोई यमराज डंडा लेकर नहीं आता। हमारा दुष्कर्म ही डंडा लेकर हमें धीरे-धीरे मारता रहता है। ऐसा नहीं होता तो लोग शराब पीकर या अन्य मादक पदार्थ खाकर कैसे मरते। यमराज को तो ऐसे लोगों का नाम पता भी मालूम नहीं है, लेकिन लोग मरे चले जा रहे हैं। इन सबके पीछे प्रबल कारण है 'अज्ञान'। अज्ञान का अर्थ है जागरूकता का अभाव। ऐसा संतों का मानना है। जागरूक व्यक्ति अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होता। भगवान बुद्ध कहते हैं, 'जो भी करते हो होशपूर्वक करो'। होशपूर्वक किया गया कोई भी काम अनैतिक नहीं होता। इसलिए मनुष्य अगर दुखी है, चिंताग्रस्त और उदास है तो उसका कारण वह स्वयं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि किसी ने भी उसे दुखी, चिंताग्रस्त और उदास होने के लिए नहीं कहा है कि वह दुखी होना चाहता है इसलिए वह दुखी है।

जो सुखी रहना चाहता है वह सुखी है। बीमार भी वही पडता है जो बीमार होना चाहता है। कुछ लोगों को तो बीमार होने पर दूसरों की सहानुभूति पाने में सुख मिलता है। ऐसे लोग अपनी छोटी बीमारी को भी बडी बीमारी बताते हैं। ऐसे बहुत से लोग हमारे समाज में हैं, जो अपने छोटे दुखों को बढा-चढाकर दूसरों की सहानुभूति प्राप्त करना चाहते हैं।

प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है

प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे परमार्थ के महानद में मिलने दें। स्वार्थ के संपुट में प्रेम को बंद मत करें। 'लोकधर्म' ही 'प्रेमधर्म' है। शिवलिंग में शिव को मत देखें। प्रेम के रस में पगी भक्ति की नजर से देखने पर ही सर्वत्र शिव की छवि दिखाई देती है।

प्रेम ऊपर चढे तो भक्ति है और नीचे गिरे तो आसक्ति। परमात्मा को धर्मालयों में बंद मत करें। आखिर सभी के हदय में प्रेम की ही ज्योति दीप्तिमान है। एक समान भाव ही प्रेम का धर्म है, जिसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति एकता के आनंद में होती है। यही प्रेम असीम-ससीम का, निर्गुण-सगुण का, शक्ति-सौंदर्य का और रूप-रस का मंजुल समन्वय है।

प्रेम निश्छल होना चाहिए। वह चाहे संसारी प्रेम हो या परमार्थी। 'अनासक्ति' ही प्रेम का धर्म है, जहां प्रतिदान की तनिक भी गुंजाइश नहीं है। प्रेम में केवल देना है, लेना कुछ भी नहीं। प्रेम करते समय यह अहंकार भी नहीं होना चाहिए कि वह प्रेम कर रहा है। प्रेम को तिजारत न बनने दें।

ध्यान रहे कि फूल खिलता है दूसरों को आनंद देने के लिए और स्वयं मुरझाने के लिए। एक आप हो कि बिना मतलब के प्रेम करना ही नहीं जानते। प्रेम आकर्षण है और द्वेष विकर्षण। प्रेम आनंद है और द्वेष दुख। प्रेम अद्वैत है और द्वेष द्वैत। प्रेम सहकार है और द्वेष विखराव। जहां प्रेम है वहां विकास है और जहां द्वेष है वहां पतन। हदय में प्रेम का उदय होते ही भीतर दैवी परिवर्तन होने लगता है और जीवन-धारा ही बदल जाती है। तुच्छ, अशिव और असुंदर को विराट, शिव और सुंदर बनाने के लिए सृष्टि में प्रेम का अवतरण हुआ है।

वासनात्मक प्रेम वस्तुत: दैवी प्रेम की सतह पर गंदी काई की तरह है, जिसके आवरण में दिव्य प्रेम का पावन जल छिपा हुआ है। प्रेम आनंद है और जीवन इस आनंद का अविराम अनुसंधान है।

हमारा सारा प्रेम शुभ के लिए है। हम वस्तु से प्रेम नहीं करते, उसमें निहित शुभ से प्रेम करते हैं। प्रेम जीवन का आधार है। इसके बिना हमारा समाज नहीं चल सकता। प्रेम ही मानवता का सबसे बडा गुण है।

प्रेम जब सच्च और सकारात्मक भाव लिए हो तो उससे प्रबल भावना कोई और नहीं हो सकती। प्रेम ही हमें एक-दूसरे के प्रति समर्पित होने का अवसर देता है। प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है।

कौन है नायक

कुछ साल पहले की बात है। न्यूयॉर्क के मैनहटन स्टेशन पर वेस्ली ऑट्री अपनी क्रमश: चार और छह वर्ष की बेटियों के साथ ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे थे। जब उन्होंने देखा कि ट्रेन सामने से आ रही है, तभी उनके पास खडा एक मुसाफिर अचानक गश खाकर रेलवे ट्रैक पर गिर पडा। वेस्ली ने आव देखा न ताव, इंजन के सामने छलांग लगा दी और उस मुसाफिर को ट्रैक के बीच बनी गहरी नाली में खींच लिया।

ट्रेन के अचानक ब्रेक लगे, लेकिन वह रुक नहीं पाई। पांच डब्बे उनके सिरों को छूते हुए ऊपर से गुजर गए। मिर्ती से लथपथ अपनी टोपी उतारते हुए वेस्ली ने तेज आवाज में कहा, 'मेरी दोनों बेटियों को बता दो कि उनके पापा ठीक हैं'। भीड में सभी हैरानी और खुशी जता रहे थे और वेस्ली की सराहना कर रहे थे।

गश खाकर गिरने वाला मुसाफिर न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी का छात्र था और उसे दौरे पडने की शिकायत थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, उसे मामूली चोट और खरोंचें ही आई थीं।

जब उस छात्र ने वेस्ली का आभार जताया, तो उन्होंने कहा, 'मैंने कोई बडा कारनामा नहीं कर दिखाया है। तुम्हें उस समय मदद की जरूरत थी और मैं जो कर सकता था, वह किया।' कथा-मर्म : नायक वही है, जो किसी की भलाई के लिए जितना कर सकता हो, उतना जी-जान से करे।

भगवान शिव का प्रिय रुद्राक्ष से कई रोगों का निदान भी संभव है

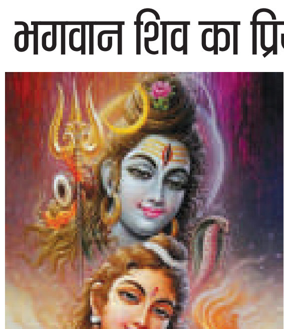

रोगों के उपचार के लिए चिकित्सा शास्त्र में कई औषधियों का वर्णन मिलता है। इनमें से एक है रुद्राक्ष। रुद्राक्ष वैसे तो भगवान शिव के लिए प्रिय है, लेकिन ये बात बहुत कम लोगों को पता होगी कि इससे कई रोगों का निदान भी संभव है। रुद्राक्ष से रोगों का उपचार करने के तरीके हमारे धर्मग्रंथों और चिकित्सा आधारित ग्रंथों में उल्लेखित हैं। उन्हीं में से कुछ उपाय यहां दिए जा रहे हैं। इन्हें आजमाकर आप स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। हालांकि इसके साथ चिकित्सकीय जांच भी जरूर करवाते रहें। चारमुखी रुद्राक्ष को दूध में उबालकर सुबह खाली पेट पीने से स्मरण शक्ति तेज होती है। सोमवार के दिन त्रिशूल के आकार का लॉकेट धारण करने से बुद्धि और स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। यदि आपके आमाशय में किसी तरह का विकार हो तो तांबे के किसी पात्र में जल भरकर सिरहाने रखें और उसमें पंचमुखी रुद्राक्ष के पांच दाने डाल दें। सुबह उठकर उस जल को पी लें और अगले दिन पुन: यह करें। जब तक रोग ठीक न हों करते रहें। रक्तचाप यानी ब्लडप्रेशर की रोगियों को पांचमुखी रुद्राक्ष की माला गले में धारण करना चाहिए। ध्यान रखें यह माला हदय के पास तक जानी चाहिए। किसी भी रोग की औषधि आरंभ करने से पहले उसे पहली बार शिव मंदिर में अर्पित करके भगवान आशुतोष से शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना करें। इससे औषधि रोग का शीघ्र निदान करती है।

क्या है सिक्स्थ सेंस, क्या यह एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है

यह सिक्स्थ सेंस ही है, जो समय-समय पर आपको आगाह करता है। कई बार तो हम विर्श्वास करते हैं और कभी हम उसकी परवाह नहीं करते। यही है सिक्स्थ सेंस, जिसकी व्याख्या पांचों इंद्रियां भी नहीं कर सकतीं। भविष्य में घटने वाली अच्छी या बुरी घटनाओं के प्रति सचेत करने वाला सिक्स्थ सेंस है।

हर व्यक्ति को अपने जीवन-काल में ऐसा अनुभव अवश्य होता है, लेकिन कभी अज्ञानता, तो कभी अंधविर्श्वास समझते हुए, वह इस पर यकीन नहीं करता। व्यक्ति अपनी पाँच इंद्रियों के प्रति जागरूक रहता है, क्योंकि ये इंद्रियां प्रत्यक्ष रूप से शरीर से संबंधित हैं, लेकिन सिक्स्थ सेंस की जानकारी बहुत कम लोगों को होती है, जबकि यह सेंस संवेदनाओं को समझने में पांच इंद्रियों से ज्यादा समर्थ है। इस सेंस के जरिए व्यक्ति एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करता है, जो अनदेखी है, ऐसी दुनिया से संवाद स्थापित करता है, जो अनसुनी है। यह आत्मिक दुनिया विज्ञान की कसौटी पर पूरी तरह परखी नहीं गई है, लेकिन इस पर विर्श्वास करने वाले मानते हैं कि छठी इंद्रिय आपको सचेत करती है और एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है।

सेंस से क्या डरना: सिक्स्थ सेंस हर व्यक्ति के पास होता है। यह मनुष्य की मानसिक अवस्था की एक सामान्य प्रिाया है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ स्पेशल या गिफ्टेड लोगों के पास होता है। इसे गलत तरीके से प्रचारित किया गया है, इसलिए लोग इससे घबराते हैं।

वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित: व्यक्ति में जन्म से ही यह शक्ति होती है कि वह आत्मिक दुनिया से संवाद स्थापित कर सके। सिक्स्थ सेंस भी उसी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है, जिस वैज्ञानिक पद्धति के तहत रेडियो और टेलीविजन के ट्रांसमिशन कार्य करते हैं।

जिस तरह जरूरत पडने पर आप प्रोग्राम सुनने या देखने के लिए किसी फ्रीक्वेंसी या बैंड पर टी.वी. या रेडियो को ट्यून कर लेते हैं, उसी तरह सिक्स्थ सेंस को भी आप दूसरे व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी या आध्यात्मिक दुनिया के किसी व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी के अनुसार ट्यून कर सकते हैं। इलेक्ट्रानिक ट्यूनिंग बिजली के माध्यम से काम करती है, लेकिन आत्मिक ट्यूनिंग मस्तिष्क के माध्यम से संपर्क स्थापित करती है। इसके साधन हैं मानसिक एकाग्रता और इच्छाशक्ति।

मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस: कोलंबिया ब्रिटिश यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजिस्ट रोनाल्ड रेनसिंक ने सिक्स्थ सेंस को प्रमाणित करने के लिए 40 लोगों को कंप्यूटर सीन पर कुछ आस्थर इमेज दिखाए। प्रत्येक इमेज को एक सेकेंड से भी कम समय के लिए हर व्यक्ति को दिखाया गया।

इसके बाद लोगों को एक ग्रे सीन दिखाई गई। ग्रे सीन पर भी कुछ लोगों को वही चित्र नजर आया। कुछ समय बाद उन्हें इन तस्वीरों में कुछ बदलाव करके दिखाया गया। लोगों को पता चल गया कि चित्र में कुछ बदलाव किया गया है।

हालांकि वे यह नहीं बता सके कि किस हिस्से में बदलाव किया गया है। रोनाल्ड इसे मेंटल साइट कहते हैं, जो यह बताती है कि चित्र में कुछ न कुछ जरूर बदल दिया गया है। उनका मानना है कि मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस में गहरा संबंध है।

मेंटल ट्यूनिंग: इलेक्ट्रानिक ट्यूनिंग विर्श्वसनीय और तर्कसंगत है, जबकि मानसिक एकाग्रता से ट्यूनिंग करना मुश्किल है, क्योंकि यह स्थिर नहीं है। इस पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहा जा सकता। फिर भी इसे पूरी तरह से अवैज्ञानिक मानकर खारिज भी नहीं किया जा सकता।

इलेक्ट्रिकल ट्यूनिंग और मेंटल ट्यूनिंग में फर्क सिर्फइतना है कि मेंटल ट्यूनिंग अभी शोध के प्रारंभिक दौर में है। इस दिशा में अभी काफी कुछ किया जाना है।

जहां तक भविष्य में इसकी प्रगति का सवाल है तो हमें यह समझना होगा कि आज विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि सिक्स्थ सेंस की प्रमाणिकता को भी वैज्ञानिक आधार पर परखा जा सकता है।

सिक्स्थ सेंस का आत्मिक दुनिया से संबंध स्थापित करने संबंधी शोध प्रारंभिक अवस्था में होने के कारण इस पर से पूरी तरह से पर्दा नहीं उठ सका है।

हर व्यक्ति को होता है ऐसा अनुभव: जागृत अवस्था में या सपने में हर व्यक्ति कभी न कभी सिक्स्थ सेंस जैसे अनुभव से गुजरा है।

जो लोग ऐसे अनुभव को याद नहीं कर पाते, वे इसके संकेतों से अनभिज्ञ रहते हैं। कई बार अंधविर्श्वास या मन का वहम समझते हुए भी लोग इन बातों को दूसरों को बताने से डरते हैं। अध्यात्म से जुडे लोग इस बात को स्वीकार करते हैं कि कभी न कभी आत्मिक दुनिया से उनका सम्पर्क हुआ है।

न बनाएं बोरियत को अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

लाइफस्टाईल

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस ख़त्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्ज़ा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

बाहर पढ़ने जा रहे हैं, तो इन बातों को कभी न भूलें

कैरियर

पढ़ाई-लिखाई या फिर रोजगार के सिलसिले में आपमें से कई लोगों को घर से बाहर जाना होगा। कुछ रह भी रहे होंगे। हालांकि कई लोगों के लिए यह अनुभव मजेदार होता है, पूरा आजादी और कोई रोक-टोक नहीं। लेकिन बात बस इतनी सी ही नहीं रहती है। घर से बाहर निकलने पर आपकी पूरी जिम्मेदारी भी आप पर ही हुआ करती है। खाना-पीना, कपड़े, अपनी चीजों की देखभाल, स्वास्थ्य और फायनेंसेस। फिर एक और चीज है अब तक आप घर में रहे हैं, यदि आपकी पॉकेट मनी खत्म हो गई है तो या तो आप बहन से ले सकते हैं या फिर मां से भी। घर से बाहर निकलते ही सबसे पहली दिक्कत खाने की और दूसरी पैसे ही महसूस होने लगती है। कुछ ऐसी चीजें हैं,

जो आपको घर से बाहर निकलने से पहले ही सीख लेनी चाहिए, ताकि घर से बाहर रहकर न आप परेशान हों, न आपके घर वाले और न ही आपके दोस्त।

काम चलाऊ कुकिंग : अपने घर में चाहे आपने कभी चाय का कंटेनर भी बर्नर पर न रखा हो, लेकिन अब चूंकि आप बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने खाने लायक काम चलाऊ कुकिंग सीख ही लेनी चाहिए। बाहर का खाना एक तो बहुत महंगा पड़ता है, दूसरा बाहर के खाने से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में यदि आप अपने लिए खाना बनाना सीख लेते हैं तो ये आपके लिए ही बेहतर होगा। तो अभी से अपनी मम्मा को या सिस को अपना ट्यूटर बनाएं और कुकिंग शुरू करें।

याद रहें घर से बाहर जाते ही सबसे ज्यादा यदि कुछ याद आता है तो वह है घर का खाना। यदि आप फूडी है तो यह और भी ज्यादा जरूरी है कि आप कुकिंग सीख लें, क्योंकि कई बच्चे ऐसे भी होते हैं कि सिर्फ घर के खाने के लिए अपना कोर्स या जॉब छोड़कर लौट आते हैं। इसलिए जरूरी है कि कामचलाऊ खाना बनाना तो सीख ही लें, और यदि अच्छे खाने के शौकीन है तो फिर तो अच्छा खाना बनाना सीख लें।

बजटिंग : बाहर निकलते ही बजट गड़बड़ा जाता है। क्योंकि घर से बाहर रहते हुए हर छोटी-बड़ी बात के लिए पैसा लगने लगता है। ऐसे में बजट बनाना अच्छा विकल्प होगा। बजट बनाते हुए थोड़ा पैसा बचा कर रखें। किसी भी वक्त पैसे ही जरूरत पड़ सकती है। पैसा सोच-समझकर खर्च करें। पहले जरूरतों पर विचार करें, शौक को महीने के आखिरके लिए बचाकर रखें। वीक डेज में फिल्म देखें, सेल से कपड़े, शूज और एक्सेसरीज खरीदे। थोड़ी ग्रॉसरी की खरीदी में ध्यान रखें। अक्सर मॉल्स में वीक का कोई एक दिन या फिर मंथ के किसी एक दिन ऑ- फर्स और डिस्काउंट्स दिए जाते हैं, उसका उपयोग करें। कुछ बचत कर पाएंगे।

छुट्टी का उपयोग : अब तक आपको अपने कपड़ों के धोने और प्रेस करवाने की चिंता नहीं करनी पड़ती थी। अब ये चिंता आपको खुद ही करनी होगी। छुट्टी के दिन अपने कपड़े हर हाल में धो लें। और प्रेस कर ले, ताकि वीक डेज में काम करते हुए या इंस्टीट्यूट जाते हुए हड़बड़ी न करनी पड़े। छुट्टी वाले दिन बजाए दिन भर टीवी देखकर बिताने के आप अपने सप्ताह भर के पैंडिंग काम निबटा लें।

रिश्ते बनाएं : हो सकता है कि अब तक आपने अपने घर के पास रह रही चोपड़ा आंटी से कभी हलो नहीं किया हो। क्योंकि उनसे मम्मा और दीदी बात कर ही लेती हैं और अंकल को कभी लिफ्ट न दी हो, क्योंकि पापा उनसे बात कर ही लेते हैं। लेकिन अब आप अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। क्योंकि आप अकेले रहते हैं, और किसी भी वक्त आपको अपने पड़ोसियों की जरूरत हो सकती है। कभी देर से नींद खुली हो और पीने का पानी न हो, कभी देर रात आपको तेज बुखार आ रहा हो या फिर पनीर पकाते हुए गैस सिलेंडर खन्म हो गया हो। वजह तो एक हजार हो सकती है, लेकिन नसीहत सिर्फ यही है कि अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। अच्छा भी लगेगा और जरूरत के वक्त मदद भी हो जाएगी।

शेयरिंग हो जाए : हो सकता है आप अपने अपने पेरैंट्स की इकलौती संतान हो। ऐसे में आपकी आदतें एकाधिकारवादी हो सकती है। जैसे आप अपनी किताबें किसी के साथ शेयर नहीं करते हैं, या आपकी बाइक आप किसी को यूज करने के लिए नहीं देते हैं। आपने जो अपनी बहन की शादी में ब्लैजर बनवाया था, वह आप अपने दोस्त को पहली डेट के लिए नहीं देते हों। तो अपनी आदतें बदल लीजिए। घर से बाहर निकलने के बाद भी यदि आपकी यही एकाधिकारवादी प्रवृत्ति बनी रही तो आप एकदम अकेले पड़ सकते हैं। दोस्त बनाने के लिए आपको शेयरिंग करना सीखनी होगी। इससे मदद भी हो जाएगी और दोस्ती भी गाढ़ी होगी। अपने बड़ों के आश्रय में रहते हुए बहुत सारा ऐसा होता है, जो हम नहीं सीख पाते हैं। घर से अलग होते ही हम बहुत सारी चीजें खुद-ब-खुद सीख जाते हैं। लेकिन यदि सीखने की मनस्थिति के साथ ही पढ़ने या नौकरी करने जाएं तो अकेले रहने का वो वक्त बहुत खुशनुमा व यादगार हो सकता है।

अपने आप बंद हो जाएंगे ब्राउजर के गैरजरूरी टैब

तकनीक

अक्सर इंटरनेट चलाते समय कई टैब खोलने की आदत पड़ जाती है लेकिन यूजर उसे बंद करना भूल जाते हैं जिसकी वजह से अधिक डाटा की खपत होती हैं और कंप्यूटर हैंग होने लगता है। मगर ब्राउजर के ये टैब खुद-ब-खुद बंद भी हो सकते हैं लेकिन इसके लिए एक्सटेंशन की मदद लेनी होगी। ऐसे ही खास एक्सटेंशन के बारे में बता रहे हैं रोहित कुमार...

गूगल क्रोम वेब स्टोर पर मौजूद Tab Wrangler एक्सटेंशन की सहायता से क्रोम ब्राउजर में खोले गए पुराने टैब जो प्रयोग नहीं किए जा रहे हैं वह तय समय के बाद खुद ब खुद बंद होने लगते हैं। इस मुफ्त एक्सटेंशन को अपने ब्राउजर में शामिल करने के लिए 'क्रोम ब्राउजर' खोलें, उसके सर्च बार chrome webstore टाइप करें। यहां बाईं ओर सर्च का विकल्प मिलेगा, उसमें Tab Wrangler टाइप कर दें। साथ ही सर्च बार के नीचे दिए गए विकल्पों में से Extensions का चयन करें। अब आपके सामने सबसे ऊपर Tab Wrangler लिखा मिलेगा, उस पर क्लिक करें और वह आपके ब्राउजर में शामिल हो जाएगा। इसका आइकन यूआरएल बार के दाईं तरफ दिखाई देगा। जरूरत पड़ने पर ऑटोमैटिक बंद होने वाले फीचर को रोक भी सकते हैं। इसके अलावा बंद हुए टैब को दोबारा खोलने के लिए इस एक्सटेंशन के आइकन को दबाने के बाद आपको रीस्टोर करने का विकल्प भी मिल जाएगा।

खुद तय करें टैब का समय

जब इस एक्सटेंशन को ब्राउजर में शामिल करेंगे तो उसमें 20 मिनट का समय पहले से सेट होता है। यानी कोई भी टैब 20 मिनट इस्तेमाल न होने पर खुद बंद हो जाएगा। इसमें दिए गए समय को कम और ज्यादा भी कर सकते हैं। समय को बदलने के लिए ब्राउजर के यूआरएल बार के पास दिए गए एक्सटेंशन के आइकन पर क्लिक करें। इसके बाद नई डिस्प्ले खुलेगी जिसमें ऊपर की ओर 'ऑप्शन' लिखा मिलेगा। इस पर क्लिक कर दें। यहां से आपको 20 मिनट का समय दिखाई देगा। इसके समय को यहीं से बढ़ा या घटा भी सकते हैं।

पसंदीदा टैब को कर सकते हैं लॉक

ब्राउजर में किसी एक टैब को खुला रखना चाहते हैं तो उसे लॉक किया जा सकता है। इसके लिए एक्सटेंशन के आइकन पर जाना होगा। इसके बाद जो स्क्रीन खुलेगी उसमें ट्ठथ्थ ख्रधदद्म पर क्लिक करें। यहां से ब्राउजर में खुली सभी वेबसाइट को एक साथ देख सकते हैं। इसके अलावा जिस टैब को लॉक करना चाहते हैं उसके सामने दिए गए बॉक्स पर टच कर दें। यह वेबसाइट तब तक लॉक रहेंगी जब तक आपका कंप्यूटर खुला रहेगा। वहीं स्थायी तौर पर किसी वेबसाइट को खुला रखना चाहते हैं तो एक्सटेंशन के आइकन पर दोबारा क्लिक करने के बाद ऊपर की तरफ तीसरे नंबर पर दिए गए 'ऑप्शन' पर क्लिक करने के बाद सबसे नीचे Auto-Lock लिखा मिलेगा, उसके नीचे दिए गए बॉक्स में जिस वेबसाइट को लॉक करना चाहते हैं उसका यूआरएल कॉपी कर शामिल कर दें।

ऐसे बना सकते है शादी जिंदगी को कामयाब

रिश्ते-नाते

शादी लाइफ का खास और खुशी भरा लम्हा होता है। इस पल को यादगार बनाने के लिए अपने साथी की छोटी-बड़ी खुशी का ध्यान रखना जरूरी होता है। कहा जाता है शादी और खुशी ऐसा पॉजीटिव रिलेशनशिप है जिसमें अविवाहिता की तुलना में शादीशुदा लोग ज्यादा खुश रहते है। कैसे आइये जानें कामयाब शादी के लाभों के बारे में...

1.सफल शादीशुदा पति-पत्नी हमेशा खुशी के एहसास में जीते हैं। वह लाइफ में होने वाली परेशानियों से कभी निराश नहीं होते।

2.विवाह एक सुरक्षा कवच की तरह होता है, जो पति-पत्नी दोनों को एक सफल जीवन जीने में अश्वासन देती है।

3.रोमांस के पलों को यादगार बनाने के लिए अपने साथी को हॉट मैसेज भेजें, खुशबू वाले कैंडल से अपने साथी के लिए कैंडल लाइट डिनर अरेंज कर उनके करीब आएं ।

4. अपने साथी का ढाल बन कर साथ देना अच्छी बात है अगर आपको लगता है कि आपका पार्टनर सही कह रहा है ऐसे समय में उसका पूरा-पूरा साथ दें, यह बात उसे एहसास दिलाएगी कि वह अकेला नहीं है।

5.याद रखें कि हर रात पहली रात ही है इसलिए पहले अपनी पत्नी की भावनाओं का ख्याल रखें। अगर बात नहीं बनती है तो रोमांस के पलों में समय लगाएं ।

6.अपने पार्टनर की दी हुई सभी चीजों को अपने पास यादगार के तौर पर रखें। इससे आप दोनों एक-दूसरे के पहले से भी ज्यादा करीब आ जाएंगे ।

7.अपने पार्टनर को यह एहसास दिलाएं कि जो बातें और रिलेशनशिप उसे आपके साथ शेयर करनी चाहिए, वो किसी और के साथ अंजाने में शेयर कर रहे हैं।

8.दुख-सुख बांटने से पति-पत्नी दोनों जहां एक तरफ अपनी सारी परेशानियों से बाहर निकल आते हैं, वहीं फाइनेंशियली भी सुरक्षा महसूस होती है।

9.जब तनाव न हो, तो मन शांत रहता है और काम करना बोझ नहीं लगता। फिर चाहे वह घर का काम हो या ऑफिस का, व्यक्ति मन लगाकर करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद साबित होगा पानी

यह सलाह तो आपने सुनी ही होगी कि रोज 8 से 10 ग्लास पानी पिया करो...। सवाल यह है कि यह 8-10 ग्लास पानी का गणित आखिर क्या है और क्या यह आंकड़ा हर हाल में, सबके ऊपर लागू होता है? सच तो यह है कि 8 से 10 ग्लास पानी पीने की उक्ति महज एक मोटी-मोटी गाइडलाइन है। कुछ लोगों को प्रतिदिन इससे अधिक पानी पीने की भी जरूरत पड़ सकती है और कुछ लोगों का काम इससे कम पानी पीने से भी चल सकता है।

खैर, यह तो हुई सामान्य तौर पर पानी पीने की बात। मगर क्या आप जानते हैं कि पानी वजन घटाने में भी मददगार हो सकता है? जी हां, यदि आपका वजन सामान्य से अधिक है, तो पानी आपका वजन घटाने का 'जादू' भी कर सकता है। खास तौर पर यदि आप अधिक नमक वाला, प्रोसेस्ड फूड ज्यादा खाते हैं और इसी के माध्यम से आपको अधिकांश कैलोरी प्राप्त होती हैं, तो पानी वाकई आपके लिए वजन घटाने वाला जादूगर साबित हो सकता है। जानते हैं कैसेः

वसा को भस्म करता है पानी : शोध में पाया गया है कि किसी हाई-कैलोरी ड्रिंक के बजाए पानी पीने से 40 प्रतिशत अधिक फैट, यानी वसा बर्न होती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप भोजन के साथ सोडा, जूस आदि कैलरी से भरपूर ड्रिंक्स मे बजाए पानी ही पिएं।

बीएमआई होता है कम : अधिक पानी पीने से आपका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी कम होता है। इसके पीछे कारण यह है कि अधिकांश लोग प्रतिदिन लगभग एक जैसी मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करते हैं। ऐसे में यदि वे पानी का अनुपात बढ़ा दें, तो अन्य, कैलोरी प्रधान तरल पदार्थों का सेवन स्वतः कम हो जाएगा। इससे उनका कैलोरी इनटेक घट जाएगा और वजन घटाने में मदद मिलेगी।

भूख में कटौती : हालांकि भूखे रहना वजन घटाने का कोई सही तरीका नहीं है लेकिन यदि आपमें आवश्यकता से अधिक खाने की आदत है, तो पानी यहां आपकी मदद कर सकता है। 12 सप्ताह तक चली एक शोध में देखा गया कि जिन लोगों ने भोजन से पहले दो ग्लास पानी पिया, उन्होंने पहले से कम मात्रा में भोजन ग्रहण किया। कैलोरी प्रधान ड्रिंक पीने वालों के मुकाबले इन पानी पीने वाले लोगों का वजन 44 प्रतिशत ज्यादा घटा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

शूटआउट एट ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले का प्रयास न केवल उनकी सुरक्षा-व्यवस्था में दरारों को स्पष्ट करता है, बल्कि अमरीका में खतरनाक, जानलेवा होती 'बंदूक-संस्कृति' पर भी सोचने को बाध्य करता है। राजधानी वॉशिंगटन के 'हिल्टन होटल' में राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति वेंस समेत कैबिनेट के कुछ मंत्रियों को भी निशाना बनाया गया। वाकई यह खौफनाक विचार है। अलबत्ता यह राहत का विषय है कि होटल के उस हॉल में मौजूद करीब 2600 मेहमान भी बाल-बाल बचा लिए गए। खौफ और डर से उनकी सांसें ही थम-सी गई होंगी! मौका था 'व्हाइट हाउस' कवर करने वाले संवाददाताओं के रात्रि-भोज का। अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति-मीडिया के आपसी रिश्तों का प्रतीक माना जाता रहा है यह रात्रि-भोज। कई अतिविशिष्ट लोग भी आमंत्रित होते हैं। सुरक्षाकर्मियों की पहरेदारी और चौकसी बहुत सख्त होती है। उन लम्हों में एक अमरीकी नागरिक के भीतर ट्रंप प्रशासन के प्रति नफरत, आक्रोश, वितृष्णा के भाव पल रहे थे, क्योंकि हमलावर ने अपने परिवार को भेजे एक संदेश में राष्ट्रपति ट्रंप को 'गद्दार' और 'बलात्कारी' करार दिया था। यदि इसे आम अमरीकी की राष्ट्रपति के प्रति मनःस्थिति और सोच का आधार माना जाए, तो राष्ट्रपति ट्रंप के लिए घरेलू हालात भी बदतर और चिंताजनक हैं, लेकिन हम निर्वाचित जन-प्रतिनिधि पर किसी भी तरह के हिंसक प्रहार अथवा ऐसी किसी भी साजिश की निंदा करते हैं और खारिज करते हुए यकीन रखते हैं कि कानून ऐसे हमलावर को कड़ी सजा देगा। अमरीका ने अब्राहम लिंकन से जॉन एफ. कैनेडी तक चार राष्ट्रपतियों को खोया है। उनकी हत्या कर दी गई। इसी 'हिल्टन होटल' में 30 मार्च, 1981 को तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर भी गोलीबारी कर उनकी हत्या करने की कोशिश की गई थी, लेकिन रीगन से ट्रंप तक कई घटनाएं, कई हमले ऐसे हुए हैं, जिनमें राष्ट्रपति बाल-बाल बचे अथवा 'सीक्रेट सर्विस' के कमांडो टाइप जवानों की मुस्तैदी ने उन्हें बचा लिया। राष्ट्रपति बनने से पहले और बाद में ट्रंप पर यह चौथा हमला किया गया, एक हमले में हमलावर की गोली ट्रंप के कान को हवा की तरह छू कर निकल गई, लेकिन अमरीका जैसे प्राचीनतम, सशक्त लोकतंत्र में इस हद की नफरत और हिंसा वाकई चिंतित करती है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए, लिहाजा ट्रंप प्रशासन इस पर गंभीरता से चिंतन-मनन करे और व्यवस्था को बदले। बंदूक गोली-बिस्कुट की तरह उपलब्ध नहीं होनी चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि हमलावर कोल थॉमस एलन कोई अशिक्षित, हिंसक अश्वेत समूह का सदस्य था या पेशेवर अपराधी था। वह प्रशिक्षित इंजीनियर है और कोचिंग इंस्टीट्यूट सी-2 में अध्यापक था। सी-2 से उसे दिसंबर, 2024 में 'टीचर ऑफ द मंथ' का अवार्ड भी मिला था। ऐसा शख्स 'राजनीतिक हत्या' की पराकाष्ठा तक कैसे सोच सकता था? चश्मदीदों का कहना है कि हमलावर ने 7-8 राउंड गोलीबारी की थी और सुरक्षा के दो प्वाइंट पार भी कर लिए थे। वह राष्ट्रपति और मेहमानों तक भी पहुंच सकता था! लेकिन 'सीक्रेट सर्विस' के जवानों ने उसे वहीं दबोच लिया। राष्ट्रपति ट्रंप और सभी मेहमान जिस हॉल में थे, उससे काफी दूरी पर हमलावर था, लेकिन हमले के प्रयास में कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जा सकती। वैसे हमलावर के पास से शॉटगन, हैंडगन, दो बंदूकें, कुछ चाकू बरामद किए गए हैं। क्या एलन एक पेशेवर अपराधी बनने की राह पर था? इस हमले के संदर्भ में ईरान कनेक्शन भी उभरा था और कई आशंकाएं जताई गई थीं, लेकिन उसे राष्ट्रपति ट्रंप ने ही खारिज कर दिया। अमरीकी राष्ट्रपति को ईरान के मुद्दे पर भी बेहद गंभीरता से सोचना चाहिए। यह युद्ध अमरीका की साम्राज्यवादी सोच का भी नतीजा है, लेकिन अमरीका को ईरान को मिट्टी-मलबा करने के बावजूद कुछ भी ठोस हासिल नहीं हुआ है। ट्रंप के पास 1 मई तक का वक्त है। अंततः यह मामला अमरीकी संसद में उठेगा। राष्ट्रपति को 20 और दिन मिल सकते हैं, लेकिन उस वक्त में सैनिकों, युद्धपोतों, लड़ाकू विमानों आदि की वापसी करनी होगी। राष्ट्रपति ट्रंप की तब भी किरकिरी होगी।

राजधानी वॉशिंगटन के 'हिल्टन होटल' में राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति वेंस समेत कैबिनेट के कुछ मंत्रियों को भी निशाना बनाया गया। वाकई यह खौफनाक विचार है। अलबत्ता यह राहत का विषय है कि होटल के उस हॉल में मौजूद करीब 2600 मेहमान भी बाल-बाल बचा लिए गए। खौफ और डर से उनकी सांसें ही थम-सी गई होंगी! मौका था 'व्हाइट हाउस' कवर करने वाले संवाददाताओं के रात्रि-भोज का। अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति-मीडिया के आपसी रिश्तों का प्रतीक माना जाता रहा है यह रात्रि-भोज। कई अतिविशिष्ट लोग भी आमंत्रित होते हैं। सुरक्षाकर्मियों की पहरेदारी और चौकसी बहुत सख्त होती है। उन लम्हों में एक अमरीकी नागरिक के भीतर ट्रंप प्रशासन के प्रति नफरत, आक्रोश, वितृष्णा के भाव पल रहे थे, क्योंकि हमलावर ने अपने परिवार को भेजे एक संदेश में राष्ट्रपति ट्रंप को 'गद्दार' और 'बलात्कारी' करार दिया था। यदि इसे आम अमरीकी की राष्ट्रपति के प्रति मन:स्थिति और सोच का आधार माना जाए, तो राष्ट्रपति ट्रंप के लिए घरेलू हालात भी बदतर और चिंताजनक हैं, लेकिन हम निर्वाचित जन-प्रतिनिधि पर किसी भी तरह के हिंसक प्रहार अथवा ऐसी किसी भी साजिश की निंदा करते हैं और खारिज करते हुए यकीन रखते हैं कि कानून ऐसे हमलावर को कड़ी सजा देगा।

पिछले वर्ष बिहार के चुनाव में 67.25% मतदान हुआ जो 2020 के 57.29 प्रतिशत से 9.96% ज्यादा था

रिकार्ड मतदान के मायने

अवधेश कुमार

तमिलनाडु का भी लगभग 85% मतदान एक रिकॉर्ड है ।अंतिम आंकड़ा आने के बाद इसमें और वृद्धि होगी। पूर्वोत्तर राज्यों में मतदान प्रतिशत औसत से अधिक रहा है किंतु वहां भी केवल 2018 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 91.4% मतदान हुआ था। बंगाल में 2011 से मतदान औसत से ज्यादा रहा। 2011 में 84.5%, 2016 में 82.56% और 2021 में 81.56% मतदान हुआ। वैसे 2010 के बाद से मतदान में वृद्धि देशव्यापी प्रवृत्ति रही है। मतदान अंकगणित का विषय है लेकिन इसकी परिणति राजनीतिक होती है और उनके मायने राजनीति के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम तक जाते हैं। बंगाल का दूसरा चरण अभी बाकी है इसलिए संपूर्ण मूल्यांकन उसके बाद ही होगा। पर चुनाव के दौरान बने हुए माहौल का संकेत यही है की मतदान की रिकॉर्ड प्रवृत्ति में ज्यादा अंतर नहीं आने वाला और यहीं संकेत भी छिपा हुआ है।

भारतीय चुनाव में जो कभी नहीं हुआ वह 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हो गया। अभी तक 92.86 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड हुआ है। तमिलनाडु का भी लगभग 85% मतदान एक रिकॉर्ड है।अंतिम आंकड़ा आने के बाद इसमें और वृद्धि होगी। पूर्वोत्तर राज्यों में मतदान प्रतिशत औसत से अधिक रहा है किंतु वहां भी केवल 2018 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 91.4% मतदान हुआ था। बंगाल में 2011 से मतदान औसत से ज्यादा रहा। 2011 में 84.5%, 2016 में 82.56% और 2021 में 81.56% मतदान हुआ। वैसे 2010 के बाद से मतदान में वृद्धि देशव्यापी प्रवृत्ति रही है। मतदान अंकगणित का विषय है लेकिन इसकी परिणति राजनीतिक होती है और उनके मायने राजनीति के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम तक जाते हैं। बंगाल का दूसरा चरण अभी बाकी है इसलिए संपूर्ण मूल्यांकन उसके बाद ही होगा। पर चुनाव के दौरान बने हुए माहौल का संकेत यही है की मतदान की रिकॉर्ड प्रवृत्ति में ज्यादा अंतर नहीं आने वाला और यहीं संकेत भी छिपा हुआ है। 2010 के पहले सामान्य मतदान में वृद्धि को सत्तारूढ़ पार्टी या घटकों की पराजय के रूप में देखा जाता था और अधिकतर मामलों में ऐसा ही हुआ। बाद में यह प्रवृत्ति बदल गई। मतदान बढ़ाने के बावजूद सरकारें वापस आती रही और मतदान घटना पर भी कई सरकारें गईं। इसलिए सामान्यतः मतदान का प्रतिशत किसी सरकार के जाने या नई सरकार के आने या इसके विपरीत राजनीति परिणाम का निश्चयात्मक संकेत नहीं माना जा सकता। बंगाल में 2011 में 84.5 प्रतिशत का रिकार्ड मतदान हुआ और वामपंथी मोर्चे की 34 वर्षों की स्थापित सरकार चली गई। उसके बाद मतदान प्रतिशत थोड़ा-थोड़ा घटा किंतु ममता वापस आती रहीं। चुनाव आयोग द्वारा विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान या एसआईआर की प्रक्रिया के कारण अब वास्तविक मतदाताओं के नाम ही बचे हैं इसलिए हर राज्य में मतदान प्रतिशत संतोषजनक होगा। पिछले वर्ष बिहार के चुनाव में 67.25% मतदान हुआ जो 2020 के 57.29 प्रतिशत से 9.96% ज्यादा था। बिहार में लगभग 65 लाख नाम एसआईआर की प्रक्रिया में हटाए गए थे। बंगाल में कुल 90 लाख 83 हजार 345 मतदाताओं का नाम सूची से हटा। कई लाख मतदाताओं ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई हुई है और न्यायिक प्राधिकरणों को फैसला करना है। किंतु 7.66 करोड़ की जगह मतदाताओं की संख्या 6.7 करोड़ रह गई। यह सच नहीं है कि प्रतिशत ज्यादा होते हुए भी कुल मतों की संख्या इतनी नहीं बढी। पिछले चुनाव से लगभग 26 लाख ज्यादा मतदाताओं ने मतदान किया। भारी संख्या में मृतक, दूसरे जगह चले गए या दो जगह नाम वाले या कुछ फर्जी नाम मतदाता सूची में थे और उनके नाम मतदान होते थे जिनकी संख्या बहुत बड़ी थी। इनके नाम पर कितने वोट डाले गए इसकी गणना कोई नहीं कर सकता। अगर 6.77 करोड़ मतदाताओं के आधार पर पिछला मतदान

होता तो मतदाताओं की संख्या कम होती और इस बार वृद्धि बहुत ज्यादा होती। इस महत्वपूर्ण पहलू की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। 2011 में ममता बनर्जी ने लगभग 5 वर्षों के अनवरत संघर्ष और आक्रामकता से मतदाताओं में वाममोर्चा सरकार के विरुद्ध गुस्सा एवं आलोड़न पैदा किया था। वाम मोर्चा समर्थक भी उनके साथ आये और तृणमूल का अपना भी आधार खड़ा हुआ। जब से भाजपा ने बंगाल में अपनी विचारधारा और राजनीति को जमीन पर उतारने का अभियान चलाया ममता के विरुद्ध समाज के निचले स्तरों पर जबरदस्त आलोड़न है और कुछ महीनो में 2011 पूर्व की स्थिति ममता एवं भाजपा के संदर्भ में उल्टी है। ममता समर्थक और विरोधी तथा भाजपा समर्थक और विरोधी दोनों पक्षों में स्वयं और अपने मतदाताओं को ज्यादा संख्या में मतदान केन्द्रों तक पहुंचाने की प्रबल भावना है। 2019 लोकसभा चुनाव में इसका परिणाम दिखा जब भाजपा ने 40% मत के साथ राज्य 18 सीटें जीत ली। 2018 पंचायत चुनाव में भी जबरदस्त आलोड़न था और संकेत मिल गया कि भाजपा जमीन पर नीचे तक पहुंची है तथा राज्य से कांग्रेस और वाम दलों का लगभग सफाया हो चुका है। भाजपा और उसके विरोधियों की दो ध्रुवीय राजनीति में पक्ष और विपक्ष दोनों तरह की लहर भारत में देखा गया है। 2021 में भी भाजपा ने वातावरण बनाने की कोशिश की पर तब तीन सीटों से बहुमत के 148 तक पहुंचना बंगाल के सामाजिक - सांप्रदायिक समीकरणों में कठिन था। इसलिए लगभग 38% मत के साथ हुआ 77 सीटों तक पहुंच पाये। कोरोना महामारी के कारण बनाए गए सरकार विरोधी माहौल का भी थोड़ा असर हुआ। बंगाल में 1967 के बाद से ही मतदाताओं की सुरक्षा आम लोगों के लिए हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। चुनावी रैगिंग या धांधली प्रदेश का स्वाभाविक चरित्र पिछले 60 सालों में बना रहा है। कांग्रेस फिर वाम दल और तृणमूल कांग्रेस ने भी इस प्रवृत्ति को ज्यादा निष्ठुरता से कायम रखा। इस बार मतदाताओं का बड़ी संख्या में निकलने का एक प्रमुख कारण मतदान और बाद में के लिए दिखता सुरक्षा आश्वासन था। पहले चरण के लिए केंद्रीय बलों की 2407 कंपनी, 2193 क्विक रिस्पांस टीम व 40,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। जहां कुछ कुछ समस्या हो रही थी मतदान के पहले से ही केंद्रीय बल तुरंत पहुंचते थे। मतदान के दौरान जहां भी समस्या आई सुरक्षा बल ज्यादातर पहुंचे। इसके बावजूद दक्षिण दिनाजपुर के एक भाजपा उम्मीदवार को लोगों द्वारा खदेड़ने और पकड़ कर पिटाई करते वीडियो देखने से अनुमान लग जाता है कि मतदान कैसे भय और आतंक के वातावरण में होता रहा। सुरक्षा व्यवस्था के कारण ही हिंसा में भी रिकार्ड कमी आई। मतदान बाद निश्चित समय तक केंद्रीय बलों की उपस्थिति के निर्णय ने भी मतदाताओं में सुरक्षा भाव पैदा किया। 2021 उसके पहले 2019 और 2018 तीनों चुनावों में मतदान बाद की हिंसा और लोगों के पलायन से भय का माहौल बना था। चुनाव अभियान के बीच प्रदेश की यात्रा करने वालों को 2026 में माहौल में बदलाव दिख रहा था। मतदाता धीरे -धीरे खुलकर अपना मत प्रकट करने लगे थे। लंबे समय बाद मतदान हत्याविहीन, न्यूनतम हिंसा और निर्भयता के वातावरण में संपन्न हुआ है। निस्संदेह, परिणाम में भी यह दिखाई देगा। ममता और समर्थकों की आक्रामकता का जवाब भाजपा ने भी प्रति आक्रामकता से दिया। गृह मंत्री अमित शाह तक के भाषणों में भी आक्रामकता थी ताकि उनके समर्थक मतदाता भयरहित होकर मतदान के लिए निकलें और आक्रमण होतो उसका प्रतिकार करें या सुरक्षा बलों तक सूचना पहुंचाएं। ममता ने अपनी शैली में हमलावर प्रचार किया और यहां तक कहा कि किसी कार्यकर्ता के साथ कार्रवाई होगी तो सरकार उसके साथ खड़ी ही नहीं रहेगी बल्कि कुछ संस्थाओं के मामले में यहां तक कहा कि उसको हम सरकारी नौकरी दे देंगे। पहले भी ममता उन सबकी रक्षा में सामने दिखीं जिनके विरुद्ध भ्रष्टाचार या अपराध के मामलों में केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाई की। इसका असर उनके घोर समर्थकों पर था। देश भर में आम मुसलमान भाजपा के विरुद्ध मतदान करता है और उनकी संख्या कहीं कहीं शत-प्रतिशत तक चली जाती है। बंगाल में उनकी आबादी 29 से 30 प्रतिशत के बीच होगी। वे भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए मतदान करने निकले ही होंगे। उसकी प्रतिक्रिया में गैर मुस्लिम समुदाय भी निकले हैं जो टीवी कैमरों पर दिख रहे थे। मुर्शिदाबाद , मालदा, दक्षिण दिनाजपुर आदि जिलों में निकले मतदाता गवाही दे रहे थे कि दोनों पक्षों में करो या मरो का भाव पैदा हो चुका है। जिलों के हिसाब से देखें तो दक्षिण दिनाजपुर में 95.4% , मालदा में 94.43%, मुर्शिदाबाद में 93.58%, उत्तर दिनाजपुर में 94.15%, अलीपुरद्वार में 92.69% , झारग्राम में 92.5%, पश्चिम मेदिनीपुर में 92.118% , बांकुरा में 92.5 0%, पूर्वी मेदिनीपुर में 91.20 प्रतिशत, तथा कूच बिहार में सबसे अधिक 96% मतदान हुआ है। इस दौर में सबसे कम कालिमपोंग में 83.07 प्रतिशत , दार्जिलिंग में 88.80 प्रतिशत, पश्चिम वर्धमान में 90.33% तथा पुरुलिया में 90.91% मतदान हुआ। साफ्जहै कि जहां एक पक्ष कम रहा वहां मतदान प्रतिशत कम हुआ और दार्जिलिंग, कालिमपोंग आदि इसके उदाहरण हैं।

देश दुनिया से

नशा, मानसिक विकार व मरती संवेदनाएं

हमारे समाज में समय-समय पर घटित होने वाली हिंसात्मक और अमानवीय घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की विफलता का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि वे हमारे सामाजिक ढांचे में व्याप्त गहरे अंतर्विरोधों और समस्याओं का भी संकेत देती हैं। जब किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ क्रूरता की हदें पार कर दी जाती हैं, तो यह केवल एक अपराध नहीं रह जाता, बल्कि हमारे समाज की संवेदनशीलता, नैतिकता और मानवीय मूल्यों पर एक गहरा प्रश्नचिह्न बनकर उभरता है। किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति अकेले केवल उसके भौतिक विकास से नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और संतुलित जीवन पर भी निर्भर करती है। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और युवाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य समाज का प्रमुख मानक होती है। यदि समाज का कोई वर्ग भय और असुरक्षा के वातावरण में जीने को विवश हो, तो यह उस समाज की सामूहिक विफलता को दर्शाता है। हमारे समाज में घटने वाली ऐसी घटनाओं के पीछे कई जटिल और परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिसमें से नशे की बढ़ती प्रवृत्ति एक प्रमुख कारण माना जा सकता है। आज नशा केवल व्यक्तिगत आदत या मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक समस्या का रूप ले चुका है। अब नशा केवल शराब, बीड़ी, गुटखा और तंबाकू तक सीमित नहीं है, बल्कि सिंथैटिक ड्रग्स के प्रयोग से परिणाम अत्यंत भयावह होता प्रतीत हो रहा है। ऐसे नशे के बढ़ते प्रभाव ने न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित किया है, बल्कि उसके व्यवहार, सोच और सामाजिक संबंधों को भी विकृत कर दिया है। नशे का यह रासायनिक रूप व्यक्ति के मस्तिष्क को इस कद्र प्रभावित करता है कि उसकी निर्णय क्षमता क्षीण हो जाती है, परिणामस्वरूप उसके भीतर आक्रामकता, असंवेदनशीलता और हिंसात्मक प्रवृत्तियां जन्म लेने लगती हैं। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञ तथा शोध बताते हैं कि शिक्षा और रोजगार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाओं का बोझ, पारिवारिक संवाद की कमी और डिजिटल दुनिया का बढ़ता प्रभाव इत्यादि कारक भी युवाओं को मानसिक रूप से कमजोर बना रहे हैं। ऐसे में जब उन्हें सही मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग नहीं मिलता, तो वे नशे की ओर आकर्षित हो जाते हैं। वहीं सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग भी इस समस्या को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जहां एक ओर ये तकनीकें हमें जोडऩे का कार्य करती हैं, वहीं दूसरी ओर ये हमें वास्तविक संबंधों से दूर भी कर रही हैं। परिवारों में संवाद की कमी, आपसी समझ का अभाव और भावनात्मक दूरी जैसी समस्याएं भी धीरे-धीरे गहराती जा रही हैं। ऐसे में युवा अकेलापन और तनाव महसूस करते हैं, जो उन्हें गलत दिशा में धकेल देता है। परिवार, जो किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण की पहली पाठशाला होता है, इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आज माता-पिता को अपने बच्चों की केवल भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि

हमारे समाज में घटने वाली ऐसी घटनाओं के पीछे कई जटिल और परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिसमें से नशे की बढ़ती प्रवृत्ति एक प्रमुख कारण माना जा सकता है। आज नशा केवल व्यक्तिगत आदत या मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक समस्या का रूप ले चुका है। अब नशा केवल शराब, बीड़ी, गुटखा और तंबाकू तक सीमित नहीं है, बल्कि सिंथैटिक ड्रग्स के प्रयोग से परिणाम अत्यंत भयावह होता प्रतीत हो रहा है। ऐसे नशे के बढ़ते प्रभाव ने न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित किया है, बल्कि उसके व्यवहार, सोच और सामाजिक संबंधों को भी विकृत कर दिया है।

उन्हें उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर भी सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश तथा सही दिशा में मार्गदर्शन देने से उन्हें गलत रास्ते पर जाने से रोका जा सकता है। इस बाबत परिवार के बाद समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश, आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां लोग दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचते हैं, चाहे वह मामला कितना ही गंभीर क्यों न हो। कई बार हम किसी व्यक्ति के गलत व्यवहार को नजरअंदाज कर देते हैं या उसे सामान्य मान लेते हैं। कुछ मामलों में आक्रामकता और असामाजिक व्यवहार को 'दबंगई' या 'मर्दानगी' के रूप में भी देखा जाता है, जो कि एक खतरनाक मानसिकता को बढ़ावा देता है। यदि समाज समय रहते ऐसे संकेतों को पहचानकर उचित कदम उठाए, तो कई बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता है। हालांकि सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। नशे के अवैध व्यापार पर नियंत्रण, कानूनों का सख्ती से पालन और अपराधियों को त्वरित एवं कठोर दंड इत्यादि सार्थक कदम हैं। लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि सरकार मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी सुदृढ़ करने में अहम् भूमिका का निर्वहन करें। आज स्कूलों और कॉलेजों में कैरियर काउंसलिंग के अलावा मानसिक विकारों सम्बन्धी काउंसलिंग की अत्यंत जरूरत है, ताकि युवा अपनी समस्याओं को खुलकर साझा कर सकें और उन्हें उचित मार्गदर्शन मिल सके। वहीं नशा मुक्ति केंद्रों को भी केवल औपचारिकता तक सीमित न रखकर, उन्हें प्रभावी और सुलभ बनाने की कवायद है। शिक्षा में छात्रों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रखकर नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और जीवन कौशल के बारे में भी शिक्षित करना आवश्यक है। जब तक हम अपने युवाओं को मानसिक रूप से सशक्त और नैतिक रूप से जागरूक नहीं बनाएंगे, तब तक इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। अब समय केवल घटनाओं पर दुख व्यक्त करने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का है। हमें यह समझना होगा कि समाज की समस्याएं किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हैं, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझें और उन्हें ईमानदारी से निभाएं, तो हम एक सुरक्षित, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण कर सकते हैं। हमें यह निर्णय लेना होगा कि हम किस प्रकार का समाज बनाना चाहते हैं। एक ऐसा समाज जहां भय, हिंसा और असंवेदनशीलता का वर्चस्व हो, या एक ऐसा समाज जहां मानवीय मूल्यों, सहानुभूति और आपसी सम्मान का स्थान हो। यह चुनाव हमारे हाथ में है, और यही चुनाव हमारे भविष्य को निर्धारित करेगा। यदि हम आज नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम समय रहते चेत जाएं और सही दिशा में कदम उठाएं, तो हम एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र महसूस कर सके। यही सच्चे अर्थों में प्रगति और मानवता की पहचान होगी।

कुछ अलग

कटी नाक पर पेड़ उगे

बाबा ठुल्लूदीन कहते हैं कि आज से बारह साल पहले जब देश आजाद नहीं था, जवाब कटघरे में हुआ करते थे। अगर जवाब ठीक नहीं होता था तो नेताओं को कटघरे में खड़ा कर दिया जाता था। बाज मर्तबा इस्तीफे तक हो जाते थे। लेकिन जब से कटी नाक पर पेड़ उगना शुरू हुए हैं, नेताओं की देखा-देखी आम लोगों ने भी इन्हीं कटी नाकों पर उगे पेड़ों के साये में ऊंघना शुरू कर दिया है। सूर्पणखा और सीता में भेद करना डॉन को पकडऩे की तरह मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन भी हो चुका है। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व वट वृक्ष की तरह फैलकर इतने सघन हो गए हैं कि पता ही नहीं चलता कि कौन किसके पेड़ के साये में ऊंघ रहा है। देश में खर्राटों की आवाज इतनी बढ़ गई है कि अब अपने सीने की धडक़न भी सुनाई नहीं देती। जनाब शहरयार ने पता नहीं क्या सोच कर शे'र कहा था- सीने में जलन आंखों में तूफान सा क्यों है, इस शहर में हर शख्स परेशान सा क्यों है। सीने में जलन होने पर लोग अब ईनो पी लेते हैं, आंखों में तूफान आने पर अपने ईमान को कपड़े की तरह उन पर लपेट लेते हैं। इसलिए परेशानी का कोई सबब नहीं बचता। अगर इससे भी काम न बने तो किसी रात साढ़े आठ बजे देश के नाम संबोधन में सत्ता अपनी मक्कारी, अय्यारी और नाकामी के ठीकरे विपक्ष और अवाम पर फोड़ देती है। बाबा कहते हैं कि पता नहीं क्या वजूहात हैं कि डोनाल्ड डक द्वारा घोर बेइज्जती की सेंचरी मारने के बाद भी अवतारी उफ तक नहीं करते। कितना धैर्य है, कितनी सहनशीलता है इस महामानव में। यह तो उनके द्वारा हिमालय में की गई तपस्या का ही कमाल हो सकता है।

आप का नज़रिया

पर्यटन के ध्यानू भक्त

धार्मिक पर्यटन की आंख से अब अगर नादौन खुद को देखने लगा है, तो ध्यानू भक्त की समाधि पर मेला लगेगा और इससे पहले अधिग्रहण की फाइल मुकम्मल होनी चाहिए। गनीमत यह कि सरकार ने कोशिश तो शुरू की वरना यह स्थल वर्षों से अपनी आध्यात्मिक शक्ति के बावजूद उपेक्षित हो रहा है। हमने इस संदर्भ में इन्हीं कालमों में यह सुझाव बार-बार दिया है, लेकिन यहां बिखरे धार्मिक चुंबक को पहचाना ही नहीं गया। प्रदेश में कुछ अन्य जगह भी ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जो अगर अधिग्रहित होते हैं, तो पर्यटन समीक्षा से ये स्थल अपनी संभावनाओं में विकास कर सकते हैं। कांगड़ा जिला के मुख्यालय धर्मशाला का हनुमान मंदिर ब्रिटिश हिस्ट्री के लफ्जों में श्रद्धा का केंद्र बना, लेकिन आज भी इसका प्रबंधन पुलिस के अधीन है। इसके विकास में स्मार्ट सिटी परियोजना ने काफी धन निवेश किया है, लेकिन उचित दृष्टि के प्रबंधन की जरूरतें, इसके सीधे प्रशासनिक अधिग्रहण से ही पूरी होंगी। इसी तर्ज पर बगलामुखी मंदिर के व्यावसायीकरण व विकास की जहां तारीफ होती है, वहीं धार्मिक पर्यटन के उचित मूल्यांकन के लिए सरकारी अधिग्रहण की वकालत हो रही है। आजादी के बाद हिमाचल में नए पर्यटन केंद्रों के रूप में शिकारी देवी, जंजैहली घाटी, सांगला वैली व बीड़-बिलिंग अपनी क्षमता से आगे बढ़े हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में नादौन की ऐतिहासिक व धार्मिक विरासत तथा ब्यास नदी का तटीय परिवेश इसे संभावनाओं से भर देता है। इसी की परिधि में गरली-परागपुर का धरोहर मूल्य तथा ज्वालामुखी का धार्मिक परिदृश्य जुड़ जाता है। ऐसे में अगर व्यापक दृष्टि से देखें तो ज्वालामुखी पर्यटन सर्किट के तहत नादौन, गरली-परागपुर तथा हरिपुर गुलेर तक का एक पर्यटन मानचित्र बनना चाहिए। गरली-परागपुर, हरिपुर गुलेर और पौंग जलाशय को देखते हुए इस क्षेत्र में फिल्म सिटी का शुभारंभ हो सकता है। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों के साथ धार्मिक, धरोहर, कृषि व बागबानी को जोड़ते हुए कई सर्किट विकसित हो सकते हैं। मसलन दियोटसिद्ध, चिंतपूर्णी, नैनादेवी, चामुंडा, कांगड़ा, बालासुंदरी व ज्वालामुखी मंदिर सर्किट बना कर, कई तरह के पर्यटन आकर्षण जोड़े जा सकते हैं। बालासुंदरी मंदिर सर्किट को नया आयाम दें, तो तीर्थयात्री फॉसिल पार्क, श्रीरेणुका झील व नाहन को जोड़ते हुए अपना यात्रा वृत्तांत बढ़ा पाएंगे। दियोटसिद्ध मंदिर सर्किट के तहत ऊना तक भाखड़ा बांध से जुड़े कई आकर्षण तथा साहसिक पर्यटन की संभावनाएं विकसित हो पाएंगी। कहना न होगा कि हर मंदिर सर्किट को विकसित करते हुए, नए निवेश केंद्र तथा आर्थिकी का विकास होगा। इन सर्किट के मार्फत हमें हिमाचल की संस्कृति, गीत-संगीत तथा पारंपरिक कलाओं को जोड़ते हुए सांस्कृतिक पर्यटन का आगाज करना होगा। उदाहरण के लिए ज्वालामुखी मंदिर सर्किट के तहत कालेश्वर महादेव का बैसाखी समारोह तथा परागपुर का लोहड़ी महोत्सव राष्ट्रीय स्तर की पहचान बना सकते हैं। हिमाचल में प्रवासी मजदूरों के आने से नादौन जैसे स्थान पर छठ उत्सव भी होने लगे हैं। मंदिर सर्किट के अलावा अब फोरलेन परियोजनाओं को देखते हुए हाई वे पर्यटन सर्किट बना कर पूरे हिमाचल में नए स्थान व नई निवेश संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। नादौन के आसपास अगर एक साइंस सिटी विकसित की जाए, तो यह स्कूल पर्यटन की एक पहल होगी। इसी तहर प्रदेश में पौंग, गोबिंदसागर, कोल डैम जैसे कृत्रिम बांधों तथा प्राकृतिक झीलों की क्षमता में युवा पर्यटन की महफिलें और विकसित होंगी, हमें सिर्फ इनके बेस कैंप तथा सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता करने होंगे।

आजादी के बाद हिमाचल में नए पर्यटन केंद्रों के रूप में शिकारी देवी, जंजैहली घाटी, सांगला वैली व बीड़-बिलिंग अपनी क्षमता से आगे बढ़े हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में नादौन की ऐतिहासिक व धार्मिक विरासत तथा ब्यास नदी का तटीय परिवेश इसे संभावनाओं से भर देता है। इसी की परिधि में गरली-परागपुर का धरोहर मूल्य तथा ज्वालामुखी का धार्मिक परिदृश्य जुड़ जाता है। ऐसे में अगर व्यापक दृष्टि से देखें तो ज्वालामुखी पर्यटन सर्किट के तहत नादौन, गरली-परागपुर तथा हरिपुर गुलेर तक का एक पर्यटन मानचित्र बनना चाहिए। गरली-परागपुर, हरिपुर गुलेर और पौंग जलाशय को देखते हुए इस क्षेत्र में फिल्म सिटी का शुभारंभ हो सकता है। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों के साथ धार्मिक, धरोहर, कृषि व बागबानी को जोड़ते हुए कई सर्किट विकसित हो सकते हैं। मसलन दियोटसिद्ध, चिंतपूर्णी, नैनादेवी, चामुंडा, कांगड़ा, बालासुंदरी व ज्वालामुखी मंदिर सर्किट बना कर, कई तरह के पर्यटन आकर्षण जोड़े जा सकते हैं। बालासुंदरी मंदिर सर्किट को नया आयाम दें, तो तीर्थयात्री फॉसिल पार्क, श्रीरेणुका झील व नाहन को जोड़ते हुए अपना यात्रा वृत्तांत बढ़ा पाएंगे।

दृष्टि कोण

ट्रंप कोई राजा नहीं हैं

यह विडंबना है कि राजा और राष्ट्रपति के बीच के अंतर को स्पष्ट करने का कार्य अलेक्जेंडर हैमिल्टन को सौंपा गया। दरअसल, हैमिल्टन ने अमरीका की संविधान सभा की शुरुआत में ब्रिटिश राजशाही की तर्ज पर एक राष्ट्रपति पद का प्रस्ताव दिया था, जिसमें आजीवन कार्यकाल और व्यापक वीटो शक्तियां शामिल थीं। जब 1787 की संविधान सभा में उनका प्रस्ताव खारिज कर दिया गया, तो वह नाराज होकर सभा से बाहर चले गए, और कई हफ्तों बाद वापस लौटे। लेकिन अंततः वह उस अमरीकी राष्ट्रपति पद के सबसे मजबूत समर्थकों में से एक बन गए जैसा कि सभा में डिजाइन किया गया था, और इसके समर्थन में अधिकांश फेडरलिस्ट पेपर्स लिखे। फेडरलिस्ट नंबर 69 में उन्होंने अमरीकी राष्ट्रपति और राजा के बीच तुलना को गलत ठहराया, यह बताते हुए कि राष्ट्रपति को चुना जाएगा, वह नियमित चुनावों के अधीन होगा, और उसको महाभियोग का सामना करना पड़ सकता है। अमरीका के इतिहास में, राष्ट्रपति पर अक्सर यह आरोप लगाया गया है कि वे राजाओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं या अपनी संवैधानिक शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। जॉर्ज वॉशिंगटन को उनके औपचारिक शैली और समारंभिक उपस्थिति के लिए आलोचना की गई थी। जेफरसनियन रिपब्लिकन ने उन्हें 'लोकप्रिय प्रशंसा में, राजा की तरह डूबे हुए' कहा। एंड्रयू जैक्सन को उनके वीटो के आक्रामक उपयोग के कारण 'किंग एंड्रयू द फर्स्ट' उपनाम मिला। अब्राहम लिंकन को civil war के दौरान हैबियस कॉर्पस निलंबित करने के लिए एक तानाशाह कहा गया। थियोडोर रुजवेल्ट को उनकी कार्यकारी शक्तियों के विस्तार के कारण 'थियोडोर रेक्स' उपनाम मिला, और उनके कजिन फ्रैंकलिन रुजवेल्ट को सुप्रीम कोर्ट के विस्तार का प्रस्ताव देने पर 'राजसी' महत्वाकांक्षाओं का आरोप लगा। रिचर्ड निक्सन के राष्ट्रपति पद ने 'इम्पीरियल प्रेसीडेंसी' शब्द को जन्म दिया, और बराक ओबामा को उनके कार्यकारी आदेशों के व्यापक उपयोग के कारण 'धूर्त राजा' कहा

गया। पिछले माह, आठ मिलियन से अधिक अमरीकियों ने 'नो किंग्स रैलीज' में भाग लिया, जो राष्ट्रपति ट्रंप के ऐसे कृत्यों का विरोध कर रहे थे जिन्हें आलोचकों ने तानाशाही पूर्ण बताया। सर्वेक्षणों से भी समान चिंताएं सामने आई हैं। पिछले महीने एक रिपोर्ट, जो लगभग 600 राजनीतिक वैज्ञानिकों के उत्तरों पर आधारित थी, ने संयुक्त राज्य अमरीका को एक उदार लोकतंत्र और एक तानाशाही के बीच स्थित बताया। इसी तरह, स्वीडन के वी. डेम इंस्टीट्यूट ने अमरीकी लोकतंत्र की वैश्विक रैंकिंग में एक तेज गिरावट दर्ज की, जो 179 देशों में 20वें स्थान से गिरकर 51वें स्थान पर पहुंच गई। लेकिन ग्राउंड पर जो घटनाएं हो रही हैं, वे यह संकेत देती हैं कि राष्ट्रपति की अनियंत्रित शक्तियों के बारे में डर कुछ हद तक बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। हाल की कानूनी विफलताएं और राज्य और स्थानीय सरकारों से प्रतिरोध यह दर्शाते हैं कि ट्रंप प्रशासन के पास पूरी तरह से निरंकुश अधिकार नहीं हैं। चुनावी रुझान भी संभावित प्रतिबंधों की ओर इशारा करते हैं, क्योंकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी की हाल की हार से यह संभावना बन रही है कि कांग्रेस में एक और जांच होगी, या फिर ट्रंप के खिलाफ एक और महाभियोग प्रक्रिया चल सकती है, जो कथित शक्ति के दुरुपयोग के कारण हो सकता है। कंजर्वेटिव दृष्टिकोण से सुप्रीम कोर्ट के बावजूद, ट्रम्प प्रशासन को महत्वपूर्ण न्यायिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। जनवरी 2025 के बाद से, इसे 350 से अधिक मुकदमों का सामना करना पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप 25 से अधिक ट्रम्प के राष्ट्रीय आदेशों को रोका गया है।

उबर कप फाइनल्स : भारत को चीन से 0–5 की करारी हार, टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली

डेनमार्क के हार्सेंस में खेले जा रहे उबर कप फाइनल्स में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का अभियान चीन के खिलाफ 0–5 की हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मजबूत स्थिति के बावजूद मैच गंवा दिया, जिससे भारत के लिए वापसी के रास्ते बंद हो गए।

भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान डेनमार्क से 2–3 की हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद यूक्रेन को 4–1 से हराकर उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 16 बार की चैंपियन चीन के खिलाफ टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

सिंधु की हार से टूटा भारत का मनोबल – पहले एकल मुकाबले में पीवी सिंधु ने दुनिया की नंबर–2 खिलाड़ी वांग झी यी के खिलाफ शानदार शुरुआत की। निर्णायक गेम में 18–12 की बढ़त लेने के बावजूद सिंधु मैच को अपने नाम नहीं कर सकीं और 16–21, 21–19, 19–21 से हार गईं। इस हार से चीन ने 1–0 की बढ़त बना ली।

युगल और अन्य एकल मुकाबलों में भी निराशा – पहले युगल मुकाबले में प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी को विश्व नंबर–1 लियू शेंग शू और तान निंग के खिलाफ 11–21, 8–21 से हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद दूसरे एकल में इशारानी बरुआह ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई को कड़ी टक्कर दी, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर चूक के कारण 22–20, 21–13 से हार गईं, जिससे चीन ने 3–0 की अजेय बढ़त बना ली।

दूसरे युगल में ट्रीसा जाली और काविप्रिया सेल्वम ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन लुओ शू मिन और झांग शू शियान की जोड़ी के खिलाफ 10–21, 21–12, 19–21 से हार गईं।

तीसरे एकल में देविका सिहाग ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन लय बरकरार नहीं रख सकीं और शू वेन जिंग के खिलाफ 21–19, 17–21, 10–21 से हार गईं।

थामस कप में पुरुष टीम से उम्मीदें – अब सभी की नजरें भारतीय पुरुष टीम पर होंगी, जो बुधवार को थामस कप में चीन से भिड़ेगी। भारत, जो 2022 का चैंपियन है, ने ग्रुप ए मुकाबले में आस्ट्रेलिया को 5–0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

भारत और चीन दोनों ग्रुप में शीर्ष स्थान पर हैं और बुधवार को होने वाला मुकाबला ग्रुप विजेता का फैसला करेगा।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ की जगह पर मार्करम को कप्तानी दी जाये : वसीम जाफर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स के खराब प्रदर्शन को देखते हुए अब कप्तानी में बदलाव का समय आ गया है। जाफर ने कहा कि वैसे भी कप्तान ऋषभ पंत ब्रेक मांग रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह पर एडेन मार्करम को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंप देनी चाहिये। जाफर के अनुसार लगातार हार के बाद अब सुपर जायंट्स ऐसे मोड़ पर आ गय है जहां एक और हार से वह बाहर हो जाएगी। अभी टीम अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। उसकी हार का कारण रणनीति में कमजोरी भी रही है। ऋषभ वैसी कप्तानी नहीं कर पाये हैं जैसी उनसे अपेक्षा की जाती है। उनकी कप्तानी में टीम लगातार असफल हो रही है। निराशाजनक रही है। इसका कारण हर मैच में योजनाएं बदलती दिखती हैं, खिलाड़ियों के भूमिका में निरंतरता की कमी रही है। दबाव आते ही टीम बिखरने लगती है। टीम डगआउट में भी संशय में नजर आती है। ऐसे में कप्तानी में बदलाव के अलावा कोई चारा नहीं दिखता। जाफर का मानना है कि मार्करम बेहद शांत और रणनीतिक कप्तान के रूप में जाने जाते हैं, ऐसे उन्हें जिम्मेदारी देना ठीक रहेगा। इससे ऋषभ कप्तानी के दबाव से मुक्त होकर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर सकें। जाफर के अनुसार कप्तानी का के बोझ से उनका स्वाभाविक खेल प्रभावित हो रहा है। वह पिछले सत्र में कप्तान के तौर पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 151 रन बना पाये थे। वहीं इस साल भी उनकी बल्लेबाजी असफल रही है। 27 करोड़ रुपये की कीमत वाले खिलाड़ी से काफी अधिक उम्मीदें की जाती है। ऐसे में उन्हें कप्तानी के दबाव से मुक्त करके केवल एक खिलाड़ी के रूप में रखा जाये जिससे वह अपने आक्रामक अंदाज में पूरी क्षमता से खेल सकें। उनकी कप्तानी में रणनीतिक गलती कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में देखने को तब सामने आई जब अंतिम ओवरों में रिंकू सिंह के लिए नये गेंदबाज दिग्वेश राठी को लगाया गया।

अंगुली के स्पिन कौशल को बढ़ा रहे क्रुणाल पांड्या : कार्तिक

नई दिल्ली। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक ने आलराउंडर क्रुणाल पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार वह अंगुली के स्पिन कौशल को आगे बढ़ा रहे है। उसके लिए उन्हें श्रेय मिलना ही चाहिये। इस प्रकार के गेंदबाजी कौशल को उनके जैसे गेंदबाजों के कारण ही पहचान मिल रही है। कार्तिक ने कहा कि बल्लेबाजों के मन में संदेह पैदा करने और लगातार बेहतर परिणाम देने की क्रुणाल की जबरदस्त क्षमता यह साबित करती है कि एक आलराउंडर के तौर पर उनमें कितना सुधार आया है। उन्होंने यह भी कहा कि क्रुणाल का यह प्रभाव दिखाता है कि आईपीएल में किस प्रकार से खेल को नये आयाम मिल रहे हैं और उसमें बदला आ रहा है। क्रुणाल की सराहना करते हुए कार्तिक ने कहा, क्रुणाल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें यह खेल लंबे समय तक याद रखेगा। वह जिस प्रकार से अंगुली के स्पिनरों के लिए बनी तय सीमाओं को लगातार चुनौती दे रहे हैं और ऐसी गेंदें फेंक रहे हैं जिनकी कुछ साल पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी , उसके लिए उनकी तारीफ होनी ही चाहिये।

आईपीएल इतिहास में विराट कोहली का बड़ा रिकार्ड, 9000 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाजी सुपरस्टार विराट कोहली ने सोमवार, 27 अप्रैल को आईपीएल इतिहास में नया

कीर्तिमान स्थापित करते हुए 9000 रन पूरे कर लिए। वह इंडियन प्रीमियर लीग में यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए अपना 275वां आईपीएल मैच खेल रहे कोहली को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 9000 रन पूरे करने के लिए 11 रनों की जरूरत थी। उन्होंने आरसीबी की पारी के छठे ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेकर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। विराट कोहली ने 9000 रन तक पहुंचने के लिए 6732 गेंदों का सामना किया। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में कोहली शीर्ष पर हैं। इस सूची में उनके बाद रोहित शर्मा, शिखर धवन, डेविड वार्नर और केएल राहुल का नाम शामिल है। रोहित शर्मा ने 276 मैचों में 7183 रन बनाए हैं, जबकि शिखर धवन ने 222 मैचों में 6769 रन बनाकर अपना आईपीएल करियर समाप्त किया। कोहली की इस उपलब्धि के बाद क्रिकेट जगत में उनकी जमकर सराहना हो रही है। बल्लेबाजी में निरंतरता और रिकार्ड बनाने की क्षमता ने उन्हें टी20 क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है।

आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का विजय रथ रुका राजस्थान रॉयल्स ने चेज किया 223 का टारगेट

न्यू चंडीगढ़: आईपीएल 2026 में आखिरकार पंजाब किंग्स का विजय रथ थम गया है। अपने 8वें मैच में पंजाब को पहली हार मिली। राजस्थान रॉयल्स ने सीजन के 40वें मुकाबले में पंजाब को 6 विकेट से हराया। अपने घरेलू मैदान महाराजा यादवेन्द्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर टॉस हारने के बाद पहले खेलते हुए पंजाब ने 4 विकेट पर 222 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स ने 4 गेंद रहते 4 विकेट खोकर मैच जीत लिया। पंजाब का यह न्यू चंडीगढ़ में यह आखिरी मुकाबला था। टीम अपने बाकी बचे तीन घरेलू मैच धर्मशाला में खेलेगी। इससे पहले खेले 7 मैचों में पंजाब किंग्स को 6 जीत मिली थी जबकि एक मैच बेनतीजा रहा था। 8 मैचों में 13 पॉइंट के साथ श्रेयस अय्यर की टीम अभी भी टेबल में पहले नंबर पर है। राजस्थान के 9 मैचों में 12 पॉइंट हो गए हैं। टीम टेबल में तीसरे स्थान पर है।

राजस्थान ने अपने पहले चार मैच जीते थे। उसके बाद के 5 मैचों में टीम को दो जीत मिली है। पंजाब किंग्स को प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी ने एक बार फिर अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर महज 17 गेंदों में 37 रन जोड़े। प्रियांश 11 गेंदों में 29 रन बनाने के बाद जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। वहीं, कूपर कोनोली 14 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए। प्रभसिमरन सिंह का शानदार प्रदर्शन इस मुकाबले में भी जारी रहा और उन्होंने 44 गेंदों में 59 रनों की दमदार पारी खेली। प्रभसिमरन ने अपनी इस पारी में 6 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान श्रेयस अय्यर खुलकर नहीं खेल पाए और उन्होंने 27 गेंदों में 30 रनों का योगदान दिया।

अंत के ओवरों में मार्कस स्टोइनिस ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। स्टोइनिस ने 22 गेंदों का सामना करते हुए 62 रनों की आतिशी पारी खेली। उन्होंने आखिरी ओवर में दो छक्के और तीन चौकों की मदद से 24 रन बटोरे। स्टोइनिस ने 281 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 4 चौके और 6 छक्के लगाए। राजस्थान के लिए यश राज पुंजा ने दो विकेट झटके। 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत शानदार रही। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने पहले विकेट के लिए 3.2 ओवर में 51 रन जोड़े। वैभव ने सिर्फ 16 गेंदों पर 3 चौके और 5 छक्कों की मदद से 43 रन बनाए। ध्रुव जुरेल बल्ले से 16 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी जायसवाल ने इस सीजन का अपना चौथा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 27 गेंदों में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए। कप्तान रियान पराग अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 16 गेंदों में 29 रन बनाने के बाद युजवेंद्र चहल का शिकार बने।बाद शुभम दुबे और डोनोवन फेरेरा ने मोर्चा संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 31 गेंदों में 71 रनों की अटूट साझेदारी निभाई।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद व बल्ले का संतुलन

मुम्बई

आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांच मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरोसा बना हुआ है।

एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग अब बल्लेबाजों का स्वर्ग बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम है जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने। यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। यह इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके–छक्के खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है।

इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं है। जसपीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड, अर्शदीप सिंह या जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके–छक्के पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों। अठारह गेंदों में अर्धशतक बनाना अब आम बात हो गयी है।

वहीं लीग की सफलता का आधार हमेशा बल्ले और गेंद के बीच संतलुन बना रहना माना जाता है। ऐसे में अब किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मामले को देखते हुए इसका हल निकालने पर गंभीरत से विचार करना होगा। ये देखना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन बना रहे अभी सभी नियम बल्लेबाजों के पक्ष में जा रहे हैं। पावरप्ले को लेकर भी फैसला लेना होगा। इसमें अभी सबसे अधिक रन बन रहे हैं।

अश्विन बोले, मेरे माता - पिता भी हैं वैभव के प्रशंसक

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन ने खुलासा किया है कि उनके माता–पिता भी राजस्थान रौयल्स के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक हैं। 15 साल की उम्र में ही वैभव को अपने खेल से क्रिकेट जगत में एक बड़ी पहचान मिल गयी है। आईपीएल में जिस प्रकार से वह आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं, उससे उनके प्रशंसकों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। अश्विन ने कहा कि उनके माता–पिता वैभव को खेलते देखने के लिए इंतजार भी करते हैं। अश्विन ने कहा कि वैभव की बल्लेबाजी देखने को लेकर उनका पूरा परिवार उत्साहित रहता है। सभी लोग केवल वैभव की बल्लेबाजी देखने के लिए राजस्थान रौयल्स के मैच एक साथ बैठकर देखते हैं अश्विन ने कहा,‟ मैं राजस्थान का हर मुकाबला अपनी मां और पापा के साथ देखता हूं. वे इस बल्लेबाज के प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि मैंने कभी अपने पापा को किसी और खिलाड़ी के लिए इतना प्रभावित होते नहीं देखा, जितना वह वैभव के लिए होते हैं। हर शौट पर वह बहुत उत्साहित हो जाते हैं। वहीं मेरी मां भी इसका खेलने का अंदाज देखकर खुश होती हैं।

आईपीएल 2026 : भुवनेश्वर बने पर्पल कैप के नए लीडर कोहली आरेंज कैप रेस में चौथे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली

दिल्ली में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को महज 75 रनों पर समेटते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। इस मैच के बाद पर्पल कैप और आरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

भुवनेश्वर ने संभाली पर्पल कैप की कमान

आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में सिर्फ 5 रन देकर 3 विकेट झटके। खास बात यह रही कि उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए। इस प्रदर्शन के दम पर भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की रेस में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उनके कुल 14 विकेट हैं और 16.85 का औसत उन्हें

अंशुल कंबोज (16.92) और ईशान मलिंगा (18.21) से आगे ले जाता है।

वहीं, आरसीबी के आलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने एक विकेट लेकर टाप–10 में एंट्री कर ली है। उनके अब 9 विकेट हैं, जो कार्तिक त्यागी, जेमी ओवरटन और वैभव अरोड़ा के बराबर हैं, लेकिन बेहतर औसत (26.55) के कारण वह उनसे आगे हैं।

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने भी घातक गेंदबाजी करते हुए 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने पावरप्ले में तीन विकेट लेकर दिल्ली को 13/6 के रिकार्ड न्यूनतम स्कोर पर पहुंचा दिया। अब उनके कुल 8 विकेट हो गए हैं और वह विकेट लेने वालों की सूची में 14वें स्थान पर हैं।

आरेंज कैप रेस में कोहली की छलांग

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस मैच में नाबाद 23 रन बनाए और इसी के साथ आईपीएल में अपने 9000 रन पूरे कर लिए। इस पारी के बाद कोहली आरेंज कैप की रेस में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके अब 351 रन हैं और उनका औसत 58.50 का है।

कोहली से आगे वैभव सूर्यवंशी हैं, जिनके 357 रन हैं, जबकि केएल राहुल 358 रन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। राहुल ने इस मैच में 1 रन बनाया, लेकिन इतना भी उन्हें एक स्थान ऊपर ले जाने के लिए काफी रहा। आरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा बने हुए हैं, जिनके नाम 380 रन हैं और उनका औसत 54.28 का है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट को मिला नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पूर्व तेज गेंदबाज ज्योफ अलाट संभालेंगे जिम्मेदारी

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज ज्योफ अलाट को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पिछले वर्ष स्काट वीनिंक के इस्तीफे के बाद की गई है।

54 वर्षीय अलाट ने 1996 से 2000 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 10 टेस्ट और 31 एकदिवसीय मैच खेले। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन 1999 के एकदिवसीय विश्व कप में रहा, जहां उन्होंने 9 मैचों में 20 विकेट लेकर प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने का रिकार्ड बनाया। उन्होंने यह उपलब्धि आस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज शेन वार्न के साथ हासिल की, हालांकि अलाट ने एक मैच कम खेला था।

खेल करियर समाप्त होने के बाद अलाट ने क्रिकेट प्रशासन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह 2002 में न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के संस्थापक सदस्य रहे। इसके बाद 2008 से 2010 तक उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट में क्रिकेट महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने कैंटरबरी क्रिकेट के बोर्ड में तीन वर्षों तक सेवा दी और 2013 से 2021 तक न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड में निदेशक के रूप में आठ वर्षों का कार्यकाल पूरा किया।

उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2022 में उन्हें आजीवन सदस्यता से सम्मानित किया गया।

चुनौतीपूर्ण दौर में मिली जिम्मेदारी

अलाट को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में सौंपी गई है जब न्यूजीलैंड क्रिकेट आंतरिक मतभेदों के दौर से गुजर रहा है। पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्काट वीनिंक ने खेल की दीर्घकालिक दिशा को लेकर प्रांतीय संघों और खिलाड़ी संघ के साथ मतभेदों के कारण पद छोड़ा था। विवाद का प्रमुख कारण वर्ष 2027 तक सुपर स्मैश प्रतियोगिता की जगह निजी स्वामित्व वाली एनजेड20 लीग शुरू करने का प्रस्ताव था।

अलाट ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा कि वह संगठन के सभी पक्षों—बोर्ड, खिलाड़ियों, कर्मचारियों, सदस्य संघों और व्यावसायिक साझेदारों—के साथ मिलकर काम करने और मजबूत संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका लक्ष्य न्यूजीलैंड क्रिकेट को हर स्तर पर प्रतिस्पर्धी, टिकाऊ और सफल बनाना है।

वहीं, न्यूजीलैंड क्रिकेट की अध्यक्ष डायना पुकटापू–लिंडन ने अलाट को इस पद के लिए सर्वाधिक योग्य बताते हुए कहा कि उनका खेल अनुभव, संस्थागत समझ और व्यावसायिक नेतृत्व संगठन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ज्योफ अलाट एक जुलाई से अपने नए पद का कार्यभार संभालेंगे।

सुजलॉन एनर्जी के शेयर में 52-वीक लो से 41फीसदी उछल, बेहतरीन मासिक प्रदर्शन

ब्रोकरेज ने निवेशकों को दी खरीदने की सलाह, टारगेट प्राइस 74 रुपए रखा

नई दिल्ली

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की दिग्गज कंपनी सुजलान एनर्जी के शेयरों ने एक बार फिर दलाल स्ट्रीट पर हलचल मचा दी है। सुजलान एनर्जी के शेयरों ने मार्च में 38.17 रुपए का 52 हफ्ते का निचला स्तर छुआ था, लेकिन अब यह स्टाक अपने 52-वीक लो से करीब 41फीसदी उछल चुका है। पिछले एक महीने में ही इस एनर्जी शेयर ने 31फीसदी की शानदार छलांग लगाई है, जो पिछले दो सालों में इसका बेहतरीन मासिक प्रदर्शन है।

हालांकि, शेयर अपने 74.30 फीसदी के उच्च स्तर से अभी भी करीब 27फीसदी नीचे ट्रेड कर रहा है। पिछले पांच सालों में इस शेयर ने 1100फीसदी रिटर्न दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों से इस स्टाक में खरीदारी का जोरदार उत्साह देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि कंपनी जिस तरह से अपने पुराने कंसोलिडेशन जोन से बाहर निकली है, वह आने वाले समय में एक बड़ी रैली का संकेत है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक स्टाक लंबे कंसोलिडेशन के बाद बाहर निकला है। उनका कहना है कि सुजलान शेयर 80 रुपए तक जा सकता है। उन्होंने निवेशकों को 40 रुपए का स्टाप लास रखने की भी सलाह दी है।

ब्रोकरेज हाउस जेएफ फाइनेंशियल्स सुजलान एनर्जी शेयर को बाय रेटिंग देते हुए इसका टारगेट प्राइस 64 रुपए तय किया है।

ब्रोकरेज का अनुमान है कि कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 51फीसदी की दर से बढ़ सकता है। सेंट्रम ब्रोकिंग ने भी इसे खरीदने की सलाह दी है और इसका टारगेट प्राइस 74 रुपए रखा है। ब्रोकरेज काक कहना है कि रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में बढ़ते मौके और कंपनी का बेहतर वैल्यूएशन इसे लंबी अवधि के लिए आकर्षक बनाता है।

सुजलान की तेजी के पीछे केवल चार्ट ही नहीं, बल्कि कंपनी का सुधरता बिजनेस माडल भी है। ब्रोकरेज रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2026 की चौथी तिमाही तक सुजलान की डिलीवरी 874 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 573 मेगावाट के मुकाबले काफी ज्यादा है। मुख्य रूप से विंड टर्बाइन बनाने वाली यह कंपनी अब सोलर एनर्जी साल्यूशंस और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में भी अपनी पैठ बढ़ा रही है।

न्यूज ब्रीफ

क्या है कारों के बेहतर माइलेज और परफार्मेंस का रहस्य

नई दिल्ली। भारत में बढ़ती पेट्रोल-डीजल की कीमतें और ड्राइविंग की अलग-अलग ज़रूरतें कार खरीदने के फैसले को जटिल बना देती हैं। ज्यादातर ग्राहक कार के बेहतर माइलेज और परफार्मेंस को प्राथमिकता देते हैं। नए इंजन को पारंपरिक, सरल और भरोसेमंद माना जाता है, जबकि टर्बो इंजन छोटे आकार के बावजूद अधिक पावर और परफार्मेंस का वादा करता है। दोनों के अपने फायदे और नुकसान हैं, और यह समझना महत्वपूर्ण है कि कौन सा इंजन आपकी रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए सबसे उपयुक्त रहेगा। एनए इंजन में हवा प्राकृतिक रूप से इनटेक मैनिफोल्ड के ज़रिए अंदर आती है, बिना किसी अतिरिक्त पंप या टरबाइन के। इससे इंजन का रिस्पान्स तुरंत मिलता है और यह हर मौसम में आसानी से स्टार्ट होता है। मारुति स्विफ्ट या हुंडई ग्रैंड आई10 के 1.2 लीटर एनए पेट्रोल इंजन शहर की रफ्तार के लिए बेहद सहज माने जाते हैं। दूसरी ओर, टर्बोचार्ज्ड इंजन एग्जास्ट गैसों से चलने वाली टरबाइन का उपयोग करता है, जो कंप्रेसर को घुमाकर इंजन में अधिक हवा और ईंधन धकेलता है। इससे 1.0 या 1.2 लीटर का छोटा इंजन भी 100-120 बीएचपी की पावर और भरपूर टार्क जनरेट कर सकता है, जो टाटा नेक्सन, किआ सोनेट या महिंद्रा एक्सयूवी300 जैसे वाहनों को हाईवे पर शानदार ओवरटेकिंग क्षमता देता है। रखरखाव और लागत के मामले में, एनए इंजन सस्ता और सरल होता है, जबकि टर्बो में टर्बोचार्जर और इंटरकूलर जैसे अतिरिक्त पुर्जे होने के कारण सर्विसिंग महंगी पड़ती है। यदि आपकी ड्राइविंग मुख्य रूप से शहर में और कम है, तो एनए इंजन बेहतर माइलेज और कम खर्च वाला विकल्प हो सकता है, लेकिन लंबी यात्राओं और अधिक पावर के लिए टर्बो इंजन एक बेहतर और अधिक मजेदार अनुभव प्रदान करेगा। हालांकि, इसमें टर्बो लैग की समस्या हो सकती है, जहाँ कम आरपीएम पर पावर अचानक आती है, जिससे शहर के ट्रैफिक में थोड़ी असुविधा हो सकती है।

मारुति अर्टिगा 7-सीटर सेगमेंट में पहले नंबर पर

नई दिल्ली। पिछले वित्तीय वर्ष (एफवाई 2025-26) के बिक्री आंकड़ों में मारुति अर्टिगा ने 7-सीटर सेगमेंट में पहले नंबर पर अपना दबदबा बनाए रखा है। इस अवधि में कुल 9,34,365 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। भारतीय आटो बाजार में 7-सीटर कारों की मांग लगातार बढ़ रही है, और बड़ी फैमिली के बीच ये गाड़ियां खासी पसंद की जाती हैं। जहां महिंद्रा स्कार्पियो और टोयोटा इनोवा जैसी कारों की बिक्री में वृद्धि हुई, वहीं एक्सयूवी 700 और सफारी की मांग में थोड़ी गिरावट देखी गई है। मारुति अर्टिगा को एफवाई 2025-26 में कुल 1,98,876 नए ग्राहक मिले, जो सालाना स्तर पर 4.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 8.80 लाख रुपये से शुरू होकर 12.94 लाख रुपये तक जाती है। आकर्षक और आधुनिक लुक के साथ, इसमें बोल्ड ग्रिल और एलईडी टेललैंप्स मिलते हैं, जो इसे फैमिली यूज के लिए परफेक्ट बनाते हैं।

प्रसिद्ध रेनो ट्राइबर जल्द आ रही नए अवतार में

नई दिल्ली। लोकप्रिय कार रेनो ट्राइबर जल्द ही एक नए अवतार में आने वाली है। इस लोकप्रिय माडल को

कंपनी पहले से ज्यादा ताकत, बेहतर तकनीक और कम खर्च में चलने की सुविधा के साथ पेश करने की तैयारी कर रही है। आने वाले समय में यह गाड़ी न केवल अधिक शक्तिशाली होगी, बल्कि इसमें उन्नत गैस आधारित ईंधन (सीएनजी) का विकल्प भी मिलेगा, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को प्रदर्शन और बचत दोनों में संतुलन प्रदान करना है। वर्तमान में ट्राइबर में एक लीटर क्षमता वाला साधारण पेट्रोल इंजन मिलता है, जिसे लेकर कई उपयोगकर्ताओं ने ताकत की कमी महसूस की है। इस कमी को दूर करने के लिए कंपनी अब इसमें नया टर्बो युक्त पेट्रोल इंजन देने की तैयारी कर रही है। यह नया इंजन लगभग 99 अश्वशक्ति की ताकत और 160 न्यूटन मीटर का घुमाव बल देने में सक्षम हो सकता है, जिससे तेज रफ्तार पर ड्राइविंग और ओवरटेकिंग आसान हो जाएगी। इसके साथ हाथ से चलने वाला और स्वचालित गियर बदलने वाला विकल्प मिलने की संभावना है। ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच, कंपनी इस गाड़ी में कारखाने से ही गैस किट लगाने की योजना बना रही है। सबसे खास बात यह होगी कि इसमें दो गैस सिलेंडर का संयोजन दिया जा सकता है, जो गाड़ी के नीचे की ओर फिट होगा।

13 करोड़ के पार पहुंची एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या, 40 प्रतिशत इन्वेस्टर 30 साल से कम उम्र के

एनएसई के हर चार इन्वेस्टर में से एक महिला

नई दिल्ली

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या के मामले में नया मुकाम हासिल कर लिया है। एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 13 करोड़ के पार पहुंच गई है। एनएसई ने सोमवार यानी 27 अप्रैल के कारोबारी सत्र के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इसके पहले सितंबर 2025 में एनएसई पर रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 12 करोड़ के स्तर पर पहुंची थी। इस तरह सिर्फ सात महीने की अवधि में ही नेशनल स्टाक एक्सचेंज से एक करोड़ नए रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स जुड़ गए।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एनएसई से जुड़े रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स में महिलाओं की संख्या में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। एनएसई के हर चार रजिस्टर्ड इन्वेस्टर में एक महिला है। इसी तरह नेशनल स्टाक एक्सचेंज के इन्वेस्टर्स की औसत आयु भी अब घट कर 33 साल हो गई है। इसके पहले साल 2021 में एनएसई के निवेशकों की औसत आयु 36 साल थी। स्टाक एक्सचेंज के रिकार्ड के मुताबिक इसके निवेशकों में लगभग 40 प्रतिशत संख्या 30 साल से कम उम्र के निवेशकों की है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ सालों में स्टाक मार्केट के इन्वेस्टर्स की संख्या में बढ़ोतरी की रफ्तार काफी तेज हो गई है। नेशनल स्टाक एक्सचेंज के इन्वेस्टर्स की संख्या एक करोड़ के स्तर तक पहुंचने में 14 साल की अवधि लगी थी। इसके बाद इन्वेस्टर्स की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी। एक करोड़ इन्वेस्टर की संख्या पूरी करने के बाद अगले 11 साल में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या चार करोड़ तक पहुंच गई। इसके बाद पिछले कुछ साल से स्टाक एक्सचेंज से औसतन छह से आठ महीने की अवधि में ही एक करोड़ नए इन्वेस्टर जुड़ रहे हैं।

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26 तक की पांच साल की अवधि में रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 26.4 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी। इससे पहले के पांच साल की अवधि के दौरान ये दर 15.2 प्रतिशत थी। इसी अवधि के में नेशनल स्टाक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 18 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ कर 460.6 लाख करोड़ रुपये हो गया। नेशनल स्टाक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार देश के ज्यादातर हिस्सों के लोग रजिस्टर्ड इन्वेस्टर के रूप में एनएसई से जुड़ चुके हैं। फिलहाल देश के 99.85 प्रतिशत पिन कोड (पोस्टल एरिया) में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर मौजूद हैं। मतलब देश के हर जिले में तो में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स हैं ही, देश के ज्यादातर प्रखंडों तक एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स पहुंच गए हैं। अगर एनएसई के संख्यात्मक तौर पर राज्यवार सबसे अधिक इन्वेस्टर की बात करें, तो महाराष्ट्र लगभग दो करोड़ रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स के साथ देश में सबसे अधिक इन्वेस्टर वाला राज्य है। रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर हैं, जहां रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या लगभग 1.5 करोड़ है। वहीं गुजरात लगभग 1.1 करोड़ रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

महिंद्रा एक्सयूवी 400 पर मिल रही 4 लाख तक की भारी छूट

नई दिल्ली

स्वदेशी कार निर्माता कंपनी महिंद्रा अपने ईवी पोर्टफोलियो को मजबूत कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की अच्छी शुरुआत के लिए महिंद्रा ने अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी, महिंद्रा एक्सयूवी 400 पर 4 लाख रुपये तक की भारी छूट की घोषणा की है। यह एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार अप्रैल 2026 में खरीदने पर इस शानदार आफर का लाभ देगी। यह आफर वित्त वर्ष और इन्वेंटरी क्लीयरेंस के चलते सीमित समय के लिए उपलब्ध है, इसलिए इच्छुक ग्राहक नजदीकी डीलरशिप पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

एक्सयूवी 400 ईएल प्रो का डिज़ाइन बोल्ड और आधुनिक है, जो एक्सयूवी300 का एक बड़ा इलेक्ट्रिक अवतार है। 4200 एमएम की लंबाई और 1821 एमएम की चौड़ाई के साथ, यह काम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराती है। इसके केबिन को काफी अपडेट किया गया है, जिसमें 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25 इंच का डिजिटल क्लस्टर मिलता है। आरामदायक यात्रा के लिए इसमें लेदर सीट, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जर और सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। एक्सयूवी 400 ईएल प्रो दो बैटरी विकल्पों (34.5 किलोवाट और 39.4 किलोवाट) के साथ आती है, जो क्रमश: 375 किमी और 456 किमी तक की एआरएआई रेंज प्रदान करती हैं। इसका 147.5 बीएचपी का मोटर स्मूथ और रिस्पान्सिव परफार्मेंस देता है। सुरक्षा के मोर्चे पर, इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), सभी डिस्क ब्रेक्स और एबीएस के साथ ईबीडी जैसे उन्नत फीचर्स शामिल हैं, जो इसे टाटा नेक्सन ईवी जैसी प्रतिस्पर्धी कारों के बराबर ला खड़ा करते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दीदी-मोदी ...

बल्कि चुनाव के बाद के विमर्श को भी बदल सकता है।

इस व्यापक मुकाबले के बीच भवानीपुर सीट प्रतिष्ठा का केंद्र बनी हुई है। इसे नंदीग्राम की तरह ही देखा जा रहा है, जहां 2021 में शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हराया था। अब पांच साल बाद यह सियासी जंग टीएमसी प्रमुख के गढ़ तक पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस के लिए भवानीपुर सीट बचाए रखना बनर्जी की राजनीतिक पकड़ को बनाए रखने और प्रतिष्ठा का सवाल है। वहीं, भाजपा के लिए इस किले को ढहाने का मतलब बंगाल की सबसे शक्तिशाली नेता के 'अजेय' होने के मिथक को तोड़ना होगा। कोलकाता नगर निगम के आठ वार्डों में फैली भवानीपुर सीट को अक्सर 'मिनी इंडिया' कहा जाता है, जहां बंगाली, गुजराती, मारवाड़ी, जैन, सिख, मुस्लिम और बिहार-झारखंड से आए प्रवासी समुदायों की विविध आबादी रहती है।

दूसरे चरण के चुनाव की खास बातें

बंगाल में आज जिन 142 सीटों पर वोटिंग होनी है उनमें कुल 3 करोड़ 21 लाख 7 हजार 837 वोटर्स हैं। इनमें 1.64 करोड़ पुरुष, 1.57 करोड़ महिला और 792 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदाताओं में 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के 3,243 वोटर हैं, जबकि 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 1.96 लाख है। इसके अलावा 146 एनआरआई वोटर और 39,961 सर्विस वोटर भी इस चरण में मतदान करेंगे।

इस चरण में कुल 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1,228 पुरुष और 220 महिला उम्मीदवार शामिल हैं। 142 सीटों में से 107 सामान्य श्रेणी की हैं, जबकि 34 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) और एक सीट अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित है। दक्षिण 24 परगना जिले की भांगर सीट पर सबसे ज्यादा 15 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जबकि हुगली जिले की एक सीट पर सबसे कम पांच उम्मीदवार हैं।

कोलकाता के अलावा जिन जिलों में मतदान होगा उनमें नदिया, पूर्व बर्धमान, हुगली, दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और हावड़ा शामिल हैं। कुल 41,001 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 39,301 मुख्य और 1,700 सहायक मतदान केंद्र हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। मतदान शांतिपूर्ण कराने के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। केंद्रीय बलों की 2,407 कंपनियां तैनात की गई हैं। इनके अलावा पश्चिम बंगाल पुलिस और कोलकाता पुलिस के जवान भी सुरक्षा में लगाए जाएंगे।

यूएई ने ...

लेकिन उत्पादन कोटा को लेकर सऊदी अरब के साथ तनाव कई वर्षों से बढ़ रहा था। ओपेक प्लस (ओपेक +) समझौते के तहत यूएई को लगभग 30 लाख बैरल प्रतिदिन उत्पादन सीमा में रखा गया था, जबकि उसकी क्षमता 40 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक है। एडनॉक 2027 तक उत्पादन क्षमता 50 लाख बैरल प्रतिदिन तक ले जाना चाहती है और यह लक्ष्य ऐसे कोटा सिस्टम के साथ मेल नहीं खाता, जो बाजार को किसी और नजरिए से तय करता हो।

15 के...

दहेगाम नगरपालिका के आम चुनाव के नतीजे सभी का ध्यान खींच रहे हैं। खासकर वार्ड नंबर 5 में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ऋषि दीपककुमार अमीन ने शानदार जीत हासिल करके नया इतिहास रच दिया है। महज 23 साल की कम उम्र में नगरपालिका चुनाव जीतकर वे दहेगाम के सबसे युवा जन प्रतिनिधि बन गए हैं।

राज्य चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, नगर निगमों के लिए 55.1 फीसदी, नगर पालिकाओं के लिए 65.53 फीसदी, जिला पंचायतों के लिए 66.64 फीसदी और तालुका पंचायतों के लिए 67.26 फीसदी मतदान हुआ। नगर निगमों में, कच्छ जिले के नवगठित गांधीधाम में सबसे कम 46.03 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। वहीं, वलसाड जिले के वापी में सबसे अधिक 72.29 फीसदी मतदान हुआ। अहमदाबाद नगर निगम में 51.81 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

निकाय चुनाव की प्रमुख बातें

नवसारी, गांधीधाम, मोरबी, वापी, आनंद, नडियाद, मेहसाणा, पोरबंदर और सुरेंद्रनगर सहित नौ नवगठित नगर निगमों में पहली बार मतदान हुआ। चुनाव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण के संशोधित मानदंडों के तहत हुए, जिसके लिए कई जिलों में व्यापक परिसीमन और वार्ड पुनर्गठन की आवश्यकता थी। इन चुनावों में भाजपा, कांग्रेस और आप मुख्य दावेदार थे, जबकि एआईएमआईएम ने भी कई क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे थे।

प्रमुख पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला

इन चुनावों में भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसी बड़ी राजनीतिक पार्टियों के साथ-साथ निर्दलीय और छोटी पार्टियों ने भी हिस्सा लिया। वोटिंग हजारों मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के जरिए कराई गई थी।

100% मुस्लिम...

जिसे वे स्थानीय शासन के लिए सबसे सटीक मानते थे।इस नतीजे को गोधरा के राजनीतिक इतिहास में एक मील का पत्थर माना जा रहा है, जो सांप्रदायिक भाईचारे और सामाजिक एकता का एक दुर्लभ उदाहरण है। पूरी तरह से मुस्लिम आबादी वाले वार्ड में भारी बहुमत से एक हिंदू महिला को चुनकर, गोधरा के मतदाताओं ने एक ऐसा जनादेश दिया है जो सांप्रदायिक बंटवारों के बजाय व्यक्तिगत योग्यता और स्थानीय भरोसे को तवज्जो देता है।

गोधरा मॉडल बना नया राजनीतिक संकेत

जानकारों का मानना है कि मतदान का यह 'गोधरा मॉडल' इस बात का संकेत हो सकता है कि भविष्य में ग्रामीण और अर्ध-शहरी गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों को किस नजर से देखेगा।

पेट्रोल...

कारण पेट्रोल-डीजल प्राइस में 25-28 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। जिन्हें सरकारी अधिकारियों ने खारिज किया है।

सरकार बोली- न करें पैनिक बायिंग

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मिनिस्ट्री में ज्वाइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने भी वेस्ट एशिया में हुए घटनाक्रमों पर एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है। वह इस सवाल का जवाब दे रही थीं कि क्या बुधवार को पश्चिम बंगाल में वोटिंग खत्म होने के बाद रिटेल फ्यूल की कीमतें बढ़ाई जाएंगी? उन्होंने आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के कुछ हिस्सों में पैनिक बाइंग शुरू होने की खबरों के बीच इस तरह की अटकलों को सिरे से खारिज किया।

हालांकि, सुजाता शर्मा ने कहा कि हमने कुछ जगहों पर पेट्रोल पंपों पर पैनिक बाइंग देखी है। हम इन सभी जगहों पर राज्य सरकारों के साथ लगातार संपर्क में बने हुए हैं। सभी रिटेल आउटलेट्स पर नजर रखी जा रही है और सप्लाई को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि स्टॉक की उपलब्धता बनी रहे और स्टॉक खत्म न हो।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आंध्र प्रदेश में फ्यूल प्राइस बढ़ने की अफवाहों के चलते कई शहरों में पैनिक बाइंग की खबरें आईं, जिससे पेट्रोल-डीजल की कमी हो गई, और रविवार को 400 से ज्यादा पेट्रोल पंप खाली हो गए। पेट्रोलियम मिनिस्ट्री का कहना है कि कुछ पेट्रोल पंपों पर डिमांड में 30-33 फीसदी तक उछाल देखने को मिला।

लोगों से की गई अपील, 4 साल से स्थिर हैं दाम

सुजाता शर्मा ने लोगों से इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील करते हुए कहा है कि, हमारे पास रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की काफी सप्लाई है। पेट्रोल-डीज़ल के दाम स्थिर हैं और इनमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। ऐसे में किसी भी घबराहट में खरीदारी करने से बचें और जानकारी के लिए सिर्फ ऑफिशियल सोर्स पर भरोसा करें।

दुनिया भर में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अप्रैल 2022 के बाद से करीब 4 साल से स्थिर हैं। पिछले साल क्रूड की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल थी, जो इस महीने 114 डॉलर को पार कर गई थी। इसके बाद भी दिल्ली में अभी पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर है और डीजल की कीमत 87.67 रुपये है।

मर मुरा...

इसी साल मार्च के महीने में मसूद अजहर ने जैश के आतंकियों के लिए एक ऑडियो जारी किया था। इस ऑडियो में मसूद अजहर लगातार खांसता हुआ सुनाई आ रहा था। इतना ही नहीं ऑडियो के आखिरी हिस्से में मसूद अजहर ने आतंकियों से अपने लिए दुआ मांगने के लिए भी कहा था। ऑडियो के इस हिस्से ने भारतीय एजेंसियों के उस दावे की पुष्टि कर दी थी कि मसूद अजहर मौत के करीब है।

धरती पर जन्मे किसी भी इंसान के लिए इससे ज्यादा बदकिस्मती क्या होगी कि मौत उसका इंतजार कर रही है और उसकी कोई खैर-खबर दुनिया के सामने नहीं आ सकती, जो मसूद जिंदा होकर भी अपनों को अंतिम विदाई देने नहीं जा पाया। उससे ज्यादा बदकिस्मत कौन होगा। आज मसूद की हालत देखकर एक शायर का कलाम याद आ जाता है।

जो हाथ दुआओं में सबसे बुलंद था, आज अपनों की मदद से भी कासिर रहा। यही मसूद का कड़वा सच है। खुद को आतंकियों का सरगना मानने वाला मसूद अजहर इतना मजबूर है कि जब ऑपरेशन सिंदूर में उसके नाती-नातिन मारे गए, तब भी वो अपने बिल में ही छिपा रहा।

मौत मांगने को मजबूर मसूद

पाकिस्तान में मसूद अजहर की आतंकी सल्तनत जिस रफ्तार से फैली। उतनी ही तेजी के साथ मसूद अजहर का शरीर भी जवाब देने लगा। पाकिस्तानी सरकार और सिस्टम ने तो मसूद को लेकर अपनी जुबान सिल रखी है।लेकिन भारतीय इंटेलिजेंस एजेंसियों के आकलन बताते हैं कि सालों से मसूद एक ऐसी जिंदगी जी रहा है जिसे देखकर शायद इंसान अपने लिए मौत मांगने को ही मजबूर हो जाए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 29 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बिहार अग्रवाल संघ द्वारा निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित

झारखंड से आए विशेषज्ञ डॉ. जयप्रकाश मोदी ने 40 रोगियों का किया उपचार

स्वास्थ्य सेवा के साथ सामाजिक सरोकार, संघ की सराहनीय पहल

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार अग्रवाल संघ के तत्वावधान में सिकंदराबाद स्थित अशोका भोपाल चैंबर में संघ के अध्यक्ष श्री विकास केशान के कार्यालय पर निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी संघ के मानद मंत्री श्री भीम फिटकरीवाला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

इस अवसर पर झारखंड से विशेष रूप से आमंत्रित होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. जयप्रकाश मोदी द्वारा रोगियों की जांच एवं उपचार किया गया। डॉ. मोदी जटिल से जटिल बीमारियों के उपचार के लिए देशभर में प्रसिद्ध हैं। उनके आगमन पर संघ के अध्यक्ष श्री विकास केशान ने शॉल ओढ़ाकर तथा मानद मंत्री श्री भीम फिटकरीवाला ने बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। डॉ. जयप्रकाश मोदी ने अपने संबोधन में होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जटिल रोगों का भी प्रभावी उपचार संभव है।

उन्होंने एक ही डोज से रोग निवारण के अपने अनुभव साझा किए और उपस्थित सदस्यों एवं मरीजों को जागरूक किया।

बिहार अग्रवाल संघ का उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देना है। इसी कड़ी में आयोजित इस चिकित्सा शिविर का लाभ बड़ी संख्या में सदस्यों एवं मरीजों ने उठाया। अग्रवाल समाज तेलंगाना के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री मेघराज अग्रवाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और डॉ. मोदी के अनुभवों की सराहना की।

संघ की मेडिकल कमेटी के संयोजक एडवोकेट श्री सुरेश अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन में कमेटी सदस्य श्री वासुदेव खेतान की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में डॉ. जयप्रकाश मोदी द्वारा लगभग 40 रोगियों का उपचार किया गया।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष श्री विकास केशान, मानद मंत्री श्री भीम फिटकरीवाला, उपाध्यक्ष श्री संतोष टाटिया, कार्यकारिणी सदस्य श्री बांके बिहारी, श्री सज्जन सर्राफ, श्री विकास सराफ, एडवोकेट श्री सुरेश अग्रवाल, सलाहकार श्री रमेश गोयल, श्री विनय जैन, श्री हरिमोहन सराफ सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

शिविर में आनंद अग्रवाल, अंजना फिटकरीवाला, हरिमोहन सराफ, सुरेश अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, राजकुमार बियानी, विजयलक्ष्मी, दीपा सराफ, सज्जन सर्राफ, अजय कुमार अग्रवाल, विकास सराफ, सरिता जैन, अशोक झुनझुनवाला, सुधा झुनझुनवाला, गायत्री देवी, पूजा, शिव कुमार झुनझुनवाला, मीरा देवी झुनझुनवाला, सिद्धी फिटकरीवाला, संतोष, जूली अग्रवाल, भीम फिटकरीवाला सहित अन्य रोगियों ने उपचार प्राप्त किया।

एनएफडीबी हैदराबाद में ही रहेगा, राजीव रंजन ने दिलाया भरोसा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मंगलवार को राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) को कहीं और ले जाने की खबरों को खारिज करते हुए बोर्ड के हैदराबाद के राजेंद्र नगर से ही काम करने का भरोसा दिलाया।

श्री सिंह ने राजेंद्र नगर स्थित एनएफडीबी कार्यालय में तेलंगाना के मंत्री वकिति श्रीहरि और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में कहा कि एनएफडीबी को हैदराबाद से कहीं और ले जाने की कोई योजना नहीं है। श्रीहरि ने इस स्पष्टीकरण का स्वागत करते हुए कहा कि इससे संबंधित पक्षों की चिंताएं दूर होंगी।

स्पंदन टीमों का शुभारंभ :

पीस कमेटियों को ड्रग्स के खतरे से निपटने के लिए सक्रिय रूप से शामिल करने पर जोर

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) की नीति अपनाएगी। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा चाहे वह कोई सेलिब्रिटी हो, राजनेता हो या उच्च पदस्थ अधिकारी। एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र में स्पंदन टीमों के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने बढ़ते नशीली दवाओं के खतरे को महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाले अत्याचारों से जोड़ा।

शहर में बढ़ते नशे के जाल को तोड़ने के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पुलिस विभाग को एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि शहर की पुरानी और अनुभवी शांति समितियों (पीस कमेटियों) को अब ड्रग्स के खतरे से निपटने के लिए सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि इन समितियों ने पूर्व में सांप्रदायिक संघर्षों को रोकने और शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने शांति समितियों के सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपना दायरा केवल सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने तक ही सीमित न रखें। उन्होंने कहा, जिस तरह आपने शहर को दंगों से बचाया, उसी तरह अब आपको अपनी ऊर्जा और प्रभाव का उपयोग नशा विरोधी अभियानों में करना चाहिए। मुख्यमंत्री का मानना है कि नशीली दवाओं का मुद्दा अब एक बड़ी सामाजिक चुनौती बन चुका है, जिसके लिए स्थानीय प्रभावशाली लोगों और सामुदायिक नेतृत्व की भागीदारी अनिवार्य है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे। सदस्यों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सुझाव का गर्मजोशी से स्वागत किया और इस अभियान में सरकार का साथ देने का पूर्ण आश्वासन दिया। उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक रूप से समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि वे युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए स्थानीय स्तर पर जागरूकता पैदा करने और पुलिस के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। सरकार के इस कदम को नागरिक समाज और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावी कदम माना जा रहा है।

श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति, अत्तापुर द्वारा भव्य भजन संध्या का सफल आयोजन

एकादशी एवं पावन ज्योत के अवसर पर 100वीं विशाल भजन संध्या में उमड़ी श्रद्धा

प्रसिद्ध भजन गायकों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को किया भाव-विभोर

हैदराबाद, (शुभ लाभ ब्यूरो)। कृष्णा अफिनिटी, तेजस्वी नगर कॉलोनी, अत्तापुर स्थित श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति के तत्वावधान में श्री श्याम बाबा की पावन ज्योत एवं एकादशी के पावन अवसर पर 100वीं विशाल भजन संध्या का भव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक श्री किशोर तोषनीवाल, श्री अंशुल कोठारी, श्री हर्ष बंसल एवं श्री पवन डोकानिया ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से समस्त श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भजनों की सुरमयी धारा में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भक्ति रस में सराबोर हो गए।

समिति ने सभी श्याम प्रेमियों, सहयोगकर्ताओं, सेवाभावी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन ऐतिहासिक एवं सफल बन पाया।

इस अवसर पर समिति के संरक्षक हनुमान अग्रवाल, परामर्शदाता श्रवण केडिया एवं विनोद तिबड़ेवाल, अध्यक्ष राकेश केडिया सहित समिति के सदस्य मुकेश चौधरी, दीपेश, देवेश, विमल, प्रणव, अंकुर, रुद्र, सचिन (गजवेल), अर्जुन, वेंकट, आलोक, रंजीत, विष्णु, सांवरमल जी, श्सचिन, हर्ष एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पहाड़ी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स में एकादशी के उपलक्ष्य में श्री राज मित्र मंडल द्वारा आयोजित श्री श्याम संकीर्तन के अंतर्गत भजन प्रस्तुत करते हुए पंकज ओझा। भजन गायक एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी रुपेश सिंघानिया, पंकज सिंगला, प्रवीण अग्रवाल, नागेश अग्रवाल, राज मित्र मंडल के प्रदीप अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल एवं उपस्थित भक्तगण।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप का सेवा भाव, निराश्रितों को मिला सहारा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में निराश्रित जनों ने भाग लेकर लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक सहायता प्रदान की गई, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और खुशी झलक उठी। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा को मानवता का सबसे बड़ा धर्म बताते हुए निरंतर ऐसे कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, मनोज डालमिया, तेज प्रकाश अग्रवाल, रणधीर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद के नगर आगमन पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशि कांत अग्रवाल, अध्यक्ष योगेश जैन, मंत्री विपिन अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, सुनील अग्रवाल आदि ने उनसे भेंट कर तेलंगाना के आयोजन और समाजसेवा संबंधी गतिविधियों से अवगत कराया तथा शॉल एवं पुष्पगुच्छ से उनका स्वागत किया।

नगर पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार, रमना रेड्डी डीसीपी जुबिली हिल्स तथा गजराओ भोपाल राव इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को बधाई देते हुए खैरताबाद जोन अध्यक्ष शशि कांत अग्रवाल, ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा, सिकंदराबाद जोन अध्यक्ष नारायण रेड्डी, जुबिली हिल्स अध्यक्ष तेजो विजय कुमारी, चारमीनार जोन अध्यक्ष ख्वाजा गाजीउद्दीन, शमशाबाद जोन अध्यक्ष हामिद पटेल, एजाज खादर एवं अन्य।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से बंडारू दत्तात्रेय ने शिष्टाचार भेंट की

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेया ने मंगलवार दि. 28 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद स्थित लोक भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी से शिष्टाचार भेंट की।इस दौरान, दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न विषयों पर एक सौहार्दपूर्ण और सार्थक विचार-विमर्श किया तथा अपने दीर्घकालिक संबंधों को याद करते हुए पुरानी यादों को ताजा किया।श्री कोविंद ने साझा किया कि उनकी अध्यक्षता में गठित ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' पर समिति ने अपनी रिपोर्ट माननीय राष्ट्रपति को सौंप दी है। उन्होंने आगे जानकारी दी कि इस रिपोर्ट को संसद भेज दिया गया है, जहां एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया है और वह वर्तमान में इस मामले की जांच कर रही है। श्री रामनाथ कोविंद जी ने बंडारू दत्तात्रेया के स्वास्थ्य तथा दैनिक गतिविधियों के बारे में भी जानकारी ली, जो दोनों नेताओं के बीच आपसी स्नेह और सम्मान को दर्शाता है।

महबूबनगर में पिता ने दो मासूम बेटों की हत्या कर खुदकुशी की

महबूबनगर, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में महबूबनगर जिले के थोरूर कस्बे के बाहरी इलाके में एक 35 वर्षीय व्यक्ति ने अपने दो छोटे बेटों की हत्या कर खुदकुशी कर ली।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान शवाली (35) के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उसने एक पेड़ से फंदा लगाकर अपनी जान देने से पहले कथित तौर पर अपने दो बेटों विलास (5) और निकेश (3) को फांसी पर लटका दिया।

यह घटना मंगलवार सुबह एस समय सामने आयी जब स्थानीय लोगों ने शवों को देखा और पुलिस को खबर दी।

पुलिस मामला दर्ज कर तहकीकात कर रही है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से अग्रमंच संपादकों की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिन्दी मासिक 'अग्रमंच' के प्रधान संपादक डॉ. दिलीप पंसारी एवं कार्यकारी संपादक डॉ. सुमन सराफ ने देश के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद से उनके हैदराबाद भ्रमण कार्यक्रम के दौरान लोक भवन, हैदराबाद में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने 'अग्रमंच' के नवीनतम अंक की प्रति उन्हें भेंट की।इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सत्य भूषण जैन भी उपस्थित रहे। पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने 'अग्रमंच' के नवीनतम अंक का गंभीरता से अवलोकन करते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने लगातार 12 वर्षों से नियमित रूप से प्रकाशित हो रही इस पत्रिका की प्रशंसा करते हुए अग्रमंच प्रकाशन समूह को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं।

हैदराबाद जिले के जिला कलेक्टर का पदभार ग्रहण करने पर प्रियंका आला का सम्मान करते हुए भाजपा तेलंगाना व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक अविनाश देवड़ा।

सेवा की भावना संस्कारों में फलीभूत होती है : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सेवा की भावना हमारे संस्कारों में निहित होती है और यही भावना समाज को एकजुट करने का कार्य करती है।

उन्होंने कहा कि निस्वार्थ सेवा से न केवल जरूरतमंदों की सहायता होती है, बल्कि व्यक्ति को आत्मिक संतुष्टि भी प्राप्त होती है।

इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल, जगन एलाकुर्थी, प्रीतिका अग्रवाल, रवींद्र शर्मा, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, गोपाल गोयल एवं गौरव गोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

निज़ामाबाद सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता धर्मपुरी अरविन्द को गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत प्रार्थना पत्र सौंपते हुए लव फोर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, तरुण मेहता, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मीडिया कन्वीनर मुकेश चौहान जैन, जे. लक्ष्मण एवं अन्य।

रसूलपुरा जैन मंदिर में शासन स्थापना दिवस भक्ति व उल्लास के साथ सम्पन्न

केवलज्ञान कल्याणक पर निकली 45 आगमों की भव्य शोभायात्रा

धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गुंजायमान हुआ वातावरण, स्वामीवात्सल्य में लिया धर्मलाभ

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रसूलपुरा स्थित श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन मंदिर में परम पूज्य भवरत्नाश्रीजी म.सा. के शिष्यरत्न परम पूज्य सुक्रतरत्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-03 की मंगल छत्रछाया में श्री महावीर स्वामी भगवान के केवलज्ञान कल्याणक एवं शासन स्थापना दिवस को अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया।

जैन रत्न श्री रमेश पी. तातेड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस पावन अवसर पर सभी लाभार्थी परिवारों को सुख-स्माक्षरी आगम भेंट स्वरूप प्रदान किए गए। ढोल-नगाड़ों के साथ 45 आगमों की भव्य मंगल शोभायात्रा निकाली गई, जो मंदिर में प्रवेश कर धर्ममय वातावरण का सृजन करती रही।

कार्यक्रम के दौरान नाट्य, नृत्य एवं शासन ध्वज फहराने जैसे विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। आगम लेकर आने वाले लाभार्थियों, स्वामीवात्सल्य के सेवाधारियों तथा पधारे हुए संगीतकारों का सम्मानपूर्वक बहुमान भी किया गया। पूज्य म.सा. ने भगवती सूत्र की लगभग 700 गाथाओं का सस्वर वाचन करते हुए 45 आगमों के नाम एवं उनके महत्व का प्रभावी विवेचन किया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु ज्ञानवर्धन से लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के पश्चात स्वामीवात्सल्य की व्यवस्था में सभी ने धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजन में ट्रस्ट मंडल के साथ विशेष सहयोगी श्री सुधीर आर. कोठारी, श्री निकेश जैन, श्री शालीन दोषी, श्री विक्रम भंडारी, श्री नितिन मेहता, श्री रीतेश तातेड, श्री हसमुख हरण, श्री अरुण मेहता, श्री निखिल कोठारी, श्री तपन तातेड, श्री निखिल बागरेचा, नेहाल बेन, नेहा बेन, हेमा बेन एस. कोठारी, नीतू बेन, पायल बेन, ऊषा बेन, पूजा बेन, काजल बेन, जिनय, जीयांश, एतांश, तीर्थ, ऋषभ, हरित, तत्व, वीरेन सहित अन्य संघों से भी गणमान्यजन उपस्थित रहे।अंत में संघाध्यक्ष एवं महामंत्री सहित समस्त ट्रस्टीगणों ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शृंग ऋषि भवन फीलखाना में नागला तिवारी वासु संग आशिता तथा केशव संग आरती के स्वागत समारोह कार्यक्रम में सिखवाल प्रगति समाज वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, राधेश्याम तिवारी, अनिल तड़बा, विनोद ओझा, रवि तिवारी, अशोक कुमार तिवारी, सुरेश कुमार व्यास जानम, धनराज तिवारी उपस्थित हुए तथा नवयुगल दंपति को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

आई माता बडेर पेद्दा शाहपुर शमशाबाद में दिनेश कुमार जोशी के विवाहोत्सव की रजत जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में आशीर्वाद प्रदान करते हुए सिखवाल प्रगति समाज वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, बाबूलाल जोशी, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नरेश पांडिया, भागीरथ पांडिया, नटवरलाल व्यास एवं अन्य ।

सम्यक् सामायिक का आयोजन

मुनिश्री दीप कुमार व मुनिश्री काव्य कुमार के सानिध्य में हुई साधना

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिमायतनगर स्थित सुंदरी जोन में सम्यक् सामायिक का आयोजन पावन सानिध्य में युगप्रधान शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान शिष्य मुनिश्री दीप कुमार जी एवं मुनिश्री काव्य कुमार जी (ठाणा-2) के सान्निध्य में प्रातः 9:15 से 10:15 बजे तक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदरी जोन की बहनों द्वारा हर्षलताजी रचित स्वागत गीतिका के सुंदर संगान से हुआ, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक भाव से ओत-प्रोत कर दिया।

मुनिश्री दीप कुमार जी ने सामायिक की साधना पर प्रेरक प्रवचन देते हुए इसके चार आयामों को विस्तारपूर्वक समझाया और श्रावक-श्राविकाओं को जीवन में इसे अपनाने का संदेश दिया। मुनिश्री काव्य कुमार जी ने आचार्य भिक्षु के दृष्टांत के माध्यम से जीवन में धैर्य धारण करने की प्रेरणा दी। उन्होंने एक प्रेरणादायक कथा के माध्यम से बताया कि दूसरों के दोष देखने से पहले स्वयं के दोषों पर ध्यान देना आवश्यक है।

कार्यक्रम में लगभग 40 भाई-बहनों की उपस्थिति रही, जिन्होंने सामायिक साधना का लाभ प्राप्त किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति खम्मम की अर्धवार्षिक बैठक संपन्न

खम्मम, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, खम्मम के संयोजन एवं तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम की अर्धवार्षिक बैठक श्री राजशेखर बीरा, सहायक महाप्रबंधक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, सार्वजनिक उपक्रमों एवं केंद्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य सदस्य कार्यालयों में राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श करना रहा। इस दौरान राजभाषा हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने तथा इसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए राजभाषा के अधिकतम उपयोग के लिए सुझाव भी प्रस्तुत किए।

बैठक का संचालन भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम के सदस्य-सचिव श्री वाई. प्रसन्न कुमार ने किया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की राजभाषा अधिकारी सुश्री मनीषा महतो ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा आम पन्ना वितरण कार्यक्रम

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद द्वारा अमृतधारा के तहत आम पन्ना वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। शाखा मंत्री श्रीमती उर्मिला सोनी (ढल्ला) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शाखा की अध्यक्ष श्रीमती शशिकला नाहर के नेतृत्व में बढ़ती गर्मी को देखते हुए राह चलते लोगों को शीतल आम पन्ना पिलाया गया। यह कार्यक्रम एकादशी के पावन अवसर पर श्रीमती शांति पांडे एवं उनके समूह द्वारा विशेष रूप से आयोजित किया गया। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस सेवा कार्य में कुल 2,500 गिलास शीतल आम पन्ना का वितरण किया गया। ठंडा पेय प्राप्त कर राहगीरों के चेहरों पर राहत और संतोष स्पष्ट दिखाई दिया, जिससे कार्यक्रम का उद्देश्य सफल होता नजर आया। इस सेवा कार्य में शाखा की सदस्याएंसुनीता डूंगरवाल, शांति पांडे, मंजू बंग, संजू सांखला, पूनम तिवाड़ी, सोनम सुराना, आशा लुणावत, कुसुम देवाल, निर्मला सोनी, सीमा पांडे, प्रियंका पांडे, सोनम कोलरिया, सुनीता लखारा, सविता बोहरातथा सिकंदराबाद शाखा के सदस्य श्री नारायण जी छावड़ा का विशेष सहयोग रहा। अंत में सभी सदस्यों ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अमृतधारा की संयोजिका श्रीमती दीपा सोनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हेतु बैठक आयोजित

पुरुषोत्तम मास में 21 से 27 मई तक गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स में होगा आयोजन

108 कलश यात्रा व 56 यजमानों की सहभागिता, पहले आओ-पहले पाओ आधार पर पंजीकरण

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री पंच कुण्डीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हेतु बैठक लिबर्टी होटल, बंजारा हिल्स में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समिति के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह महायज्ञ पुरुषोत्तम मास में 21 मई से 27 मई तक बंजारा हिल्स, रोड नम्बर 12 पर स्थित गोल्डन टेम्पल में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य यजमान राम प्रसाद जी एवं बजरंग प्रसाद जी गुप्ता रहेंगे। संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकर लाल अग्रवाल हैं। अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल एवं महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री गुलाब चंद अग्रवाल एवं सुशील कुमार केडिया, कोषाध्यक्ष सी. ए. रविंद्र कुमार अग्रवाल रहेंगे।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप मेंअरुण कुमार गुप्ता, विजय कुमार अग्रवाल, अजय दोचानिया, विनोद कुमार अग्रवाल (डाकोतिया), सी. ए. सुरेश कुमार अग्रवाल, ओम प्रकाश बंसल शामिल हैं। परामर्शदाता के रूप में महेश कुमार अग्रवाल, मुकुंद लाल सोंथालिया, गोविंद प्रसाद गुप्ता, प्रमोद कुमार सरायवाला, सुरेंद्र कुमार गोयल, सुरेश कुमार अग्रवाल (आयल वाले), विट्ठल दास अग्रवाल, मोहन लाल तोन्दावाले, तारा चंद बंसल, मधुसुदन सोंथालिया, राधेश्याम गुप्ता, केदारनाथ अग्रवाल, विशम्भर दयाल केडिया, पुरुषोत्तम भगेरिया, अशोक चंद अग्रवाल, चंद्रकांत अग्रवाल एवं भरत कुमार सोंथालिया को मनोनीत किया गया।

भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल, कलश यात्रा संयोजक श्री सुनील कुमार गुप्ता, कार्यस्थल संयोजक श्री माणक चंद गुप्ता, प्रचार व प्रसार संयोजक श्री मुकुंद लाल अग्रवाल तथा प्रसाद संयोजक कैलाश कुमार अग्रवाल एवं श्री संदीप गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

समिति के अनुसार प्रतिदिन मुख्य यजमान के अतिरिक्त 8 अन्य यजमान रहेंगे। इस प्रकार 7 दिनों में कुल 56 यजमान सहभागिता करेंगे। यजमान बनने हेतु इच्छुक श्रद्धालु संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले) (9440009883) अथवा शंकर लाल अग्रवाल (9849128305) से संपर्क कर सकते हैं। पंजीकरण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

इसी क्रम में 21 मई को प्रातः 8:30 बजे गोल्डन टेम्पल से 108 कलशों की भव्य यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा में सम्मिलित होने के इच्छुक श्रद्धालु सुनील कुमार गुप्ता (9849222590) से संपर्क कर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

बैठक में बजरंग प्रसाद गुप्ता, सुरेश कुमार अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, मुन्ना लाल अग्रवाल, सुभाष कुमार अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री सी. ए. रविंद्र कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल एवं अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित थे।

कोरा संघ की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

मंगलाचरण के साथ बैठक का शुभारंभ, चातुर्मास व भवन मेंटेनेंस पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री जैन श्रावक संघ कोरा की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक श्री आनंद जैन भवन, कोरा, सिख विलेज, सिकंदराबाद में आयोजित की गई।

संघ के महामंत्री श्री गौतम चंद मुथा एवं मंत्री श्री अनिल तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यकारिणी बैठक का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ 5-5 नवकार महामंत्र के जाप से किया गया। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष श्री गौतम चंद श्रीश्रीमाल ने की।

बैठक में सर्वप्रथम सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत किया गया। इसके पश्चात विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें भवन के मेंटेनेंस तथा आगामी चातुर्मास की तैयारियां प्रमुख रहीं। चातुर्मास के दौरान विभिन्न समितियों के गठन को लेकर सदस्यों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा शीघ्र ही समितियों का गठन करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के उपरांत अल्पाहार की व्यवस्था अध्यक्ष श्री गौतम चंद श्रीश्रीमाल की ओर से की गई। साथ ही नए कार्यकारी टीम के सभी सदस्यों का स्वागत खंडवा द्वारा किया गया।

अंत में महामंत्री श्री गौतम चंद मुथा ने उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

बैठक में श्री गौतम चंद रूणवाल, श्री विजय सुर-ाणा, श्री संजय कटारिया, श्री गौतम चंद श्रीश्रीमाल, श्री गौतम चंद मुथा, श्री पारसमल सुखानी, श्री सूर्य प्रकाश नाबारिया, श्री अशोक तातेड, श्री नरेंद्र मंडोत, श्री अनिल तातेड, श्री महावीर बोहरा, श्री राजेंद्र भंसाली, श्री ज्ञानचंद कोंचिटा, श्री गौतम कोठारी, श्री सुरेश गाड़िया, श्री प्रवीण लोढ़ा, श्री संतोष कोठारी आदि उपस्थित थे।

कोडंडाराम का भव्य स्वागत, बस्ती दवाखाना कर्मचारियों ने दी शुभकामनाएं

बांसवाड़ा, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना जन समिति के अध्यक्ष एवं तेलंगाना जेएसी के चेयरमैन प्रोफेसर कोडंडाराम को गवर्नर कोटे से एम.एल.सी. के रूप में मंजूरी मिलने तथा पद की शपथ लेने के उपलक्ष्य में उनका भव्य स्वागत किया गया।

तेलंगाना बस्ती दवाखाना के सपोर्टिंग स्टाफ ने तारनाका स्थित उनके निवास पर पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान कर्मचारियों ने प्रोफेसर कोडंडाराम को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया, शुभकामनाएं दीं तथा मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया।

इस अवसर पर तेलंगाना बस्ती दवाखाना कॉन्ट्रैक्ट एवं आउटसोर्सिंग एम्प्लॉई एसोसिएशन के अध्यक्ष मंगलपति सुमन, महासचिव अंजद अली खान, कन्वीनर मेथुकु उप्पलैया सहित अनीता, शांतम्मा, राउथु नरसिम्हा, भाविका, साइमन राज, मधुबाबू, सुशीला, स्वप्ना, लता एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस आर्ट टीम द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कामारेड्डी डिस्ट्रिक्ट के पुलिस सुपरिटेंडेंट श्री एम. राजेश चंद्र, खझड के निर्देश पर पुलिस आर्ट टीम द्वारा विभिन्न विषयों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत गर्मी के मौसम में बरती जाने वाली सावधानियों, ड्रग्स से बचाव, साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता, हेलमेट के अनिवार्य उपयोग तथा शराब पीकर वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान साइबर क्राइम से बचाव हेतु टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा लोगों को जढझ किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी गई। आपात स्थिति में 100 नंबर डायल करने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए संचालित शी टीम के हेल्पलाइन नंबर 972686094 की भी जानकारी दी गई।

यह कार्यक्रम पुलिस कलाबृंदम इंचार्ज हेड कांस्टेबल रामंचा तिरुपति के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें शेष राव, पीसी प्रभाकर तथा सैलू द्वारा संवाद और गीतों के माध्यम से प्रभावी प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में भरोसा इंचार्ज कविता एवं उनकी टीम ने भी विभिन्न स्थानों पर सक्रिय भागीदारी निभाई और जनजागरूकता फैलाने में सहयोग किया।

कार्मिक संघ नेताओं ने आरटीसी एमडी से की मुलाकात

बांसवाड़ा, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना आरटीसी कार्मिक संघ (बीएमएस) की राज्य समिति टीम ने टीजीएसआरटीसी के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (वीसी एवं एमडी) से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।इस दौरान संघ प्रतिनिधियों ने आगामी पे स्केल कमेटी के गठन के लिए एमडी का आभार व्यक्त किया। बैठक में यूनियन को सशक्त बनाने, संगठन के राजस्व विकास से जुड़े मुद्दों तथा सरकारी मर्जर प्रक्रिया की निर्धारित समय-सीमा पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में कर्मचारियों के हितों की रक्षा के साथ-साथ संगठन को पुनः सुदृढ़ करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्व वृद्धि के लिए विभिन्न सुझाव भी प्रस्तुत किए गए।इस अवसर पर तेलंगाना आरटीसी कार्मिक संघ के जनरल सेक्रेटरी श्री एर्रास्वामी कुमार, अध्यक्ष श्री वेंकटचारी, श्री वेंकट रेड्डी, श्री मनोहर कुलकर्णी, श्री लक्ष्मीनारायण, राज्य संगठन मंत्री श्री नोमुला प्रसाद, राज्य महिला सचिव श्रीमती अनसूया, राज्य सचिव श्री शोभन, यादगिरीगुट्टा डिपो सचिव श्री लवन्ना, श्री मोहन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रेम और समभाव ही आध्यात्मिकता का आधार : कमल मुनि कमलेश

बैंगलोर, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
संप्रदायवाद, गरीब-अमीर, छोटे-बड़े, तेरे-मेरे जैसे संकीर्ण विचारों के कीटाणु परमाणु बम से भी अधिक खतरनाक हैं। इनका त्याग कर जो प्राणी मात्र को समान भाव से प्रेम और वात्सल्य प्रदान करता है, वही वास्तविक आध्यात्मिकता में प्रवेश कर सकता है। उक्त विचार राष्ट्र संत कमल मुनि कमलेश ने दीक्षार्थी संजय पुंगलिया को मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि संत जीवन को किसी बाहरी उपासना पद्धति या कर्मकांड में सीमित नहीं किया जा सकता। संत की पहचान उसके वेश से नहीं, बल्कि उसके विचारों से होती है।

मुनि कमलेश ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कुएं में मीठा पानी होगा तो बाल्टी में भी मीठा ही आएगा। उसी प्रकार संत के अंतर्मन में जितना प्रेम होगा, वह उतना ही समाज में वितरित करेगा। नफरत मनुष्य को शैतान बनाती है, जबकि प्रेम उसे भगवान के समान बना देता है।

उन्होंने आगे कहा कि जो संत होकर भी नफरत के कीटाणुओं से ग्रसित रहता है, वह चाहे कितनी ही कठोर साधना क्यों न कर ले, आत्मकल्याण के स्थान पर केवल कर्मों का बंधन ही बढ़ाता है।

राष्ट्र संत ने कहा कि जिस दिन विश्व की सभी परंपराओं के संत एक मंच पर खड़े होकर यह घोषित कर देंगे कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है और हम सभी प्रेम के पुजारी हैं, उसी क्षण विश्व में शांति स्थापित हो सकती है।

जैन संत ने कहा कि प्रेम ही धर्म का वास्तविक प्राण और साधना का राजमार्ग है। यदि आपसी प्रेम नहीं है, तो सम्यक ज्ञान, दर्शन और चरित्र का मार्ग भी प्राप्त नहीं हो सकता। अंत में उन्होंने कहा कि जिसमें भेदभाव का जहर नहीं है, वह श्रावक भी संत से महान है। वहीं जिसमें भेदभाव का विष है, वह धार्मिक तो क्या, इंसान कहलाने योग्य भी नहीं है। अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच, नई दिल्ली की ओर से पुष्पा बाबेल, रेनू रखा, अभय भटेवरा एवं पुष्पा बोहरा ने अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल संयम जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। वर्तमान में मुनि कमलेश हनुमंत नगर स्थित जैन स्थानक भवन में विराजमान हैं। आगामी 30 अप्रैल को वीरांगना सम्मान समारोह का आयोजन भी यहीं किया जाएगा।

पत्रकारों को न्याय व प्रतिनिधित्व दिलाने हेतु आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य के पत्रकारों की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान, ग्रामीण एवं जिला स्तरीय पत्रकारों को सरकारी मान्यता प्रक्रिया में उचित प्रतिनिधित्व दिलाने तथा पत्रकारों और शासन के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से पुरोगामी पत्रकार संघ (भारत) की ओर से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर संगठन के संस्थापक अध्यक्ष श्री विजय सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में तेलंगाना राज्याध्यक्ष श्री गजानन बिडकर ने आयुक्त से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। ज्ञापन में राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत पुरोगामी पत्रकार संघ (भारत) को तेलंगाना राज्य में आधिकारिक प्रतिनिधित्व प्रदान करने की मांग की गई।

ज्ञापन में राज्याध्यक्ष श्री गजानन बिडकर को तेलंगाना राज्य मान्यता समिति में सदस्य के रूप में नियुक्त करने की मांग की गई। इसके साथ ही निजामाबाद जिलाध्यक्ष श्री कालिदास अनंतोजी को निजामाबाद जिला मान्यता समिति तथा कामारेडी जिलाध्यक्ष श्री विश्वंभर कुलकर्णी को कामारेडी जिला मान्यता समिति में सदस्य के

रूप में शामिल करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि ग्रामीण पत्रकारों, जिला स्तरीय संवाददाताओं एवं लघु-मध्यम समाचार संस्थानों से जुड़े पत्रकारों को सरकारी सूचना व्यवस्था में अधिक सशक्त स्थान दिया जाए। साथ ही पत्रकार कल्याण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और समस्याओं पर त्वरित निर्णय सुनिश्चित करने के लिए संगठन को सरकारी समितियों में प्रतिनिधित्व देना आवश्यक बताया गया।

हैदराबाद में सिल्वर स्टोन एकाडमिया के समर कैंप का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बहुराष्ट्रीय शैक्षणिक ब्रांड 'सिल्वर स्टोन एकेडेमिया' ने शहर भर में अपने बहुप्रतीक्षित समर कैंप (ग्रीष्मकालीन शिविर) के शुभारंभ की गर्व के साथ घोषणा की है। यह अनूठा एक महीने का कार्यक्रम 6 से 19 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो मनोरंजन, सीखने और व्यक्तित्व विकास का एक आदर्श मिश्रण पेश करता है।

इस शिविर का उद्घाटन डेक्कन डेमोक्रेटिक क्लब के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री हबीब मोहसिन द्वारा किया गया। इस अवसर पर फिल्म चैंबर्स, जुबली हिल्स के सलाहकार डॉ. वेदांतम डी. चक्रवर्ती, सिल्वर स्टोन एकेडेमिया के निदेशक मोहम्मद शम्सुद्दीन और डिजिटल अकादमी के संस्थापक श्री मुदस्सिर अहमद की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम उन युवा दिमागों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है जो नवीन शिक्षण अनुभवों की तलाश में हैं।

यह कैंप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित और पुरस्कार विजेता शिक्षिका ताहा बेगम के मार्गदर्शन में सोच-समझकर तैयार किया गया है। वह कार्यक्रम को आकार देने और उच्च गुणवत्ता वाले सीखने के अनुभव को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस पहल में डिजिटल अकादमी के संस्थापक मुदस्सिर अहमद का भी विशेष सहयोग प्राप्त है। शिविर की मुख्य विशेषता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष ध्यान देना है, जिससे बच्चों को भविष्य के कौशल से आकर्षक और व्यावहारिक तरीके से परिचित कराया जाएगा। शिक्षा के साथ-साथ, बच्चे ऐसी गतिविधियों में भी भाग लेंगे जो स्वस्थ जीवन शैली, फिटनेस, रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बढ़ाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देती हैं।

सिल्वर स्टोन एकेडेमिया का यह कार्यक्रम केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है। इसमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए व्यवहार विकास और बड़ों के साथ सकारात्मक बातचीत पर विशेष सत्र शामिल किए गए हैं। यह बच्चों को समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उभरने में मदद करेगा। इसके अतिरिक्त, पाठ्यक्रम में ताजवीद के साथ कुरान की कक्षाएं भी शामिल की गई हैं, जो एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करती हैं। यह ज्ञान और नैतिक मूल्यों दोनों का पोषण करने की एक अनूठी कोशिश है। इस गर्मी में, सिल्वर स्टोन एकेडेमियाजो एक प्रगतिशील शिक्षा ब्रांड हैहोलिस्टिक लर्निंग (समग्र शिक्षा) की नई अवधारणा के माध्यम से आपके बच्चों को खोजने, सीखने और बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहा है।

सामूहिक प्रयासों से ही राष्ट्र निर्माण संभव : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के सशक्त निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि जब समाज के सभी वर्ग मिलकर सेवा, सहयोग और एकता की भावना से कार्य करते हैं, तभी एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव होता है।

उन्होंने आगे कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा न केवल जरूरतमंदों के जीवन में राहत पहुंचाती है, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी सद्भाव भी बढ़ाती है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया और सेवा कार्य पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जोलपा गाँव में कुलदेवी माँ बावन माताजी मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

झालावाड़ (राजस्थान), 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजस्थान के झालावाड़ जिले की खानपुर तहसील स्थित जोलपा गाँव में ऋषि शृंग वंशज सिखवाल ब्राह्मण समाज के हल्दिया उपाध्याय एवं अग्यवाल उपाध्याय गोत्र द्वारा कुलदेवी माँ बावन माताजी के नवनिर्मित मंदिर में खंडित प्रतिमा के स्थान पर नई मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में परिवार की बहन-बेटियों के साथ सकल सिखवाल समाज एवं स्थानीय लोगों को आमंत्रित किया गया। आयोजन की पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी आज संपन्न हुई।

हल्दिया एवं अग्यवाल उपाध्याय गोत्र के समाज बंधुओं द्वारा इस मंदिर का निर्माण करवाया गया। इसी कुल की सत्ती माता भी जोलपा में एक कुंड के पास अन्यत्र पूजी जाती हैं, जहां पहले से निर्मित छतरी का भी जीर्णोद्धार एवं रंग-रोगन कराया गया। अग्यवाल-हल्दिया उपाध्याय गोत्र के परिवारजन समय-समय पर कुलदेवी के दर्शन हेतु यहां आते रहते हैं।

समाज में प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, उपाध्याय परिवार की बहुओं को सत्ती माता ने हाथी दांत का चूड़ा पहनने का निर्देश दिया था, किंतु इसकी कठिन उपलब्धता को देखते हुए समाजजनों ने माता से निवेदन किया। कहा जाता है कि तब सत्ती माता ने काली चूड़ियां पहनने की अनुमति दी। तभी से इस गोत्र की बहुएं अधिकतर काली चूड़ियों का ही उपयोग करती हैं।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यदि काली चूड़ियों के स्थान पर अन्य रंग की चूड़ियां पहनी जाएं, तो अशुभ प्रभाव पड़ सकता है। इस परंपरा के कारण सामाजिक पहचान भी बनी रहती है, जिससे घूंघट में होने पर भी बहुओं की पहचान संभव हो जाती है और उन्हें सम्मानपूर्वक व्यवहार मिलता है।

साथ ही, सत्ती माता को अर्पित किया गया समस्त सामान बहन-बेटियों को ही प्रदान करने की परंपरा भी आज तक निभाई जा रही है। माँ बावन माताजी की पुरानी प्रतिमा के संबंध में जनश्रुति है कि उसका मुख झुलसा हुआ था। बताया जाता है कि एक बार जोलपा गाँव में आधी रात को चोर घुस आए, तब माता ने ग्रामीणों को जगा दिया। इससे क्रोधित होकर चोरों ने प्रतिमा का मुख झुलसा दिया, किंतु स्वयं अंधे होकर वहीं नष्ट हो गए। कई ग्रामीणों ने पूर्व में झुलसी हुई प्रतिमा के दर्शन भी किए थे। अब नई मूर्ति की स्थापना से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

तेलंगाना एसएससी परिणाम आज होंगे घोषित

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
एसएससी पब्लिक एग्जामिनेशन के परिणाम बुधवार, 29 अप्रैल को दोपहर 2 बजे हैदराबाद स्थित SCERT कैंपस के गोदावरी ऑडिटोरियम में घोषित किए जाएंगे। छात्र अपने परिणाम आधिकारिक वेबसाइटों results.bse.telangana.org, results.bse.telangana.gov.in, bse.telangana.gov.in Amda schooledu.telangana.gov.in के माध्यम से देख सकते हैं।

वेबसाइट और व्हाट्सएप के जरिए मिलेगा परिणाम

राज्य सरकार ने परिणाम जांचने के लिए मीसेवा (चशशडर्शींर) व्हाट्सएप चैटबॉट की सुविधा भी शुरू की है, जिसके माध्यम से छात्र 29 अप्रैल को दोपहर 2.30 बजे से अपने मोबाइल फोन पर सीधे अंक पत्रक प्राप्त कर सकते हैं। छात्रों को नंबर 8096958096 सेव करना होगा, ''Hi'' मैसेज भेजना होगा, SSC परिणाम विकल्प चुनना होगा और अपना हॉल टिकट नंबर दर्ज करना होगा, जिससे परिणाम तुरंत प्राप्त हो जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि इस सेवा से वेबसाइटों पर भारी ट्रैफिक के कारण होने वाली देरी में कमी आने की उम्मीद है और छात्र घर बैठे परिणाम देख सकेंगे।

व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म, जिसकी शुरुआत 18 नवंबर, 2025 को हुई थी, का उपयोग पहले से ही प्रमाण पत्र, बिल भुगतान और प्रवेश परीक्षा डाउनलोड जैसी सेवाओं के लिए व्यापक रूप से किया जा चुका है और अब इसे राज्य की डिजिटल सेवा वितरण के हिस्से के रूप में डडउ परिणामों तक विस्तारित किया जा रहा है।

DIRECTORATE OF GOVERNMENT EXAMINATIONS TELANGANA

टेली-मानस ने छात्रों से की शांति बनाए रखने की अपील

परिणामों से पहले, टेली-मानस काउंसलरों ने छात्रों और अभिभावकों से दिन को शांति से लेने और जरूरत पड़ने पर सहायता लेने का आग्रह किया है। तेलंगाना में टेली-मानस के वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक जवाहरलाल नेहरू पी. ने कहा, घबराएं नहीं। परिणाम अस्थायी हैं। ये केवल उस बात की प्रतिक्रिया हैं जो एक छात्र ने पहले लिखा है, और इन्हें सुधारा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, अंक केवल संख्याएं हैं और तैयारी पर निर्भर करते हैं। इस स्थिति में डर न जोड़ें और तनाव न लें।

टेली-मानस अपने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों 14416 और 800-891-4416 के माध्यम से निःशुल्क, गोपनीय और पेशेवर मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करता है, जो 24/7 उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन दिन-रात उपलब्ध रहती है और परिवार सहायता के लिए संपर्क कर सकते हैं। अभिभावकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उन्हें सहानुभूति दिखानी चाहिए और बच्चों का न्याय नहीं करना चाहिए या उनके अंकों की तुलना नहीं करनी चाहिए। उन पर ऐसा दबाव डालने की कोई जरूरत नहीं है। उनका साथ दें, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है, उन्होंने कहा, और यह जोड़ते हुए कि निराशा से जूझ रहे छात्रों को बिना दोषी महसूस किए उबरने में मदद की जानी चाहिए।

नेहरू ने लोगों से संकट के संकेतों के प्रति सतर्क रहने का भी आग्रह किया। ''यदि किसी को कोई बच्चा अलग-थलग पड़ता या संघर्ष करता हुआ दिखे, तो तुरंत अधिकारियों को सूचित करें या सहायता लें। समय पर सहायता मिलने से जानें बचाई जा सकती हैं, उन्होंने कहा, यह उल्लेख करते हुए कि जीवन में कई सफल लोगों ने कक्षा दस में शीर्ष अंक हासिल नहीं किए थे।

किशन रेड्डी ने सीएम रेवंत से चेरलापल्ली में सड़क विस्तार में तेजी लाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ्ज्ञ ब्यूरो)।
केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से चेरलापल्ली और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशनों पर संपर्क मार्ग को चौड़ा करने और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए जमीन आवंटित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। एक पत्र में केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि हैदराबाद में मुसाफिरों की बढ़ती तादाद से प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर दबाव बढ़ गया है, जिससे बेहतर यातायात ज़रूरी हो गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि जनवरी 2025 में नवनिर्मित चेरलापल्ली टर्मिनल में रोजाना कई ट्रेनों के संचालन के साथ यात्रियों की आवाजाही बढ़ रही है। श्री रेड्डी ने स्टेशन के मुख्य पहुंच मार्गों को चौड़ा करने की जरूरत पर जोर दिया, जिसमें एफसीआई गोदाम रोड को 200 फीट, भरत नगर की ओर की सड़क को कम से कम 100 फीट और ईसी नगर लिंक रोड को लगभग 100 मीटर तक चौड़ा करना शामिल है।

उन्होंने पार्किंग और संबंधित सहूलियतों के लिए लगभग 5.7 एकड़ जमीन के आवंटन के साथ-साथ, काफी समय से रुके हुए पानी की सप्लाई के कनेक्शन के काम में तेजी लाने की भी मांग की। 715 करोड़ रुपये की लागत से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के चल रहे पुनर्विकास का जिक्र करते हुए, उन्होंने मुसाफिरों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए अल्फा होटल से रथीफाइल बस स्टैंड तक की सड़क को 120 फीट तक चौड़ा करने की बात कही।

मंत्री ने कहा कि 2022 से कई बार आग्रह करने के बावजूद कामों में तरक्की नहीं हुई है और उन्होंने परियोजनाओं का काम तेजी से पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री से निजी तौर पर दखल देने का अनुरोध किया है।

एआईएसएफ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में पुलिस ने मंगलवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) के उन कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया, जो फीस वापसी और छात्रवृत्ति के बकाये भुगतान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के आवास तक पैदल मार्च पर निकले थे।

प्रदर्शनकारियों को रास्ते में ही हिरासत में ले लिया गया और अफजलगंज थाना ले जाया गया। राज्य के जिलों से भी छात्र कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

तेलंगाना भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के सहायक सचिव टक्कल्लापल्ली श्रीनिवास राव ने कार्रवाई की निंदा करते हुए इन गिरफ्तारियों को गैर-कानूनी और अलोकतांत्रिक करार दिया। उन्होंने कहा कि छात्र फीस वापसी और छात्रवृत्ति के भुगतान में हो रही देरी से जुड़ी अपनी जायज चिंताओं को शांतिपूर्ण ढंग से उठा रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस देरी के कारण निजी कॉलेजों का प्रबंधन छात्रों के हॉल टिकट, शैक्षणिक और स्थानांतरण प्रमाण पत्र रोककर उन्हें परेशान कर रहा है।

श्रीनिवास राव ने हिरासत में लिये गये छात्रों को तत्काल रिहा करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार विशेष कोष आवंटित करके और छात्रों की शिकायतों का समाधान करके तुरंत जवाब देने में विफल रहती है, तो विरोध-प्रदर्शन और तेज किये जाएंगे।

राज्य सरकार ने आईटी कंपनी पर दर्ज किया केस

डाटा के गलत इस्तेमाल और प्रोजेक्ट हैंडओवर के उल्लंघन का मामला

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार ने ट्रांजैक्शन एनालिस्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और उसके आला अफसरों के खिलाफ डिजिटल संपत्तियों के गबन और कानूनी तौर पर प्रोजेक्ट सौंपने की प्रक्रिया में रुकावट डालने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया है।

यह शिकायत आईटी और संचार विभाग के इलेक्ट्रॉनिक सर्विस डिलीवरी (ईएसडी) प्रभाग की ओर से सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) में दर्ज करायी गयी थी। इस मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) के एसीपी ए. राम रेड्डी कर रहे हैं।

मंगलवार को जारी बयान के मुताबिक, कंपनी और उसके प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं सीईओ श्रीनिवास राव कटुरी पर आरोप है कि 31 मई, 2025 को अनुबंध खत्म होने के बाद भी उन्होंने सरकारी डेटा को नयी एजेंसी को सौंपने में बाधाएं उत्पन्न कीं।

इस कंपनी को शुरू में जनवरी 2017 में राज्य के एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म को विकसित करने और उसके रख-रखाव के लिए नियुक्त किया गया था। सरकार ने इसके विकास पर लगभग 70 लाख रुपये खर्च किये और मासिक रख-रखाव शुल्क का भुगतान भी जारी रखा। करार के मुताबिक, अनुबंध पूरा होने पर सारा डेटा, सोर्स कोड और डिजिटल संपत्तियां सरकार को वापस लौटायी जानी थीं।

कई बार सेवा विस्तार देने के बाद, सरकार ने एक नया टेंडर निकाला, जिसमें परव्यू इंडिया कंसल्टिंग एंड सर्विसेज एलएलपी सबसे कम बोली लगाने वाली (एल-वन) कंपनी के रूप में उभरी। हालांकि वर्तमान कंपनी टेंडर की शर्तों पर सहमत थी, लेकिन अनुबंध हासिल करने में नाकाम रहने के बाद उसने कथित तौर पर असहयोग करना शुरू कर दिया।

कंपनी ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर सरकारी डेटा पर मालिकाना हक जताने की कोशिश की और नयी एजेंसी को संपत्तियां सौंपने का विरोध किया। उस पर उपयोगकर्ताओं के डेटा को अपने निजी आवेदन पर डायवर्ट करने की कोशिश करने का भी आरोप है।

पुलिस ने कंपनी के वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों को नोटिस जारी किये हैं। मुख्य आरोपियों में से एक पूर्व प्रोजेक्ट चीफ एम. श्रीनिवासुलु को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि कटुरी और प्रोजेक्ट मैनेजर किरण कुमार सहित अन्य लोग कथित तौर पर फरार हैं।

सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा और संविदात्मक दायित्वों को लागू करने की कोशिशों के तहत सरकार कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने और नुकसान की भरपाई करने सहित दंडात्मक कार्रवाई पर विचार कर रही है।

कांग्रेस सेवा दल का समर्थ शिविर शुरू, कांग्रेस नेताओं ने भाजपा-बीआरएस को बनाया निशाना

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की ओर से आयोजित छह दिवसीय 'समर्थ' प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में शुरू हुआ, जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने संगठन की भूमिका के बारे में जानकारी दी और विरोधी दलों पर हमला बोला।

आगामी दो मई तक चलने वाले शिविर का उद्घाटन तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ मिलकर किया। उन्होंने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत की और पारंपरिक मशाल जलाकर औपचारिक रूप से कार्यक्रम की शुरुआत की। उद्घाटन सत्र में श्रीमती निर्मला जग्गा रेड्डी और सेवा दल के प्रतिनिधियों सहित कई नेता शामिल हुए। समूह को संबोधित करते हुए श्री महेश कुमार ने कहा कि आजादी के संघर्ष के समय से ही सेवा दल ने एक अहम किरदार अदा किया है और आज भी यह एक केंद्रीय संगठनात्मक ढांचे के तहत काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुआई वाली केंद्र सरकार बंटवारे की राजनीति कर रही है और लोकतांत्रिक संस्थानों को कमजोर कर रही है।

श्री महेश कुमार ने बीआरएस नेतृत्व की भी आलोचना की और कहा कि एक दशक तक सत्ता में रहने के बाद पार्टी ने जनता का भरोसा खो दिया है और अब उसे अंदरूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व जन कल्याण के बजाय अपनी राजनीतिक साख बचाने में मसरूफ है। तेलंगाना के गठन में कांग्रेस पार्टी की भूमिका को दोहराते हुए उन्होंने राज्य के निर्माण का श्रेय सोनिया गांधी को दिया और जोर देकर कहा कि कांग्रेस इसके विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

तेलंगाना में अगले 24 घंटों में लू चलने का अनुमान

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में अगले 24 घंटों में आदिलाबाद, कोमुरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल और निज़ामाबाद जिलों में कुछ जगहों पर अगले 24 घंटों में लू चलने का अनुमान है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को अपनी दैनिक मौसम रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अगले सात दिनों में प्रदेश भर में कुछ जगहों पर गरज के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। इस दौरान कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने के भी आसार है।

विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान आदिलाबाद जिले में कुछ जगहों पर लू की स्थिति रही , जबकि एक या दो जगहों पर बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में आदिलाबाद में सबसे ज़्यादा तापमान 45.3 डिग्री सेल्सिसय दर्ज किया गया।

तेलंगाना चोरी एवं खोए हुए मोबाइलों का पता लगाने में देश का शीर्ष राज्य

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
चोरी हुए और गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद करने में तेलंगाना देश का शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य बनकर उभरा है, जहाँ कुल एक लाख,24 हजार, 850 मोबाइलों का पता लगाकर उन्हें उनके मालिकों को वापस सौंपा गया है।

अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) की महानिदेशक (डीजी) चारू सिन्हा के अनुसार, मोबाइल चोरी और नकली उपकरणों पर अंकुश लगाने के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआर) पोर्टल को राज्य के सभी 780 पुलिस स्टेशनों में लागू किया जा रहा है, जिसमें सीआईडी तेलंगाना की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। सुश्री सिन्हा ने बताया कि 20 अप्रैल, 2023 से 26 अप्रैल, 2026 तक की अवधि के आंकड़ों के अनुसार, 4.82 लाख से अधिक उपकरणों को ब्लॉक किया गया, जबकि 2.82 लाख से अधिक ट्रेसेबिलिटी रिपोर्ट तैयार की गईं। इनमें से 1,24,850 मोबाइल फोन का सफलतापूर्वक पता लगा लिया गया, जो रिकवरी के मामले में एक राष्ट्रीय बेंचमार्क स्थापित करता है।

डीजी ने कहा कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, दिल्ली और पूर्वोत्तर राज्यों जैसे राज्यों की तुलना में सीईआईआर पोर्टल देर से लॉन्च करने के बावजूद तेलंगाना ने यह उपलब्धि हासिल की है।

इस पहल की सफलता में पुलिस कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, जन जागरूकता अभियान और एक समर्पित तकनीकी टीम का गठन सहित कई उपायों ने योगदान दिया है।

इस प्रणाली को तेलंगाना पुलिस नागरिक पोर्टल के साथ भी एकीकृत किया गया है, जिससे नागरिक खोए या चोरी हुए उपकरणों की ऑनलाइन रिपोर्ट कर सकते हैं।

सुश्री सिन्हा ने कहा कि नियमित निगरानी, अंतर-विभागीय समन्वय और पुलिस स्टेशन स्तर पर त्वरित कार्रवाई ने रिकवरी दर में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.